वार्षिक प्रतिवेदन

और

वार्षिक लेखा

2019-2020

राष्ट्रीय बाल भवन

कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2019-20

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चे में पहले से
विद्यमान पूर्ण प्रवीणता को प्राप्त करना है।

– स्वामी विवेकानंद

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

	अध्यक्ष की कलम से	*v*
	निदेशक की कलम से	*vii*
	राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2020 तक	*viii*
1.	परिचय	1
2.	हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण	2
3.	लक्ष्य और उद्देश्य	3
4.	राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका	4
5.	सदस्यता संख्या 2018–19	5
6.	गतिविधियाँ – एक नज़र में	7
7.	राष्ट्रीय बाल संग्रहालय	16
8.	राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र	17
9.	हमारे कार्यक्रम	18
10.	विस्तृत रिपोर्ट	35
11.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	62
12.	दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र	73
13.	भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची	76
14.	राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र	89
15.	31.03.2020 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची	91

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 97

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 98
2. आय तथा व्यय खाता 99
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 100

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 101
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 102
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 103
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 106
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 105
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 105
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 106
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 107
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 108
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 109
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 110
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 110
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 111
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 112
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 112
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 113
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 114
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 115
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 116
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 116
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 117
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 117
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 117

IV. आन्तरिक प्राप्ति खाता

34. तुलनपत्र 118
35. आय एवं व्यय खाता 119
36. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 120
37. अनुसूची 4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2019 को परिसंपत्तियों के मुल्यह्रास की सूची 122

V. भविष्य निधि – जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 123
29. आय एवं व्यय खाता 124
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 125

VI. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 126
32. आय एवं व्यय खाता 127
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 128

VII. लेखकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

37. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 129
38. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 131

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VIII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 135

IX. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 140

अध्यक्ष की कलम से

हमेशा की तरह, हमने इस वर्ष भी अपने कार्यक्रमों को अभिनव बनाया है और सभी पहलुओं पर कड़ी मेहनत के बाद नई अवधारणाओं, बड़े सपनों को देखने की आकांक्षा को जारी रखा है। हमारा परिसर 5-16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को बहुआयामी और सहभागी तरीके से सीखने के अनूठे अनुभव हेतु आमंत्रित करता है। एनबीबी अपनी नई विरासत के निर्माण के साथ-साथ गुणवत्ता और उपलब्धियों के साथ अपनी गौरवशाली विरासत का निर्माण करने के लिए अच्छी तरह से तैनात है, ताकि अपनी सभी गतिविधियों के लिए एक अनूठा परिप्रेक्ष्य लाया जा सके।

हर साल की तरह, 2019-2020 भी नए आश्चर्य और उपलब्धियों से भरा वर्ष था। ग्रीष्मकालीन सत्र में मधुबनी, टाई और डाई, बाँस कला के पारंपरिक कलाकारों ने एक ओर बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन के कल्चर क्राफ्ट विलेज में इन विशिष्ट कलाओं को सीखने के लिए प्रेरित किया, वहीं दूसरी ओर, इनोवेटिव वर्कशॉप ने बच्चों को रचनात्मकता और मस्ती से सराबोर कर दिया। सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए 3-दिवसीय गतिविधियाँ इस वर्ष भी शानदार रहीं, जहाँ हजारों बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती और स्वच्छता अभियान से संबंधित कई गतिविधियाँ आयोजित की गई। जूडो टूर्नामेंट ने दिल्ली के सभी हिस्सों के बच्चों को आकर्षित किया।

हमारे बच्चों को सांस्कृतिक जुटता हेतु मंच प्रदान करने के लिए, हर साल एनबीबी राष्ट्रीय बाल सभा एंव एकीकरण शिविर का आयोजन करता है। इस वर्ष का विषय था 'संस्कृति संगम' एक भारत श्रेष्ठ भारत' और विषय का उद्देश्य बच्चों को विविधता में एकता की भावना को समझाना और उत्पन्न करना था।

राष्ट्रीय बाल भवन ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संयोजित प्रमुख कार्यक्रमों जैसे बैंड प्रतियोगिता और परीक्षा पे चर्चा में सहायता की। जवाहर बाल भवन, मांडी में हमारी ग्रामीण इकाई के कार्यक्रमों ने बच्चों को आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। जलियांवाला बाग के शताब्दी समारोह के दौरान, जवाहर बाल भवन मांडी के बच्चों ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंन्द्र में कविता, निबंध लेखन और अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया और प्रशंसा प्राप्त की। समग्र शिक्षा के तहत, 2905 सरकारी स्कूलों के हजारों बच्चों के भ्रमण ने राष्ट्रीय बाल भवन के क्षेत्र को रोशन किया।

एक वर्षीय 70 वें भारतीय संविधान दिवस पर डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की जीवनी पर कविता और निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ-साथ कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने 'साहेब मेरे भीमराव' नामक एक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी और उनके सिद्धांतों को बड़े ही रोचक तरीके से दर्शाया गया और विभिन्न दृश्यों के माध्यम से बाबासाहेब के बचपन से वयस्क होने की घटनाओं का जीवंत चित्रण किया गया, जिसने सभी को प्रेरित किया।

राष्ट्रीय बाल भवन का उद्देश्य बच्चों को अपने बारे में और लगातार बदलते परिवेश के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि बच्चे अपने मूल भारतीय मूल्यों को संरक्षित करते हुए मात्र पुस्तकों की सीमाओं से परे खेल-खेल में सीखने का प्रयास करें। इस वर्ष एनबीबी ने भारतीय वायु सेना द्वारा वायु सेना मंडप की स्थापना के साथ अविस्मरणीय ऐतिहासिक यादों को जोड़ा है।

राष्ट्रीय बाल भवन ने इस साल एक शानदार शुरुआत की है, लेकिन अभी एक लंबा रास्ता तय करना है, मुझे यकीन है कि सभी हितधारकों के सक्रिय सहयोग से हम एनबीबी के आदर्श उद्देश्य को पूरा कर पाएंगे।

अप्रैल, 2020
नई दिल्ली

आर. सी. मीना
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन एक जगह है, जो रचनात्मकता और मनोरंजन से भरी है। यहाँ की गतिविधियाँ अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और प्रयोगों की स्वतंत्रता के इर्द-गिर्द घूमती हैं। हम एक भोले-भाले बच्चे से एक समृद्ध व्यक्ति का निर्माण करते हैं, उन्हें ज्ञान प्रदान करते हैं ताकि वो जीवन के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य हर बच्चे की प्रतिभा का पता लगाना और राष्ट्रीय बाल श्री, राष्ट्रीय युवा पर्यावरण सम्मेलन आदि गतिविधियों, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की मदद से उन्हें अवसर प्रदान करना है ताकि वे सीखने और प्रतियोगिता युक्त जीवन में तालमेल बना सकें।

हमारे विश्वास के अनुसार, व्यक्ति का व्यक्तित्व जिस परिवेश में वह रहता है, उसके अनुरूप होता है। एनबीबी बच्चों को समर्थ कर एवं उनकी क्षमताओं का पोषण करने के लिए एक अनुकूलित वातावरण देने के प्रयास के साथ अपना संपूर्ण समर्थन देने की कोशिश करता है ताकि एक मजबूत, कुशल, प्रतिभाशाली और एक रचनात्मक व्यक्तित्व का निर्माण हो सके।

राष्ट्रीय बाल भवन ने सोच समझकर एक वातावरण बनाया जहाँ सभी स्तरों पर खुले दरवाजे के साथ बच्चों का स्वागत है। वर्ष 2019-2020 के लिए इस वार्षिक रिपोर्ट में उपलब्धियों की झलक आपके सामने रखने में मुझे गर्व की अनुभूति होती है। इस वर्ष एनबीबी ने 'संस्कृति संगम' एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकरण शिविर का आयोजन किया जिसमें विविधता में एकता की भावना का प्रसार किया गया। फिट इंडिया प्रोजेक्ट, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छ भारत पखवाड़ा, हिंदी पखवाड़ा, प्लास्टिक मुक्त भारत, संविधान दिवस कार्यक्रम आदि कुछ अन्य कार्यक्रम थे। तीसरा वार्षिक पूर्व छात्र मिलन के तहत, जहां पूर्व कर्मचारियों और बच्चों ने एक मंच साझा किया वहीं पूर्व सदस्यों ने अपने जीवन को आकार देने में एनबीबी के योगदान पर चर्चा की। अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में जेबीबी मांडी के बच्चों द्वारा प्रदर्शन और सदस्य बच्चों द्वारा तालकटोरा स्टेडियम में नृत्य और संगीत प्रदर्शन की सराहना की गई।

राष्ट्रीय बाल भवन विकास के आकर्षक रास्ते पर है। यह पहले से ही खुद को अनौपचारिक शिक्षा संस्थान के रूप में स्थापित कर चुका है, लेकिन यह सपना और विकास जिसके लिए संस्थान प्रयास कर रहा है अभी भी बहुत निम्न है।

अप्रैल, 2020
नई दिल्ली

राशि शर्मा
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2020 तक

1. श्री आर. सी मीना (संयुक्त सचिव)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

2. डॉ. इन्दुमती राव
   उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   म. नं. 134, प्रथम ब्लाक
   6 मेन, बी.एस.के.–III स्टेज
   बैंगलोर–560085

3. श्रीमती राशि शर्मा
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

4. शोभित गुप्ता
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

5. सुश्री रितु अग्रवाल
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों को सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 142 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 49 बाल केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, सम्भावनाओं का बृहद आकाश प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा तथा उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष कई हज़ारों बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 49 बाल केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

बालश्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवीकरण में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा देश के सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। अक्तूबर-नवम्बर, 2015 में बालश्री योजना में संशोधन किया गया। 31 मार्च, 2019 तक देश भर में कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 745 बच्चों को पुरस्कार हेतु चुना जा चुका है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य :

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि से शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य हैं :

1. बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।
2. बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।
3. स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करना।
4. कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।
5. मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।
6. राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।
7. मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।
8. सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।
9. बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।
10. उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

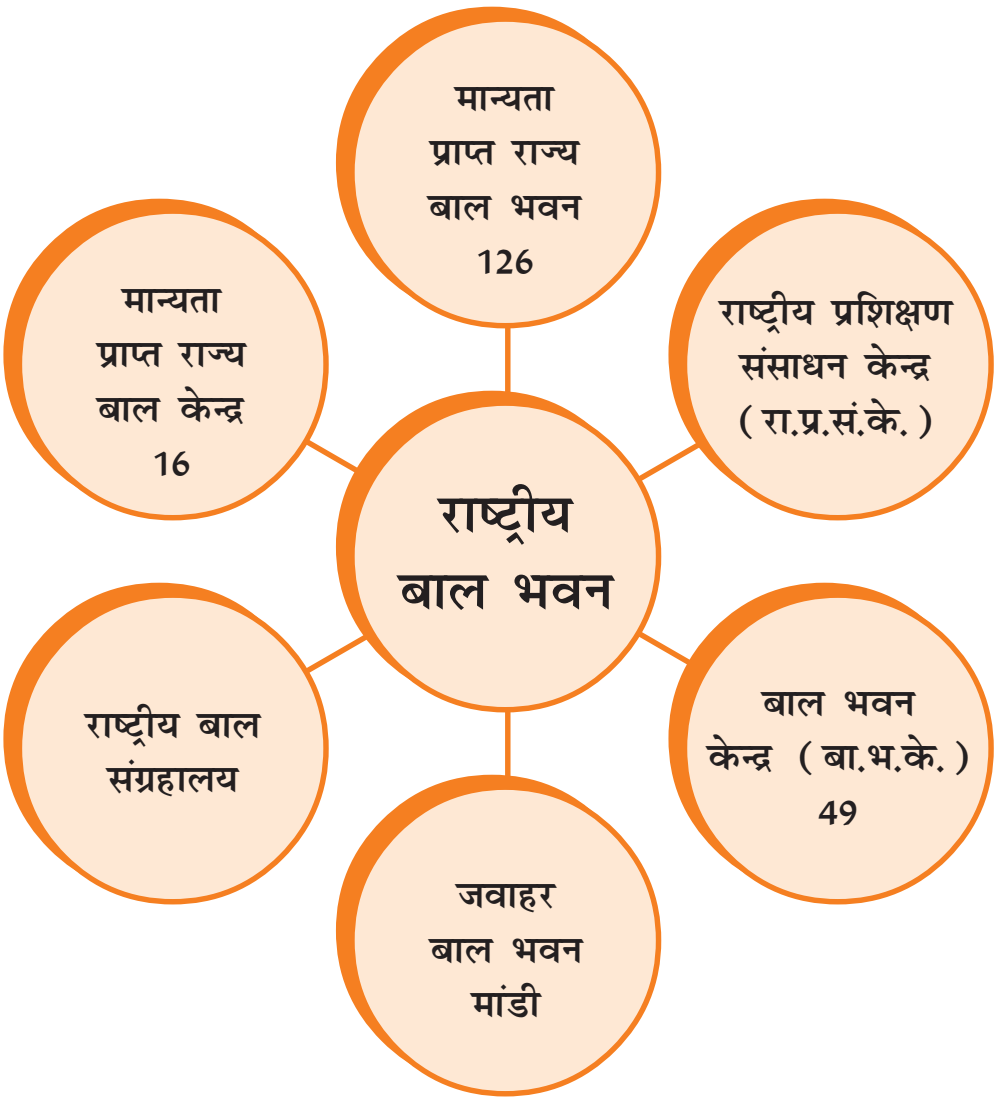

सदस्यता संख्या 2019-20

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 49 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 2255 (720 नि:शुल्क सदस्य, 16 ऑन लाईन पंजीकरण सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में एवं 878 बच्चों ने जवाहर बाल भवन, माण्डी में और 7856 बच्चों ने दिल्ली के 49 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगींण विकास हेतु तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है। 21 पब्लिक स्कूलों/एन.जी.ओ. को (नाममात्र शुल्क) तथा 01 अनाथालय को (नि:शुल्क) वर्ष 2019-2020 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्रदान की गई।

निम्नलिखित सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	पंजीकरण
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	2255 पंजीकरण (720 नि:शुल्क एवं 16 आनॅलाईन पंजीकरण सहित)
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	878
3.	बाल भवन केन्द्र	7856

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान	नि:शुल्क संस्थाएँ
1	21	1

सदस्य पब्लिक स्कूलों एवं गैर सरकारी संस्थानों की सूची

1. बाबू राम हैप्पी स्कूल, 1192, गली बाबू राम, कूचा पातीराम, बाजार सीता राम, दिल्ली–110006
2. हैप्पी इंगलिश स्कूल, शरद विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली–110092
3. भारत नैशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली–110092
4. डॉ. राधाकृश्नन इंटरनेश्नल स्कूल, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली–110024
5. मानव स्थली ग्लोबल स्कूल, डबल स्टोरी, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060
6. हिमवीर वाईव्स वेलफेयर एसोसिएशन, 22वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस, तिगड़ी कैम्प, मदनगीर, नई दिल्ली–110062
7. सेंट ज्ञानेली सोशल सर्विस सोसाइटी, ज्ञानेली सदन, एल–341 गली नं. 4, चर्च कालोनी, संगम विहार, नई दिल्ली–110080
8. रामजस पब्लिक स्कूल, डे बोर्डिंग, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली–110005
9. ग्रीनफील्डस पब्लिक स्कूल, दिलशाद गार्डन, जी.टी.बी. एंक्लेव, दिल्ली–110093
10. सेंट स्टीफन्स हॉस्पिटल, तीस हजारी, दिल्ली–110054
11. सलाम बालक ट्रस्ट, मैट्रो पोल्लर नं.–65, भार्गव लेन, तीस हजारी, दिल्ली–110054
12. न्यू हॉरिजन स्कूल, नॉर्थ ऑफ हुमायूँस टॉम्ब, मथूरा रोड, हज़रत निजामुद्दीन, नई दिल्ली–110013
13. फैमिली सर्विस ट्रस्ट, जे–168, सरिता विहार, नई दिल्ली–110076
14. लवली पब्लिक सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, प्रियदर्शनी विहार, नियर बैंक एंक्लेव, दिल्ली–92
15. बलवंतरॉय मेहता विद्या भवन, अंगूरीदेवी शेरसिंह मेमोरियल अकादमी, ग्रैटर कैलाश–II, नई दिल्ली–110048
16. कैटालिस्ट इंडिया चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली।
17. दिल्ली कॉनवेंट स्कूल, 25, विक्रम एंकलेव, 80 फीट रोड, शालीमार गार्डन, गाजियाबाद–201005
18. लिंग्यास पब्लिक स्कूल, कवारा, औल्ड फरीदाबाद–जसादा रोड, फरीदाबाद–121002
19. न्यू हॉरिजन स्कूल, नॉर्थ ऑफ हुमायूँस टॉम्ब, मथूरा रोड, हज़रत निजामुद्दीन, नई दिल्ली–110013 (द्वितीय पाली)
20. उद्यान केअर, एन.जी.ओ., नई दिल्ली।
21. स्वेच्छा, एन.जी.ओ., नई दिल्ली–110017

निःशुल्क संस्थाएं

1. रानी दत्ता आर्य विद्यालय, वीरेश प्रताप परिसर, 1488 पटौदी हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया है।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग, सभी आयु के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले विशेषत: छोटी आयुवर्ग के बच्चे आमतौर पर परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं। यह एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक माध्यम से दूसरे माध्यम पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परम्परागत लोक कला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं। यह विभाग बच्चों को मेहंदी कला, मधुबनी व वर्ली कलाओं से भी परिचित करवाता है।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर, और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे पोट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती हैं।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधियाँ विशेष हैं क्योकि इसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुरानी पत्रिकाएँ, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, गत्ते के खाली डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकॉल, पुराने अखबार इत्यादि से पदार्थों के साथ प्रयोग करने

की खुली छूट मिलती है। काम न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

इस अनुभाग की बुनाई गतिविधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे बुनाई की विभिन्न तकनीकों द्वारा कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे - वॉल हैंगिंग, दृश्यावली, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, इत्यादि बनाते हैं। उन्हें सुंदर वस्तुओं के निर्माण की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई के डिज़ाइन सीखते हैं और दृश्यावली, आसन, तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग की गतिविधियों में मैक्रमे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई, कठपुतली बनाने, खिलौने बनाने, इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे तरह-तरह के हैंगिंग्स बनाने और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का कार्य

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी मदद करती है। यहाँ बच्चे मुख, जानवर, चेहरे, दृश्य व मिट्टी की मानव आकृतियाँ एवं डिज़ाईन इत्यादि बनाने सीखते हैं और साथ ही मिट्टी, पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों में अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चों किताबों को सुन्दर और सुरक्षित बनाना सीखाया जाता है। इस अनुभाग में जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं को निमार्ण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों को कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उसकी विभिन्न वस्तुएँ जैसे छोटी डायरी, फाइल कवर तथा कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, तथा अन्य नई प्रकार की वस्तुएँ निर्माण करना यहाँ सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा काष्ठ कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान दिया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, सॉ-डस्ट से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, पेन होल्डर, डिब्बे, पॉट कवर, इत्यादि निर्मित करना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के टुकड़ों व बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को बच्चों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। उप अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और कैसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और विज्ञान से संबंधित फिल्म शो आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, पोस्टकार्ड पोस्ट करना तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं –

विज्ञान अनुभाग की निम्न उप अनुभाग हैं –

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

अन्वेषक क्लब अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं द्वारा ज्ञानवर्द्धक कार्य सीखते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्लस अनुभाग में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप सिखाए जाते हैं। यहां बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों हेतु एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। बच्चे "फोटोशाप" एवं "डिजिटल प्रिंटिंग" तकनीकें भी सीखते हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति एवं जीव के अनुरक्षण के साथ-साथ संस्कृति, हस्तशिल्प, लोककला, साहित्य स्मारको आदि के बचाव के लिए भी पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। वर्षा जल संरक्षण एवं सौर उर्जा संबंधी प्रोजेक्टों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि की री-साइक्लिंग जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है। अधिक से अधिक बच्चों में जागरूकता फैलाने हेतु वर्ष 1990 से अभी तक प्रति वर्ष युवा पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के विभिन्न भागों से बच्चे देश की किसी भी एक चयनित जगह पर एकत्रित हो पर्यावरण के विभिन्न सामाजिक, भावनात्मक एवं सांस्कृतिक पहलूओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे हैं। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा दिल्ली के बच्चे हेतु एवं सार्क (SAARC) देशों के बच्चों हेतु "दूरबीन बनाने की कार्यशाला" भी आयोजित की गई।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं, जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अंगीकरण, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों की आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय

राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों के लिए ढेर सारी मनोरंजक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रो का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नुसार हैं –

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे- छायांकन का इतिहास, व डिज़िटल कैमरे, साधारण कैमरे के विभिन्न अंग, उन्हें व्यवहार में प्रयोग करने की तकनीक आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि की फोटो खींचने के साथ-साथ उनके विषय में जानकारी भी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। बच्चे फोटोशाप की सहायता से काफी टेबल पुस्तक बनाना भी सीखते हैं।

इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- डिज़िटल फोटोग्राफी
- फोटोशॉप तकनीक द्वारा डिज़िटल एनहेंसमेंट
- प्रकृति, स्मारक आदि की तस्वीरें लेने हेतु भ्रमण यात्रा एवं विरासत वाक
- फोटो प्रदर्शनी
- फोटोग्राफी ट्रेनिंग
- व्यस्कों हेतु कार्यक्रम

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - सितार (तबला एवं हारमोनियम में)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ सभी आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग सिखाई जाती हैं। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, अंतरविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहां आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। हाल में ही निशानेबाजी एवं कैरम की गतिविधि भी आरंभ की गई है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो • स्केटिंग • व्यायामशाला (आंतरिक एवं बाह्य)

गृह प्रबंधन

गृह प्रबंधन विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन • पाक-कला, बेकिंग • भोजन-परिरक्षण • पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

प्रकाशन-संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बच्चों को उनकी अपनी पत्रिका, न्यूज़ लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़-बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण करने का अवसर मिलता है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न विषयों जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी –

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
1,62,177	18,039	2147

1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची –

- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- छिपी प्रतिभा
- जूट मेला (जूट प्रदर्शनी)

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व की सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

वर्ष 2019-2020 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए जिसमें लगभग 300 व्यस्कों/अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 126 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 16 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 49 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रें में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृष्टजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2019-20

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1.	1.4.2019 से 15.4.2019	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को चक मॉडल ग्लाईडर का निर्माण करना सिखाया गया।	80 बच्चों ने भाग लिया।
2.	4.4.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, नई दिल्ली-2 के 18 बच्चों ने 1 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।

3.	11.4.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, नई दिल्ली-2 के 25 बच्चों ने 1 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
4.	18.4.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, नई दिल्ली-2 के 24 बच्चों ने 1 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
5.	23.4.2019	पृथ्वी दिवस उत्सव कार्यक्रम	बच्चों को अपने प्रजातियों को संरक्षित करने से अवगत कराना था।	60 बच्चों ने भाग लिया।
6.	23.4.2019	ब्रह्म कुमारी द्वारा संचालित सत्र कार्यक्रम	प्रतिभागियों को तनाव मुक्त जीवन के लिए सकारात्मक सोच से अवगत कराना था।	60 सहभागियों ने भाग लिया।
7.	25.4.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, नई दिल्ली-2 के 24 बच्चों ने भाग लिया।
8.	27.4.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	एसीएमटी स्कूल ग्रुप ऑफ कॉलेज के 190 बच्चों ने अपने प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
9.	30.4.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	मानव स्थली ग्लोबल स्कूल न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-60 के 56 बच्चों ने अपने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
10.	1.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	भील ट्राईबल बच्चे, चित्तोड़गढ़ के 57 बच्चों ने अपने 10 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
11.	2.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	मानव स्थली ग्लोबल स्कूल न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-60 के 57 बच्चों ने अपने प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
12.	3.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, नई दिल्ली-2 के 54 बच्चों ने 1 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।

13.	3.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	डॉ. राधाकृष्ण इंटरनेशनल स्कूल, सी-ब्लॉक, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24 के 126 बच्चों ने 5 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
14.	4.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	हैप्पी इग्लिश स्कूल, दिल्ली के 240 बच्चों ने 16 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
15.	4.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	डॉ. राधाकृष्ण इंटरनेशनल स्कूल, सी-ब्लॉक, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24 के 85 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
16.	4.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, दिल्ली-92 के 162 बच्चों ने 9 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
17.	7.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	डॉ. राधाककृष्ण इंटरनेशनल स्कूल, सी-ब्लॉक, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24 के 110 बच्चों ने 8 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
18.	8.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	डॉ. राधाकृष्ण इंटरनेशनल स्कूल, सी-ब्लॉक, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24 के 57 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
19.	8.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, दिल्ली-92 के 149 बच्चों ने 5 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
20.	8.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	मानव स्थली ग्लोबल स्कूल न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-60 के 103 बच्चों ने अपने 4 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।

21.	11.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	हैप्पी इंग्लिश स्कूल, दिल्ली के 160 बच्चों ने 10 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
22.	11.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, दिल्ली-92 के 145 बच्चों ने 5 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
23.	16.5.2019 से 17.5.2019	कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल इंडिया से अवगत कराना।	20 बच्चों ने भाग लिया।
24.	17.5.2019	अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस	बच्चों को अपने पर्यावरण की रक्षा करने के लिए पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।	70 बच्चों ने भाग लिया।
25.	17.5.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	नेशनल म्यूज़ियम ऑफ नेचुरल हिस्टोरी के 50 बच्चों ने 4 अध्यापकों के साथ प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक भाग लिया।
26.	21.5.2019 से 22.5.2019	विश्व मधुमक्खी दिवस समारोह कार्यक्रम	बच्चों को मधुमक्खियों की विशेषताओं से अवगत कराना था।	20 बच्चों ने भाग लिया।
27.	22.5.2019	ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम	बच्चों ने लगभग 40 गतिविधियों में भाग लिया।	2089 बच्चों ने पंजीकरण कराया और प्रतिदिन 1000 बच्चों ने भाग लिया।
28.	31.5.2019	वर्ल्ड नो टोबाक्को डे कार्यक्रम	बच्चों को तम्बाकू और इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया।	कुछ सदस्य बच्चों ने तम्बाकू पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। लगभग 299 बच्चों ने भाग लिया।
29.	6.6.2019 से 8.6.2019	विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम	बच्चों को प्रदूषण समाप्त करने की ओर अग्रसर किया गया।	1000 बच्चों ने भाग लिया।
30.	12.6.2019	ड्राईंग प्रतियोगिता	बच्चों को "पेड़ बचाओ" से सम्बंधित जानकारी दी गई।	1200 बच्चों ने भाग लिया।
31.	14.6.2019	"साइबर सेफटी कार्निवाल" कार्यशाला	बच्चों को साइबर सेफटी कार्निवाल की जानकारी दी गई।	80 बच्चों ने भाग लिया।

32.	15.6.2019	"डेंगू, मलेरिया व चिकुनगुनिया से कैसे बचें" कार्यक्रम	सहभागियों को बिमानियों से बचने के सुझावों की जानकारी दी गई।	800 सहभागियों ने भाग लिया।
33.	19.6.2019	साइबर सेफटी कार्निवाल विषय पर पेंटिग प्रतियोगिता	बच्चों को साइबर सुरक्षा से सम्बंधित बातें बताई।	40 बच्चों ने भाग लिया।
34.	20.6.2019	डॉ. रमेश पोखरियाल "निशंक" - केन्द्रीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर.सी. मीना - संयुक्त सचिव, श्रीमती रितु अग्रवाल - निदेशक - मानव संसाधन विकास मंत्रालय और उप सचिव तथा श्रीमती राशि शर्मा - निदेशक - राष्ट्रीय बाल भवन ने राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों का दौरा किया।	बच्चों ने अपनी कक्षों की गतिविधियों के बारे में बताया।	400 बच्चों ने भाग लिया।
35.	21.6.2019	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं ग्रीष्मकालीन सत्र समापन समारोह	बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई एवं बच्चों को योग मुद्राएं व योगासन कराए गए।	1500 बच्चों ने भाग लिया।
36.	22.6.2019	हिंदी संगोष्ठी कार्यशाला	सहभागियों को यूनीकोड में कार्य तथा राजभाषा संबंधी नियम की जानकारी दी गई।	1 अधिकारी एवं 34 कर्मचारियों ने भाग लिया
37.	16.7.2019	राज्यीय माननीय मंत्री जी द्वारा दौरा	बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों से अवगत कराया गया।	4-5 अधिकारियों के साथ दौरा किया।
38.	17.7.2019 से सितम्बर, 2019	फोटोग्राफी कोर्स कार्यक्रम	सहभागियों को डिजिटल फोटोग्राफी से अवगत कराया गया।	16+ आयु वर्ग के 41 व्यक्तियों ने भाग लिया।
39.	31.7.2019	भारतीय वायु सेना के सुविधा सह प्रचार मंडप का उद्घाटन कार्यक्रम	बच्चों को भारतीय वायु सेना को कैरियर विकल्प के रूप में चुनने का उत्साह बढ़ाना था।	लगभग 2500 बच्चों ने अपने प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
40.	31.7.2019	पूर्व छात्रो का तृतीय वार्षिक सम्मेलन	सहभागियों द्वारा राष्ट्र निर्माण में सहयोग करना था।	लगभग 200 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।
41.	6.8.2019	सहायक सचिवों द्वारा दौरा	अतिथिगणों को राष्ट्रीय बाल की अनेकों गतिविधियों से अवगत कराना था।	2 राज्य स्तरीय सहायक सचिवों द्वारा दौरा किया।
42.	10.8.2019	राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस	बच्चों को महात्मा गाँधी जी के जीवन से अवगत कराया गया।	50 बच्चों ने भाग लिया।

43.	14.8.2019	राज्य माननीय मंत्री द्वारा दौरा	दौरा कर रहे सहभागियों को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराना था।	लगभग 12 सहभागियों ने भाग लिया।
44.	18.8.2019	विश्व छायांकन दिवस कार्यक्रम	बच्चों को छायांकन गतिविधि से अवगत कराना था।	लगभग 70 सहभागियों ने भाग लिया।
45.	27.8.2019	जिल्दसाजी कार्यशाला	बच्चों को अपनी कॉपी-किताबों को सुरक्षित रखने का प्रशिक्षण देना था।	लगभग 22 बच्चों ने भाग लिया।
46.	28.8.2019 से 2.10.2019	एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त अभियान कार्यक्रम	बच्चों को क्षेत्रों में पड़े प्लास्टिक को पुनः रिसाइकिल करने की जानकारी दी गई।	लगभग 32 बच्चों ने भाग लिया।
47.	28.8.2019 से 30.8.2019	संगणक कार्यशाला आवश्यकता वाले बच्चों के लिए	बच्चों को संगणक का अपने जीवन में सहयोगात्मक साधन से अवगत कराना था।	लगभग 22 बच्चों ने एवं 6 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।
48.	29.8.2019 से 31.8.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को सिलाई पारम्परिक कला से अवगत कराया गया।	लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया।
49.	3.9.2019 से 17.9.2019	हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम	कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने एवं अधिकतम कार्य हिंदी में करने हेतु प्रेरित करना था।	प्रतिदिन 25-30 कर्मचारियों ने भाग लिया।
50.	3.9.2019 से 18.9.2019	स्वच्छता पखवाड़ा	सहभागियों को अपने वातावरण को स्वच्छ रखने से स्वस्थ रहते हैं से अवगत कराया गया।	लगभग 40 बच्चों एवं सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।
51.	4.9.2019	समग्र शिक्षा के अंतर्गत भ्रमण कार्यक्रम	स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन एवं उनमें चल रही गतिविधियों की जानकारी से अवगत कराया गया।	दिल्ली के 2905 विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।
52.	4.9.2019 से 6.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, विकास पुरी, हस्तसल, पी.ओ. उत्तम नगर, नई दिल्ली-59 के 162 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
53.	4.9.2019 से 6.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जी.बी.एस.एस.एस. निठारी, नई दिल्ली के 143 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
54.	11.9.2019 से 13.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, सै. 8, रोहिणी, प्रथम पाली, नई दिल्ली के 142 बच्चों एवं 11 शिक्षक ने भाग लिया।

55.	11.9.2019 से 13.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, एन्ड्रयूज गंज, नई दिल्ली-24 के 150 बच्चों एवं 11 शिक्षक ने भाग लिया।
56.	11.9.2019 से 13.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	केन्द्रीय विद्यालय, एनएफसी विज्ञान विहार, दिल्ली-92 के 138 बच्चों एवं 15 शिक्षक ने भाग लिया।
57.	11.9.2019 से 13.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, सै. 8, रोहिणी, द्वितीय पाली, नई दिल्ली के 146 बच्चों एवं 14 शिक्षक ने भाग लिया।
58.	12.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	द सृजन स्कूल, 4-बी, नॉर्थ मॉडल टाउन, दिल्ली-09 के 166 बच्चों एवं 11 शिक्षकों ने भाग लिया।
59.	14.9.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को देश-विदेश के परिधानों की जानकारी देना था।	लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।
60.	17.9.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को कपड़े के थैले का उपयोग करने से पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने से अवगत कराया गया।	लगभग 10 बच्चों ने भाग लिया।
61.	18.9.2019 से 20.9.2019	चित्रकला कार्यशाला	बच्चों को गोंड कला, वार्ली कला, चारकोल ड्राईंग, पानी के रंगों का इस्तेमाल, पोस्टर रंगों का इस्तेमाल, रंग में रंग मिलाकर दूसरा रंग बनाना तथा रंगों की उपयोगिता की जानकारी से अवगत कराया गया।	लगभग 10 बच्चों ने भाग लिया।
62.	18.9.2019 20.9.2019 21.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, मस्जिद मोठ, सादिक नगर, नई दिल्ली-49 के 339 बच्चों एवं 10 शिक्षकों ने भाग लिया।
63.	18.9.2019 20.9.2019 21.9.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, सै. 8, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-22 के 152 बच्चों एवं 16 शिक्षक ने भाग लिया।

64.	24.9.2019 से 26.9.2019	हस्तकला कार्यशाला	बच्चों को बेकार पेपर द्वारा कॉलाज की जानकारी दी गई।	लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।
65.	24.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	दिल्ली कन्वेंट स्कूल, उ.प्र. गाजियाबाद के 121 बच्चों एवं 5 शिक्षकों ने भाग लिया।
66.	24.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	दीप मेमोरियल पब्लिक स्कूल, रामप्रस्थ के 83 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
67.	24.9.2019 से 4.10.2019	प्लास्टिक के विकल्प पर कार्यशाला	बच्चों को प्लास्टिक प्रदूषण से हमारे जीवन में क्या प्रभाव पड़ता है से अवगत कराया।	लगभग 107 बच्चों ने भाग लिया।
68.	25.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एनपीवी, कश्मीरी गेट, दल्ली-06 के 62 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।
69.	25.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नॉर्थ एमसीडी स्कूल, नारायणा, दिल्ली के 60 बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।
70.	25.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नॉर्थ एमसीपीएस, नारायणा, दिल्ली के 60 बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।
71.	25.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नॉर्थ डीएमसी प्राइमरी स्कूल, नारायणा, दिल्ली के 60 बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।
72.	25.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एनपीवी कश्मीरी गेट, दिल्ली के 62 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।
73.	25.9.2019 से 27.9.2019	जिल्दसाजी कार्यशाला	बच्चों को अपने जीवन में उपयोग की छोटी-छोटी चीजें बनाना सिखाया गया।	लगभग 22 बच्चों ने भाग लिया।
74.	26.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एनडीएमसी प्रतिभा विद्यालय, जे.जे. केम्प, नारायणा-1 के 60 बच्चों एवे 5 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

75.	27.9.2019	हिंदी कार्यशाला	सहभागियों को नोटिंग-ड्राफ्टिंग एवं प्रतियोगिताओं की जानकारी दी गई।	लगभग 22 कर्मचारियों ने भाग लिया।
76.	27.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसडीएमसीपीएस मलिकपुर, दिल्ली-73 के 31 बच्चों एवे 1 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।
77.	27.9.2019 से 1.10.2019	शांति और समानता कार्यक्रम	बच्चों को आतंरिक शांति पाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।	लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया।
78.	28.9.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसीएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के 155 बच्चों एवं 20 शिक्षकों ने भाग लिया।
79.	1.10.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसबीवी ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली-91 के 81 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
80.	1.10.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस स्कूल नं. 3, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली-23 के 29 बच्चों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया।
81.	5.10.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गर्वमेंट सर्वोदया विद्यालय, नजफगढ़, नई दिल्ली-43 के 84 बच्चों एवं 7 शिक्षकों ने भाग लिया।
82.	5.10.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	लिंग्यास पब्लिक स्कूल, दिल्ली के 30 बच्चों एवं 11 शिक्षकों ने भाग लिया।
83.	5.10.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसीएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के 110 बच्चों एवं 13 शिक्षकों ने भाग लिया।
84.	5.10.2019	विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	न्यू होरीजन स्कूल के 87 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
85.	9.10.2019 से 11.10.2019	जिल्दसाजी कार्यशाला	बच्चों को स्केच बुक बनाना सिखाया गया।	लगभग 23 बच्चों ने भाग लिया।
86.	9.10.2019 से 10.10.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को कलात्मकता तथा सष्टजनात्मकता का विकास करना सिखाया गया।	लगभग 30 कर्मचारियों बच्चों ने भाग लिया।

87.	10.10.2019	नीरा आई सेंटर एवं लेसर विज़न शिविर	सहभागियों को आँखों की देखभाल से अवगत कराया गया।	लगभग 100 कर्मचारियों एवं बच्चों नेभाग लिया।
88.	12.10.2019 से 25.10.2019	प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण ध्रुव कार्यक्रम शिविर	बच्चों को समाज के लिए अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।	लगभग 60 बच्चों एवं 20 अनुरक्षकों ने भाग लिया।
89.	26.10.2019	दीपावली समारोह कार्यक्रम	बच्चों को दीपावली पावन पर्व की परिभाषा से अवगत कराया गया	लगभग 250 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
90.	28.10.2019 से 2.11.2019	सतर्कता जागरूकता दिवस कार्यक्रम	बच्चों को भ्रष्टाचार मिटाएंगे, देश को आगे बढ़ाएंगे के जागरूकता से अवगत कराना था।	लगभग 100 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
91.	31.10.2019	राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम	बच्चों को एकता के मतलब से अवगत कराया गया।	लगभग 100 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
92.	5.11.2019 से 6.11.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को सृजनात्मकता एवं कलात्मकता का विकास करने से अवगत कराया गया।	लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया।
93.	6.11.2019 से 8.11.2019 व 21.11.2019 से 22.11.2019	खगोल विज्ञान कार्यशाला	बच्चों को ब्रह्माण्ड और खगोल विज्ञान के बारे में जानकारी दी गई।	लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।
94.	14.11.2019 से 16.11.2019	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम	बच्चों को देश की विविध संस्कृति को समझना और उसकी सराहना करने में मदद हेतु प्रेरित करना था।	17 राज्यों के मान्यता प्राप्त 37 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के, राष्ट्रीय बाल भवन के, जवाहर बाल भवन माण्डी एवं कुछ सरकारी स्कूलों के और दिल्ली के विभिन्न बाल केन्द्रों के लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया।
95.	16.11.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, नई दिल्ली-2 के लगभग 110 बच्चों ने भाग लिया।
96.	21.11.2019	ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा तनावमुक्ति सत्र कार्यक्रम	सहभागियों को स्वस्थ रहने एवं तनावमुक्ति जीवन रखने की जानकारी दी गई।	लगभग 60 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
97.	24.11.2019	स्केटिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम	बच्चों का हौसला बुलंद किया गया।	अन्य बच्चों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन के पांच बच्चों

				ने भाग लिया जिसमें से तीन बच्चों ने गोल्ड, सिलवर, ब्रास मैडल प्राप्त किए।
98.	26.11.2019 से 26.11.2019	भारतीय संविधान दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया।	लगभग 50 कर्मचारियों एवं बच्चों ने भाग लिया।
99.	26.11.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को सृजनात्मकता एवं कलात्मकता का विकास करने से अवगत कराया गया।	लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया।
100.	27.11.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एससीपीएस सीएसए कालोनी किशन गंज, दिल्ली-07 के लगभग 60 बच्चों ने अपने 7 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
101.	3.12.2019 से 5.12.2019	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को अम्ब्रैला-कट-फ्राक बनाने का प्रशिक्षण देना था।	लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।
102.	4.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, नरेला, दिल्ली-07 के लगभग 46 बच्चों ने अपने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
103.	4.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	राजकीय उच्चत्तर बाल विद्यालय, हरी नगर, नई दिल्ली-14 के लगभग 47 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
104.	4.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गर्वमेंट बॉयस सै. स्कूल, हर्ष विहार, नई दिल्ली के लगभग 48 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
105.	5.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	राजकीय उच्चत्तर बाल विद्यालय, हरी नगर, आश्रम, नई दिल्ली-14 के लगभग 45 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।

106.	5.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गर्वमेंट बॉयस सै. स्कूल, हर्ष विहार, नई दिल्ली के लगभग 49 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
107.	5.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, नरेला, दिल्ली-07 के लगभग 43 बच्चों ने अपने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
108.	5.12.2019 से 11.12.2019	काष्ठकला कार्यशाला	बच्चों को टूडी-थ्रीडी कलाकृतियाँ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।	लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया।
109.	6.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	राजकीय उच्चत्तर बाल विद्यालय, हरी नगर, आश्रम, नई दिल्ली-14 के लगभग 46 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
110.	6.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय, नरेला, दिल्ली-07 के लगभग 46 बच्चों ने अपने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
111.	6.12.20	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गर्वमेंट बॉयस सै. स्कूल, हर्ष विहार, नई दिल्ली के लगभग 47 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
112.	11.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	न्यू होरीजन स्कूल के 250 बच्चों एवं उनके शिक्षकों ने भाग लिया।
113.	11.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एस.बी.वी. सादिक नगर, नई दिल्ली के लगभग 47 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
114.	11.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस निठारी गाँव के लगभग 45 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
115.	12.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एस.बी.वी. सादिक नगर, नई दिल्ली के लगभग 47

				बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
116.	12.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस निठारी गाँव, के लगभग 48 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
117.	12.12.2019 से 13.12.2019	खगोल विज्ञान कार्यशाला	बच्चों में तारों और नक्षत्रों के बारे में ज्ञान उत्तेजित करना था।	लगभग 27 बच्चों ने भाग लिया।
118.	12.12.2019 से 14.12.2019	बुनाई कार्यशाला	बच्चों को बुनाई एवं हतकरघा की जानकारी दी गई।	लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।
119.	12.12.19 से 14.12.19	मिट्टी कला कार्यशाला	बच्चों को जीवन में मिट्टी की महत्त्वता की जानकारी दी गई।	लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।
120.	13.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एस.बी.वी. सादिक नगर, नई दिल्ली के लगभग 47 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
121.	13.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस निठारी गाँव, के लगभग 46 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
122.	13.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस डिफेंस कालोनी के लगभग 40 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
123.	13.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस निठारी, इवनिंग के लगभग 40 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
124.	17.12.19 से 19.12.19	हस्तकला कार्यशाला	बच्चों को पेन पॉट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।	लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया।
125.	19.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस डिफेंस कालोनी के लगभग 40 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
126.	20.12.2019	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस डिफेंस कालोनी के लगभग 40 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।

127.	21.12.2019	मैरी क्रिस्मस कार्यक्रम	सहभागियों को भाईचारे की ओर प्रेरित करना था।	लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।
128.	1.1.2020	आमोद दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को अनेकता में एकता का ज्ञान अर्जित करना था।	लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।
129.	2.1.2020 से 4.1.2020	जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता	बच्चों को अच्छे खेल प्रदर्शन हेतु सम्बोधित करना था।	लगभग 348 सहभागियों ने भाग लिया।
130.	9.1.2020 से	खगोल विज्ञान कार्यशाला	बच्चों को बुनियादी खगोल विज्ञान से लेकर उन्नत खगोल विज्ञान की जानकारी देना था।	लगभग 36 सहभागियों ने भाग लिया।
131.	11.1.20	लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम	सहभागियों को भाईचारे की ओर प्रेरित किया गया।	लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।
132.	15.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	स्वेच्छा एनजीओ मालवीया नगर के लगभग 32 बच्चों ने 5 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
133.	20.1.2020	"एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षाा पे चर्चा 3.0" कार्यक्रम	सहभागियों में अनेकता में एकता को उजागर करने का प्रयास किया गया।	लगभग 2200 सहभागियों ने भाग लिया।
134.	28.1.2020 से 30.1.2020	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को शिल्प उपवाद की जानीकारी देना था।	लगभग 20 सहभागियों ने भाग लिया।
135.	29.1.2020	बसंत पंचमी के अवसर पर कार्यक्रम	सहभागियों को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में माता सरस्वती विद्या की देवी की जानकारी देना था।	लगभग 50 बच्चों एवं 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।
136.	29.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरपीवीवी आइएनए कालोनी के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
137.	29.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसएचके एसबीवी लाजपत नगर के लगभग 50 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
138.	29.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस तेजपुर पहाड़ी बदरपुर के लगभग 49 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
139.	29.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस नं. 4 मोलरबंध के लगभग 50

				बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
140.	30.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरपीवीवी आइएनए कालोनी के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
141.	30.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसएचके एसबीवी लाजपत नगर के लगभग 50 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
142.	30.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस तेजपुर पहाड़ी बदरपुर के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
143.	30.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस नं. 4 मोलरबंध के लगभग 50 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
144.	31.1.2020 से 6.2.2020	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को जट बैग बनाने की जानकारी दी गई।	लगभग 20 सहभागियों ने भाग लिया।
145.	31.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरपीवीवी आइएनए कालोनी के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
146.	31.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसएचके एसबीवी लाजपत नगर के लगभग 48 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
147.	31.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	जीबीएसएसएस तेजपुर पहाड़ी बदरपुर के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
148.	31.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	जीजीएसएसएस नं. 4 मोलरबंध के लगभग 44 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
149.	31.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	जीबीएसएसएस निठारी के लगभग 19 बच्चों ने 2

				प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
150.	31.1.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	आरपीवीवी आइएनए कालोनी के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
151.	6.2.2020	एनसीईआरटी द्वारा आमंत्रण पर कार्यक्रम	बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा प्राप्त ज्ञान को प्रदर्शित किया।	लगभग 14 बच्चों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया।
152.	12.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	जीबीएसएसएस हरी नगर आश्रम के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
153.	12.2.2020 से 14.2.2020	गाँधी जी की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम	बच्चों को गाँधी जी से सम्बंधित "सृष्टजनात्मक लेखन" की जानकारी देना था।	लगभग 52 बच्चों ने भाग लिया।
154.	13.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	जीबीएसएसएस हरी नगर आश्रम के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
155.	13.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बीएलएसएस अंतर्राष्ट्रीय पब्लिक स्कूल, मेरठ के लगभग 47 बच्चों ने 15 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
156.	14.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	जीबीएसएसएस हरी नगर आश्रम के लगभग 50 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
157.	14.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	एसवी डॉ. मुखर्जी के लगभग 30 बच्चों ने 2 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
158.	15.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	रामजस गर्वमेंट सी.सै. स्कूल के लगभग 43 बच्चों ने 4 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
159.	15.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	द सृजन स्कूल के लगभग 147 बच्चों ने 10

				प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
160.	21.2.2020	मातृभाषा दिवस कार्यक्रम	बच्चों को भारतीय संस्कृति की जानकारी देना था।	लगभाग सरकारी 605 स्कूल के बच्चों के साथ 50 सदस्य बच्चों एवं 30 कर्मचारियों ने भाग लिया।
161.	21.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बाबू राम हैप्पी स्कूल के लगभग 12 बच्चों ने 1 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
162.	21.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बीआरएमबी सी. सै. स्कूल लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 के लगभग 16 बच्चों ने 4 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
163.	26.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	एसडीएमसी स्कूल मुखर्जी पार्क के लगभग 47 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
164.	27.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	एसडीएमसी स्कूल मुखर्जी पार्क के लगभग 43 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
165.	28.2.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	एसडीएमसी स्कूल मुखर्जी पार्क के लगभग 49 बच्चों ने 3 प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
166.	6.3.2020	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	एसीएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के लगभग 140 छात्र/छात्राओं ने प्रशिक्षकों के साथ भाग लिया।
167.	7.3.2020	होली महोत्सव एवं कोरोना वायरस के लिए जागरूकता कार्यक्रम	सहभागियों को भाईचारे का संदेश दिया गया तथा कोरोना वायरस से सतर्क रहने एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का ज्ञान प्रदान किया गया।	लगभग 200 सहभागियों ने भाग लिया।

विस्तृत रिपोर्ट

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

दिनाँक 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2019 तक राष्ट्रीय बाल भवन में एअरो मॉडलिंग विषय पर 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। विभिन्न स्कूलों के 80 बच्चों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। कार्यशाला में चक ग्लाईडर के मॉडल उनका चित्रांकन तथा बेकार पेपर व थर्माकोल कटिंग से पैराशूट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने चक ग्लाईडर मॉडल, थर्माकॉल मोल्ड हवाई जहाज का एक मॉडल तैयार किया। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में चक मॉडल ग्लाईडर को उड़ाकर दिखाया गया।

पृथ्वी दिवस उत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 23 अप्रैल, 2019 को "पृथ्वी दिवस" आयोजित किया गया। इस वर्ष इसका विषय "अपनी प्रजातियों को संरक्षित करना" था। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल भवन के मेखला झा सभागार में आयोजित किया गया जिसमें 60 सदस्य बच्चों के साथ तीन स्कूलों के शिक्षकों सहित भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ मातृभमि पर आधारित सामान्य चर्चा के साथ किया गया। चर्चा में "धरती माँ" के प्रति हम सबका दृष्टिकोण व रवैया कैसा होना चाहिए, पर जोर दिया गया। सभी सहभागियों ने अपने-अपने विचारों एवं योजनाओं को सांझा किया। सहभागियों को पृथ्वी दिवस विषय पर आधारित एक प्रस्तुति दिखाई गई। जीवों के विलुप्त होने के विभिन्न कारणों एवं खतरों पर उन्होंने खुलकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने इस विषय पर भी विचार किया कि कैसे प्रत्येक जीव एक-दूसरे पर निर्भर रहता है और उनके विलुप्त होने की वजह से कैसे इकोसिस्टम असंतुलित हो रहा है। बच्चों ने इन समस्याओं के समाधान के लिए खुले मंच पर अपने विचार रखे। तत्पश्चात पुर्ननवीनीकरण कागज से बुकमार्क बनाकर, प्रजातियों की रक्षा करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात् सभी बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे पेपर रिसाइक्लिंग, पोस्टर मेकिंग और राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में वृक्षारोपण में भाग लिया। सत्र के दौरान बच्चों ने बहुत आनंद उठाया। अंत में सभी सहभागियों को अल्पाहार वितरित किया गया।

ब्रह्म कुमारी द्वारा संचालित सत्र

राष्ट्रीय बाल भवन में 23 अपैल, 2019 को ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा प्रेरक उपदेश "तनाव मुक्त जीवन" एवं "जीवन में ध्यान का महत्त्व" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्म कुमारी संस्था के श्री बी.के. आशीष ने तनाव मुक्त जीवन रखने हेतु कुछ जानकारियाँ दीं। उन्होंने बताया की आम दिन-चर्या में सकारात्मक सोच से अच्छा प्रभाव पड़ सकता है। ब्रह्म कुमारी की सुश्री बी.के. कामया ने बताया की ध्यान कैसे किया जाए और उन्होंने

सहभागियों से ध्यान करवाया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-कार्यक्रम प्रभारी द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत से किया गया। अंत में राष्ट्रीय बाल भवन के श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विश्व मधुमक्खी दिवस

"विश्व मधुमक्खी दिवस समारोह" का आयोजन 21 से 22 मई, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित किया गया। कार्यशाला का आरंभ मधुमक्खियों पर आधारित चर्चा से हुआ जिसमें मधुमक्खियों की कई विशेषताएं भी बताई गईं। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में बच्चों ने कई मधुमक्खियों का अवलोकन किया और साथ ही उनके विभिन्न हिस्सों की पहचान भी की। बच्चों ने मधुमक्खियों के जीवन-चक्र, संचार, लिंग, निपेक्ष और उनके छत्तों एवं उनकी संरचनाओं तथा मधुमक्खी-पालन के बारे में भी जाना। समारोह में बच्चों ने मधुमक्खियों के महत्त्व एवं हमें उनसे मिलने वाले विशेष उत्पादों के बारे में एवं परागणकों के महत्त्व, उनके सामने आने वाले खतरों और सतत विकास में उनके योगदान और वे मानवीय गतिविधियों द्वारा कैसे खतरे में हैं - पर गहन चर्चा की। समारोह के दौरान बच्चों को मधुमक्खी पालन पर आधारित एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। दूसरे दिन बच्चों ने मिलकर बेकार कागजों की मदद से मधुमक्खी के कई प्रतिरूप (मॉडल) बनाए। इस कार्यशाला में 20 सदस्य बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन का एक वार्षिक कार्यक्रम है, "ग्रीष्मोत्सव"। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में इस बार "ग्रीष्मोत्सव" दिनाँक 22 मई से 21 जून, 2019 तक आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मोत्सव के दौरान लगभग 2089 बच्चों ने पंजीकरण कराया।

बच्चों में अन्य विशेष रूचि जगाने के लिए कार्यशाला विशेषज्ञ-सुश्री रेखा-मधूबनी का काम, विशेषज्ञ-श्री मदन-डोल मेकिंग का काम, विशेषज्ञ-सुश्री निधी भटनागर-टाइ एंड डाई गतिविधियों हेतु उपलब्ध कराए गए। संस्कृति शिल्प ग्राम में विशेषज्ञों ने बच्चों को रूचिकर चीजें सिखाईं। संग्रहालय तकनीक क्लब द्वारा मोल्डिंग कास्टिंग की गतिविधि कराई गई। गतिविधि में बच्चों को संग्रहालय एवं अपनी धरोहरों के महत्त्व को समझाते हुए संग्रहालय तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को "हमारी धरोहर ही हमारी पहचान है" के महत्त्व के बारे में जानकारी दी गई। सिंधु घाटी सभ्यता में मिले पॉटस एवं मोहरों एवं धरती में खुदाई से मिले अन्य सामान से उस समय रहने वाले लोगों के रहन-सहन के बारे में जानकारी मिलती है, इन सामान की खुदाई करने वाले लोगों को "आर्कोलोजिस्ट" कहते हैं कि इस प्रकार की जानकारी बच्चों को दी गई एवं बच्चों को मिट्टी द्वारा पॉटस एवं मोहरों की प्रतिलिपि बनाना भी सिखाया गया। साथ ही प्लास्टर ऑफ पेरिस से मोल्डिंग कास्टिंग करना सिखाया गया, जिससे उनके हाथों, मस्तिष्क एवं आँखों के कॉर्डिनेशन में वृद्धि हो सके।

ग्रीष्मोत्सव के दौरान करीब 1000 बच्चों ने प्रति दिन राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं 40 गतिविधियाँ जैसे - शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाजी, टाई और डाई, भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, छायांकन, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियाँ इत्यादि में भाग लिया।

सुवेनियर शॉप एक केन्द्र है जिसमें बच्चे शिक्षकों के विशेष मार्गदर्शन में तैयार की गई अपनी कला कृतियाँ बहुत कम मूल्य पर क्रय कर सकते हैं। ग्रीष्मकालीन सत्र में बच्चों ने अपने दोस्तों व भाई, बहनों आदि को उपहार स्वरूप देने के लिए अपनी बनाई अनेक कलाकृतियाँ क्रय कीं।

31 मई, 2019 को "नो टोबाको डे" मनाया गया। इस अवसर पर प्रदर्शन अनुभाग के कुछ कर्मचारियों ने बच्चों को तम्बाकू सेवन न करने के सम्बंध में एक गाना सिखाया और इसी विषय से सम्बंधित एक लघु नाटिका बच्चों को तैयार कराई और बच्चों ने उसका प्रस्तुतिकरण किया। अंत में राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-प्रशासन, प्रभारी कार्यक्रम ने बच्चों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में 299 बच्चों ने भाग लिया।

06 से 8 जून, 2019 को "विश्व पर्यावरण दिवस" उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए कहानी सुनाने की विशेषज्ञ-श्रीमती ऊषा छाबड़ा को आमंत्रित किया गया। उन्होंने बच्चों को एक कहानी "कूड़े का ढेर" के माध्यम से प्रदूषण समाप्त करने की ओर अग्रसर किया। इस दौरान बच्चों को अपनी एवं अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने की जानकारी दी गई ताकि बिमारियों से छुटकारा मिल सके। इस उपलक्ष्य में बच्चों को वेस्ट मेटिरियल द्वारा पेपर बैग बनाना सिखाए गए जिससे वह अपनी जरूरत के अनुसार इन्हें इस्तेमाल कर सकें। वेस्ट मेटिरियल द्वारा उनसे घोंसला भी बनाना सिखाया गया एवं बच्चों को यह भी बताया कि हमें अपने लिए एवं अपनी सुरक्षा के लिए घर की आवश्यकता होती है। इसी तरह हमारे पर्यावरण के पशु-पक्षियों को भी सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में 1000 बच्चों ने भाग लिया।

12 जून, 2019 को बॉन कम्पनी द्वारा "पेड़ बचाओ" पर एक ड्राईंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें लगभग 1200 बच्चों ने भाग लिया। बॉन कम्पनी द्वारा सभी बच्चों को पैक्ड बिस्कुट गिफ्ट किए गए और विजेता बच्चों को भी पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही बच्चों के लिए कहानी सुनाने की कार्यशाला आयोजित की गई जिसके लिए कहानी विशेषज्ञ-श्रीमती ऊषा छाबड़ा द्वारा बच्चों के विभिन्न समूहों को कहानी बनाने व सुनाने की गतिविधि कराई एवं तत्पश्चात् अलग-अलग कहानियों का बच्चों से प्रदर्शन कराया।

14 जून, 2019 तक राष्ट्रीय बाल भवन में "साइबर सेफ्टी कार्निवाल" के विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई इस अवसर पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने तरह-तरह के सुझावों के साथ पोस्टर, चित्र बनाए, जिसकी रा.प्र.सं.के. के हॉल में एक प्रदर्शनी लगाई गई। साइबर शांति फाउंडेशन से आमंत्रित विशेषज्ञ द्वारा सर्वश्रेष्ठ तीन चित्रों को चयन करके सम्मानित किया गया। इसी दौरान छात्रों के लघु फिल्म "इंटरनेट का

बवाल" भी दिखाई गई। छात्रों ने बताया की ऑनलाइन प्रतियोगिता वेबसाइट उपलब्ध है और वे इसे व्यवहार में लाते हैं, यह प्रतिक्रिया कार्यक्रम के लिए बहुत सकारात्मक थी। इस कार्यशाला में 80 बच्चों ने भाग लिया।

15 जून, 2019 को जन-स्वास्थ्य विभाग, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के कुछ अधिकारियों ने "डेंगू, मलेरिया व चिकुनगुनिया से कैसे बचें" पर बच्चों एवं सभी कर्मचारियों को व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया की डेंगू, मलेरिया व चिकुनगुनिया मच्छर के काटने से फैलते हैं, यह मच्छर साफ पानी में पैदा होता है। इन बिमारियों से बचने के अनेकों सुझाव दिए जैसे –

1. कूलरों को सप्ताह में एक बार सूखाकर दोबारा पानी भरें। यदि पानी निकालना सम्भव न हो तो एक बड़ा चम्मच टैमेफॉस ग्रेन्यूल्स/पैट्रोल/मिट्टी का तेल डालें।
2. पानी रखने वाले बर्तनों/बाल्टियों/हौदियों का ढक कर रखें।
3. टूटे-फूटे बर्तनों व टायर इत्यादि खुले में न रखें। इनमें बरसात का पानी इकट्ठा हो सकता है।
4. खाली बर्तनों को उल्टा करके रखें।
5. ऐसे कपड़े पहनें जोकि शरीर को पूरा ढक कर रखें ताकि मच्छर काट न पायें।
6. चिड़ियों के पानी पीने के बर्तन, फ्रिज़ की डी-फ्रोस्ट ट्रे, मनीप्लांट, फैंग शुई पौधों इत्यादि का पानी प्रतिदिन बदलें। इस कार्यक्रम में 800 बच्चों ने भाग लिया।

19 जून, 2019 को इंटरनेट पर समस्या का सामना करने के लिए एवं समाधान हेतु अनुभव प्राप्ति के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 14 जून, 2019 तक राष्ट्रीय बाल भवन में साइबर सेफ्टी कार्निवाल के विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता में बनाए गए इंटरनेट सुरक्षा नारे और चित्रों की एक प्रदर्शनी रा.प्र.सं.के. के हॉल लगाई गई। इस कार्यशाला की मुख्य अतिथि सुश्री निशा दुआ और साइबर शांति फाउंडेशन के कर्मचारियों ने भी बच्चों साइबर सुरक्षा से सम्बंधित बातें बताई। प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ तीन चित्रों को चयनित कर उनके चित्रकारों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में 40 बच्चों ने भाग लिया।

20 जून, 2019 को डॉ. रमेश पोखरियाल "निशंक" – केन्द्रीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर. सी. मीना – संयुक्त सचिव, श्रीमती रितु अग्रवाल – निदेशक – मानव संसाधन विकास मंत्रालय और उप सचिव तथा श्रीमती राशि शर्मा – निदेशक – राष्ट्रीय बाल भवन ने राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों का दौरा किया। इस कार्यक्रम में 400 बच्चों ने भाग लिया।

21 जून, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं ग्रीष्मकालीन सत्र समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रीष्मकालीन सत्र में बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर प्रदर्शन कला के कुछ सदस्य बच्चों ने बहुत प्यारा गीत गाया, कुछ बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किए एवं कुछ बच्चों ने नाटक – "छः माह का झूठ" प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् शारीरिक शिक्षा अनुभाग के कुछ बच्चों ने योग मुद्राएं एवं स्केटस

द्वारा अपना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन में योग विशेषज्ञ – सुश्री रजनी सक्सैना द्वारा योगासन कराए एवं योग क्रियाएं, मिट्टी के पुतलों द्वारा दर्शा कर संग्रहालय तकनीक क्लब के सदस्य बच्चों की सृजनात्मक सोच को पंख मिले। बच्चों एवं सभी स्टॉफ को योगासन कराए गए। लगभग 1500 बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

दिल्ली के विभिन्न बाल केन्द्रों एवं लगभग 30 राज्य स्तरीय बाल भवनों में भी "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाया गया।

कंप्यूटर जागरूकता

16 मई एवं 17 मई, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को "साइबर सुरक्षा" और "डिजिटल इंडिया" के बारे में बताया गया। इस दौरान कंप्यूटर, एंड्रॉइड मोबाइल आदि का उपयोग करके इंटरनेट का परिदृश्य प्रस्तुत किया गया, "हमारे दैनिक जीवन में इंटरनेट उपयोगी है" विषय पर एक डिबेट कार्यक्रम एवं फिल्म "इंटरनेट का बवाल" जोकि फेक न्यूज/पोस्ट्स से संबंधित है, बच्चों को दिखाई गई। सोशल नेटवर्क साइट्स में नकली समीक्षाओं के साथ, बच्चों को "डिजिटल मैरिज" के बारे में भी बताया गया। तत्पश्चात बच्चों को क्लाउड कंप्यूटिंग के बारे में संक्षिप्त से समझाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।

पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा-अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर सहयोगात्मक

17 मई, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आमंत्रित 70 बच्चों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम डॉ. जया प्रसून वैज्ञानिक एनएमएनएच के उन्मुखीकरण के साथ शुरू हुआ उन्होंने बच्चों के साथ बातचीत में बताया कि वे अपने पर्यावरण की रक्षा कैसे कर सकते हैं और किस प्रकार वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के माध्यम से अपने देश में अच्छे जीवन को बढ़ावा दे सकते हैं। इस अवसर पर "ग्रीन गुड डीड्स" पर एक पीपीटी दिखाई गई जिससे बच्चे अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण बनाने के लिए प्रेरित हुए एवं हमारे आस-पास के प्रदूषण को मुक्त करने के लिए छोटे कदम उठाने के लिए दृढ़संकल्प हुए। तदोपरांत सभी सहभागियों को अच्छे कर्मों को अपनाकर अपने आस-पास को साफ रखने के लिए शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता लाने के लिए संग्रहालयों के महत्व पर एक पावर प्वाइंट दिखाया जिसके माध्यम से प्रतिभागियों के साथ विभिन्न प्रकार के संग्रहालयों जैसे कि ओपन म्यूजियम आदि के बारे में जानकारी सांझा की गई। विभिन्न क्षेत्रों जैसे इतिहास, प्राकृतिक इतिहास कला और संस्कृति में काम करने वाले संग्रहालयों के बारे में भी बताया। उसके बाद बेकार कागजों और अखबारों से उपयोगी वस्तुओं को बनाने का प्रदर्शन भी किया गया। प्रतिभागियों ने प्राकृतिक रंगों जैसे कि बोगेनविलिया फूल, हल्दी आदि का उपयोग करके पुनर्नवीकरण किए गए कागजों से हस्तनिर्मित चादरें बनाईं और अंत में सभी सहभागियों को नि:शुल्क बच्चों की रेलगाड़ी यात्रा कराई गई। सभी सहभागियों को राष्ट्रीय बाल भवन की कैंटीन द्वारा दोपहर का भोजन कराया गया। भोजन के पश्चात् सहभागियों को कला और शिल्प पर आधारित गतिविधि-उन्मुख सत्र के लिए एकीकृत गतिविधि अनुभागों में ले जाया गया। बच्चों को प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए मधुबनी पेंटिंग की मूल बातें सिखाई गई। अंत में सभी को जलपान वितरित किया गया तथा भेंट के रूप में टेबल कैलेंडर और पर्यावरण पर स्लोगन बुक भी प्रदान की गई।

वर्ल्ड नो-टोबाक्को डे

31 मई, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में वर्ल्ड नो-टोबाक्को डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुछ सदस्य बच्चों ने एक नाट्क प्रस्तुत किया जिसमें तम्बाकू के सेवन से मानव शरीर पर क्या असर पड़ता है दर्शाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 299 बच्चों ने भाग लिया।

हिन्दी-कार्यशाला

22 जून, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में "हिन्दी संगोष्ठी" का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था-"यूनीकोड में कार्य तथा राजभाषा संबंधी नियम, धाराएं तथा कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग किस प्रकार अधिक से अधिक किया जाए"। इस अवसर पर स्क्रीन द्वारा सहभागियों को संगणक के साथ-साथ अपने मोबाईल फोन में "यूनिकोड" डाउनलोड करने से संबंधित जानकारी दी गई। तत्पश्चात् सहभागियों को राजभाषा से संबंधित कुछ लिखित सामग्री वितरित की गई। इस सामग्री में राजभाषा नियम व अधिनियम, राजभाषा हिंदी के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बातें सम्मिलित थीं, जिसमें सहभागियों को बताया गया कि कार्यालयी कार्यों में सरल तथा प्रशासनिक हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए। इस गोष्ठी में गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षकों की सहभागिता से प्रतीत हुआ की राजभाषा हिन्दी के प्रति उनमें बहुत उत्साह बढ़ा है क्योंकि राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों में प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का माध्यम राजभाषा हिन्दी ही होता है। इस संगोष्ठी में 1 अधिकारी एवं 34 कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

राज्यीय माननीय मंत्री जी द्वारा-दौरा

16 जुलाई, 2019 को श्री संजय शामराओ धोतरे-राज्यीय माननीय मंत्री- मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अपने 4-5 अन्य अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन में चल रही विभिन्न गतिविधि अनुभागों का दौरा किया। इस दौरान दौरा करने आए अतिथियों को बच्चों द्वारा बनाई कुछ कलाकृतियाँ भेंट दी गई।

फोटोग्राफी कोर्स

17 जुलाई, 2019 से सितम्बर, 2019 तक फोटोग्राफी कोर्स (सप्ताह में तीन दिन) यानि 30 दिवसीय आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) एवं श्रीमती आशा भट्टाचार्जी (प्रभारी कार्यक्रम) ने प्रतिभागियों से फोटोग्राफी सम्बंधी चर्चा की। तत्पश्चात् कोर्स कार्यक्रम आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ-श्री रतन सोनल को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञ ने सहभागियों को फोटोशॉप तथा फोटोशॉप टूल के बारे में बताया। कोर्स कार्यक्रम में वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध कलाकार सुश्री लतिका कट जी को आमंत्रित किया गया। इन्होंने सहभागियों को फोटोग्राफी की जानकारी दी। कोर्स में प्रतिभागियों को फोटोग्राफी की तकनीक एव कला से परिचित कराया गया तथा फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी व पूर्व छात्र श्री अजय चौहान ने भी डिज़िटल फोटोग्राफी के उपयोग एवं संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ प्रशिक्षक अपने वयस्क छात्रों को 6 सितम्बर, 2019 से 9 सितम्बर, 2019 तक जयपुर, सांगानेर, राजस्थान कार्यालयी भ्रमण के लिए लेकर गए। इस कोर्स कार्यक्रम में लगभग 41 छात्रों ने भाग लिया। अंत में सहभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

भारतीय वायु सेना के सुविधा सह प्रचार मंडप का - उद्घाटन

31 जुलाई, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में भारतीय वायु सेना के सुविधा सह प्रचार मंडप का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन माननीय केन्द्रीय मंत्री महोदय डॉ. रमेश पोखरियाल "निशंक"-मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं श्री बी.एस. धनोआ (पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएम, एडीसी)-वायु सेना प्रमुख और श्री संजय शामराव धोत्रे-राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा रिब्बन काटकर किया गया। यह फैसिलिटेशन कम पब्लिसिटी पैवेलियन एक अनोखा तकनीकी रूप से उन्नत मंडप है, जिसमें व्यापक रूप से फ्लाइंग सिमुलेटर, एक आत्म संवादात्मक कैरियर सूचना कियोस्क, जी सूट में एक सेल्फी पॉइंट और विशेष कपड़ों के साथ पुतलों को स्थापित किया गया है। भारतीय वायु सेना अभ्यास/संचालन, भारतीय वायु सेना के मॉडल, डिजिटल फ्लेक्स आदि से संबंधित वीडियो, चलने वाले एलईडी डिस्प्ले, सभी को एक आकर्षक तरीके से रखा गया है ताकि यह सुविधा राष्ट्रीय बाल भवन में वार्षिक से आने वाले बच्चों को भारतीय वायु सेना के प्रति जागरूक करें एवं इसी के द्वारा बच्चों में भारतीय वायु सेना को कैरियर विकल्प के रूप में चुनने का उत्साह बढ़े। तत्पश्चात् तीनों अतिथिगण द्वारा रंग मंच पर पहुँचकर द्वीप प्रज्वलित कर विभिन्न स्कूलों से अपने प्रशिक्षकों के साथ आए लगभग 2500 से अधिक बच्चों का स्वागत किया गया। सभा में उपस्थित सभी सहभागियों को संबोधित करते हुए माननीय केन्द्रीय मंत्री महोदय डॉ. रमेश पोखरियाल "निशंक"-मानव संसाधन विकास मंत्रालय, बच्चों की भीड़ को देखकर बहुत खुश हुए उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों के लिए एक स्वर्ग है। यह स्थापित मंडप भारतीय वायु सेना में पायलट बनने के लिए बच्चों के सपनों को आकार देगा। उन्होंने पूरे दिल से बच्चों को देश के लिए प्यार विकसित करने और जितना संभव हो सके, इस देश को सर्वश्रेष्ट स्थान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत एक महान देश है और भारतीय वायु सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। केन्द्रीय मंत्री जी ने यह भी कहा कि वह सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत से राष्ट्रीय बाल भवन में सेना थीम्ड पवेलियन स्थापित करने का अनुरोध करेंगे। अंत में उन्होंने माननीय राज्य मंत्री श्री संजय शामराव धोत्रे से राष्ट्रीय बाल भवन को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जाने का अनुरोध किया।

श्री बी.एस. धनोआ (पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएम, एडीसी)- भारतीय वायु सेना प्रमुख एवं वायु सेना के कुछ कर्मचारियों ने सिंगल कॉम्बैट फर्स्ट फेज (सिंगल प्लेयर कैंपेन) पर अपने नवीनतम 3डी मोबाइल गेम को एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जारी किया। "भारतीय वायु सेना" मोबाइल एप्लिकेशन वायुसेना द्वारा किए गए विभिन्न अभियानों और वायु युद्ध के परिदृश्यों को एक आकर्षक तरीके से उजागर करेगा, जो तकनीकप्रेमी पीढ़ी को मोहित करेगा। एक छात्र ने सभी को प्रेरित करने के लिए ज़ारी होने के बाद मंच पर खेल खेला। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने अपने सम्बोधन में बताया कि मोबाइल ऐप का अगला स्तर अक्तूबर, 2019 में जारी किया जाएगा। यह ऐप "भारतीय वायु सेना-ए कट एबव" में भारतीय वायु सेना द्वारा किए गए विभिन्न अभियानों और वायु युद्ध के परिदृश्य को आकर्षक ढंग से उजागर करेगा ताकि खिलाड़ी को खेल में डुबोया जा

सके। खेल में एक एकल खिलाड़ी ऑफ़लाइन अभियान के साथ-साथ मल्टीप्लेयर (प्लेयर बनाम प्लेयर) ऑनलाइन अभियान है, जिसमें कुल दस परिचालन मिशन हैं, जिसमें तीस सबमिशन एवं एक मजबूत और आकर्षक कहानी है। इस मिशन में वायुसेना द्वारा संचालित विमानों के विभिन्न बेड़े हैं, जिसका लक्ष्य चौदह वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों को शामिल करना है। खिलाड़ी को खेल में विभिन्न मील के पत्थर हासिल करने पर नए स्तर आदि के "विंग्स" को खेलने के रूप में प्रोत्साहन से सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रदर्शन कला अनुभाग के कुछ बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम का विषय, देशभक्ति से ओत-प्रोत था जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के गीतों और नृत्य कलाओं का समावेश किया गया था। कार्यक्रम देखने के पश्चात् माननीय मंत्री महोदय ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुतिकरण करने वाले बच्चों के जोश की तहे दिल से प्रशंसा की।

वायु सेना प्रमुख ने बच्चों को प्रेरित करने के लिए सभा को संबोधित किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि जीवन में सपने देखने के लिए और उन्हें पूर्ण करने के लिए सही ध्यान और अनुशासन की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों में बहुत जोश और उत्साह है। उन्होंने बच्चों को यह कहकर प्रोत्साहित किया कि उन्हें अपने सपनों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। बच्चों को उन्होंने बताया कि वे लोगों को उदाहरण बन प्रेरित करें और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने के लिए भी तैयार रहें। उन्होंने भारतीय वायु सेना में महिला उम्मीदवारों सहित कैरियर के अवसरों के बारे में भी विस्तार से बताया। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ और सभी सहभागी बच्चों को भारतीय वायु सेना की ओर से गिफ्ट दिए गए एवं राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से सभी सहभागी बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

पूर्व छात्रों का - तृतीय वार्षिक सम्मेलन

31 जुलाई, 2019, को राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व छात्रों के तृतीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 200 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। भूतपूर्व छात्रों एवं रा.बा.भ. के भूतपूर्व एवं कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी विशेषज्ञता एवं अनुभव का उपयोग करते हुए राष्ट्र निर्माण अभ्यास एवं बच्चों के विकास हेतु कार्य करने के लिए एक साथ सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन का उद्देश्य हमारी सरकार के नेतृत्व में एक नए राष्ट्र के निर्माण में सहयोग करना था। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-श्रीमती राशी शर्मा, पूर्व निदेशक

श्रीमती मधु पंत, पूर्व निदेशक सुश्री अमिता शॉ और अन्य गणमान्य व्यक्ति – राष्ट्रीय बाल भवन के भूतपूर्व जूडो के छात्र अकरम शाह जिन्होंने एथेंस ओलंपिक में 9वीं रैंक हासिल की थी, देवेन्द्र सिंह डोली जो पर्वतारोहियों में एक जाना माना नाम है और रतन सोनल-फोटोग्राफी के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध नाम है, उपस्थित थे। सहायक निदेशक-विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम और उपनिदेशक-कार्यक्रम ने सभा को सम्बोधित किया। भूतपूर्व छात्रों ने स्मारिका कलाकृतियाँ राष्ट्रीय बाल भवन को भेंट की और उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी सहभागियों का तहे दिल से धन्यवाद किया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

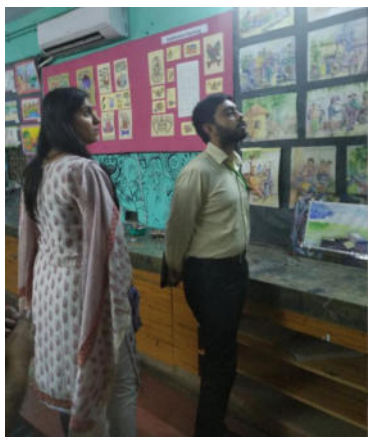

सहायक सचिवों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा

राष्ट्रीय बाल भवन में 6 अगस्त, 2019 को 2 राज्य स्तरीय सहायक सचिवों ने राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया। अतिथिगणों को राष्ट्रीय बाल भवन की पीपीटी फिल्म बैठक रूम में दिखाई जिसे देख अतिथिगण बहुत प्रसन्न हुए। तत्पश्चात उन्हें गतिविधि कक्षों में ले जाकर विभिन्न गतिविधियाँ दिखाई गई।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 10 अगस्त, 2019 को राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का विषय "महात्मा गाँधी जी" था जिसे तीन भागों में बाँटा गया जैसे प्रश्नोत्तरी, कविता लेखन, भाषण देना इत्यादि। इन तीनों कार्यक्रमों में सभी बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र बाँटे गए एवं चॉकलेट दी गई तथा जलपान वितरण किया गया।

राज्य माननीय मंत्री द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा

14 अगस्त, 2019 को श्री संजय शामराव धोतरे – राज्य माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अपने 12 व्यक्तियों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया। विभिन्न गतिविधियों का दौरा श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन), श्रीमती आशा भट्टाचार्जी – सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम) की निगरानी में श्रीमती परमिन्दर बासु (कार्यक्रम संयोजक), श्रीमती विनोद सांगवान (निदेशक की वैयक्तिक सहायक), श्रीमती अनीता राय (क. आशुलिपिक हिंदी) द्वारा कराया गया। सबसे पहले भारतीय वायु सेना के सुविधा सह प्रचार मंडप की कुर्सी पर बैठकर मंत्री जी एवं उनके साथ आए तीन बच्चों ने मंडप "फ्लाइट साईमुलेटर" का आंनद उठाया। एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षक-श्री फिरोज़ गाँजी ने इसकी जानकारी में अतिथियों को बताया की इस मंडप की कुर्सी पर बैठकर ऐसा लगता है कि जैसे खुद हम जहाज उड़ा रहे हों और उन्होंने मंडप की अन्य जानकारी भी दी। तत्पश्चात् सभी अतिथिगण को संग्रहालय की तीनों गैलरियों का दौरा कराया गया जिसके बारे में श्रीमती स्मृति कपूर ने दर्शायी गई कहानियों को भली प्रकार समझाया। उसके बाद अतिथिगणों को विज्ञान विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग एवं अंत में बच्चों की छोटी रेलगाड़ी में सवारी कराई गई। सभी अतिथिगणों को जलपान कराया गया और राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा बनाई गई कुछ कलाकृतियाँ अतिथिगणों को भेंट की गई।

विश्व छायांकन दिवस

18 अगस्त, 2019 को विश्व छायांकन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया इस गोष्ठी में लगभग 70 नए तथा पुराने छात्रों ने भाग लिया। इस गोष्ठी में डॉ. अफसर एवं श्री अनिल शर्मा ने प्रतिभागियों एवं बच्चों से चर्चा की व स्लाइडशो भी दिखाया। छायांकन दिवस के उपलक्ष्य में सहभागियों को एक फोटोवाक हेतु दिल्ली के कम परिचित ऐतिहासिक स्थल जैसे आई.एस.बी.टी. के पास की आज़ादी से पूर्व की कोर्ट और जेल स्थल ले जाया गया और वहाँ की फोटोग्राफी की गई, तथा पुरानी किताबों के संरक्षण तकनीक का भी अवलोकन किया गया।

जिल्दसाजी कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 27 अगस्त, 2019 से 31 अगस्त, 2019 तक जिल्दसाजी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने फटी किताब को चिपकाना व सिलाई करना, गत्ते को काटकर चिपका कर साधारण जिल्दसाजी व प्लास्टिक की जिल्दसाजी भी सीखी एवं नोट पैड तथा स्केच बुक, ड्राईग फाईल, डायरी बनाना भी सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 22 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं प्रत्येक दिन जलपान वितरण किया गया।

एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त अभियान

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 अगस्त, 2019 से 2 अक्तूबर, 2019 तक माननीय प्रधान मंत्री के आह्वान के संदर्भ में एकल उपयोग "प्लास्टिक मुक्त भारत" कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण प्रशिक्षक द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों एवं बच्चों को बताया गया कि उपयोग के बाद एकल-उपयोग वाला प्लास्टिक ज्यादातर भूमि-भराव स्थलों पर डाला जाता है, जल आपूर्ति और जल निकासी प्रणाली को चोक करने और इसकी गैर-बायोडिग्रेडेबिलिटी के कारण यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए प्लास्टिक के एकल उपयोग से बचना चाहिए और अपने आस-पास के क्षेत्रों में पड़े प्लास्टिक की प्लेटों, बोतलों, ग्लासों, थर्मोकोल, कैरी बैग्स आदि को गतिविधियों में रिसाईकिल करना चाहिए और अन्य उपयोग में आने वाले एकल उपयोग प्लास्टिक सामग्री के उपयोग से बचने के उपाय भी बताए गए। भारत को एकल-उपयोग प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशाा में एक देशव्यापी अभियान शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में 32 बच्चों ने भाग लिया।

संगणक-कार्यशाला, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए

28 अगस्त, 2019 से 30 अगस्त, 2019 तक तीन दिवसीय संगणक कार्यशाला विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लगभग 22 बच्चों एवं 6 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

28.8.2019 - प्रथम दिन - बच्चों को कम्प्यूटर और उसके हिस्सों के बारे में मल्टीमीडिया प्रस्तुति एनीमेशन तथा विजुल्स के माध्यम से कम्प्यूटर बेसिक की व्याख्या बताई गई और साथ ही उन्हें शो माउस और प्ले बेस माउस, कीबोर्ड, सीपीयू आदि कैसे कार्य करते हैं के बारे में बताया गया।

29.8.2019 – द्वितीय दिन – मल्टीमीडिया सम्बंधी जानकारी दी गई जिसमें मल्टीमीडिया सॉफटवेयर केआईडी, पीआईएक्स का उपयोग कर पेंटब्रश सिखाया तत्पश्चात् बच्चों ने संगणक पर इसका अभ्यास भी किया।

30.8.2019 – तृतीय दिन – बच्चों को बताया कि डिजिटल और ऑनलाईन काम क्या है? डिजिटल की अब क्यों आवश्यकता है? यह आम आदमी के लिए कैसे कार्य कर सकता है। यह भी बताया गया कि वीडियो और मल्टीमीडिया की मदद से कैसे बात कर सकते हैं।

इसके साथ ही कार्यशाला का समापन हुआ तथा उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी सहभागियों को आशीर्वचन दिया और सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

सिलाई कार्यशाला

29 अगस्त, 2019 से 31 अगस्त, 2019 तक तीन दिवसीय सिलाई कार्यशाला आयोजित की गई। सिलाई प्रशिक्षक ने सदस्य बच्चों को बताया की एपलिक आर्ट मुगलों के काल से चली आ रही पारम्परिक कला है, और उन्होंने इस कला की उपयोगिता, उपयोग होने वाली सामग्री की पूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के पैटर्न ड्रॉ करना, पैटर्न की पेपर पर कटिंग, पैटर्न पेपर की कटिंग को कपड़े पर रखकर काटना सिखाया गया। तत्पश्चात् इस कला में उपयोग होने वाले टांकों को बनाना सिखाया जिनकी सहायता से बच्चों ने पैटर्न को कपड़े पर सिलना सीखा। किसी भी प्रकार के कपड़े से निर्मित शिल्प उत्पाद को सजाने हेतु कपड़े के फूल, पत्तियाँ, तितलियाँ, शेर का पैटर्न, बागबानी का पैटर्न, हाथी का पैटर्न, गुड़िया, स्ट्राबेरी एवं चैरी के पैटर्न इत्यादि बनाना सिखाए गए। इस कार्यशाला में 35 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को अंत में जलपान वितरण किया गया एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

हिन्दी पखवाड़ा

दिनाँक 3 सितम्बर, 2019 से 17 सितम्बर, 2019 तक "हिन्दी पखवाड़ा" मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने एवं समस्त कर्मचारी द्वारा कार्यालयी कार्य अधिकतम हिन्दी में करने के लिए अभिप्रेरित करना था। "हिंदी पखवाड़े" के दौरान कर्मचारियों के लिए 9 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई – सामान्य ज्ञान, स्वरचित काव्य लेखन, नोटिंग-ड्राफ्टिंग/मसौदा लेखन, दिए गए चित्र के आधार पर स्वरचित लेख/कहानी लेखन, निबंध लेखन, स्कूली बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं, हिंदी टंकण, शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें, श्रुतलेख, इत्यादि इन में से दो प्रतियोगिताएं श्रुतलेख तथा शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें, एमटीएस स्टाफ के लिए रखी गई। ये प्रतियोगिताएं सदस्य स्कूली बच्चों, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा बाल भवन केन्द्रों के बच्चों के लिए भी

आयोजित की गई। इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य बच्चों को छोटी आयु से ही हिंदी के प्रति अनुराग उत्पन्न करने एवं उन्हें देश की राजभाषा तथा अपनी मातृभाषा के उपयोग के प्रति प्रेरित करना था। इसी संदर्भ में दिनाँक 12 सितम्बर, 2019 को बच्चों की दो आयु वर्गों (10 से 12 तथा 13 से 16 वर्ष) के लिए "स्वरचित काव्य रचना एवं प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता", "दी गई पंक्तियों के आधार पर अनुच्छेद लिखना", "पोस्टर बनाना और स्लोगन लेखन" तथा "वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखना" प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं का परिणाम श्री वेद प्रकाश गौड़-निदेशक, संस्कृति मंत्रालय, शास्त्री भवन नई दिल्ली द्वारा तैयार किया गया। हिंदी पखवाड़े के साथ-साथ स्वच्छता पखवाड़े से संबंधित गतिविधियां भी कराई गईं। सभी कर्मचारियों ने अपने-अपने अनुभाग में सफाई अभियान चलाया और कबाड़ बाहर निकाला।

दिनाँक 31 अक्तूबर, 2019 को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का "पुरस्कार वितरण" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और दो सात्वंना पुरस्कार रखे गए। इस अवसर पर श्री मुकेश गुप्ता-उप निदेशक (प्रशासन) तथा सहायक निदेशक-विज्ञान/प्रभारी कार्यक्रम ने सम्मिलित रूप से विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार दिए। पुरस्कार के रूप में स्कूली बच्चों को प्रमाण-पत्र के साथ उपयोगी पुस्तकें, चित्रकला से संबंधित सामग्री तथा कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र के साथ नकद राशि प्रदान की गई। अंत में श्री मुकेश गुप्ता-उप निदेशक (प्रशासन) ने अपने सम्बोधन में बच्चों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी और समझाया कि राजभाषा हिंदी बहुत ही सरल और सहज भाषा है, इसको कार्यालयी और व्यवहारिक प्रयोग में लाने में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए, जरूरत है केवल अपनी सोच में बदलाव लाने की, तभी वास्तव में राजभाषा अपने चर्मोत्कर्ष पर पहुंचने में सफल होगी। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में 25-30 कर्मचारियों ने भाग लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा

राष्ट्रीय बाल भवन में 3 सितम्बर, 2019 से 18 सितम्बर, 2019 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी गतिविधि कक्ष के कर्मचारियों ने अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने हेतु पुराना कबाड़ा निकाला एवं साफ-सफाई कराई। 14 सितम्बर, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में सभी कर्मचारियों एवं सदस्य बच्चों ने पौधा-रोपण किया। इस दौरान सभी गतिविधि अनुभागों के कर्मचारियों ने समय सारणीनुसार रिसाइक्लिंग गतिविधि भी की जिससे विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करना सीखा।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत भ्रमण

समग्र शिक्षा के अंतर्गत कार्यक्रम 4 सितम्बर, 2019 से जनवरी, 2020 तक आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत दिल्ली के 2905 विभिन्न सरकारी स्कूलों के बच्चों ने अपने शिक्षकों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन का भ्रमण किया। इन बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की जानकारी प्राप्त की और राष्ट्रीय बाल भवन की अनेक गतिविधियों में भाग लिया।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 14 सितम्बर, 2019 को एक दिन की सिलाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को शंकर इंटरनेशनल गुड़िया संग्रहालय देखने ले जाया गया जिसमें देश-विदेश से एकत्रित की गई गुड़ियों और उनके परिधानों की जानकारी बच्चों को दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं जलपान वितरण किया गया।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 17 सितम्बर, 2019 को सिलाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत बच्चों को कपड़े के थैले सिलना सिखाया गया जिसमें थैले की साईजनुसार कटाई, थैले पर कढ़ाई, लेस व पैच वर्क द्वारा थैलों को सजाना सिखाया। जिसमें प्लास्टिक के बैग के स्थान पर कपड़े के थैलों का उपयोग करने की सलाह दी जिसका उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जागरूक करना था। इस कार्यशाला में लगभग 10 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं जलपान वितरण किया गया।

चित्रकला कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 18 सितम्बर, 2019 से 20 सितम्बर, 2019 तक चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में गोंड कला, वर्ली कला, चारकोल ड्राईंग, पानी के रंगों का इस्तेमाल, पोस्टर रंगों का इस्तेमाल, रंग में रंग मिलाकर दूसरा रंग बनाना इत्यादि सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं प्रत्येक दिन जलपान वितरण किया गया।

हस्तकला कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 24 सितम्बर, 2019 से 26 सितम्बर, 2019 तक हस्तकला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को क्राफ्ट द्वारा गाँधी जी की तस्वीर बनानी सिखाई गई और तस्वीर के चारों तरफ आउट लाईन पर ऊन चिपकाना सिखाया गया और कोलॉज की तरह न्यूज़ पेपर, कार्ड-बोर्ड तथा फोयल पेपर से खाली जगह को भरना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं प्रत्येक दिन जलपान वितरण किया गया।

"प्लास्टिक के विकल्प" पर कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 24 सितम्बर, 2019 से 4 अक्तूबर, 2019 तक महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के तहत "प्लास्टिक के विकल्प" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 107 सहभागियों ने भाग लिया। सहभागियों ने गांधी के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र पर कहानियों को देखा और अहिंसा, सत्यनिष्ठा और सत्य की ताकत को समझा और यह बात भी जानी कि हमारे देश के विभिन्न आंदोलन और संघर्ष हमें स्वतंत्रता की ओर कैसे ले जाते हैं, साथ ही हमारे जीवन में स्वच्छता के महत्व को भी समझा। बच्चों ने प्लास्टिक प्रदूषण और हमारे पर्यावरण पर इसके प्रभाव से संबंधित वृत्तचित्र देखे। इस दौरान बच्चों ने प्लास्टिक प्रदूषण और प्लास्टिक के उन विकल्पों के बारे में चर्चा की जो हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को प्रतिस्थापित कर सकते हैं। बच्चों ने बेकार कागज का पुनर्चक्रण कर पुर्ननवीनीकरण किया और उससे फाइल तथा लिफाफे बनाये। साथ ही बच्चों ने पेपर बैग बनाने की तकनीक भी सीखी एवं अखबार से लिफाफे भी बनाए। अंत में सभी सहभागियों ने परिसर में वृक्षारोपण गतिविधि भी की। तत्पश्चात् सभी सहभागियों को जलपान वितरण एवं प्रमाण-पत्र भी दिए गए।

जिल्दसाजी कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 25 सितम्बर, 2019 से 27 सितम्बर, 2019 तक जिल्दसाजी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को साधारण जिल्दसाजी, नोट पैड इत्यादि सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 22 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं प्रत्येक दिन जलपान वितरण किया गया।

हिंदी कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 27 सितम्बर, 2019 को जुलाई से सितम्बर, 2019 की तिमाही की "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में श्री श्याम सुन्दर कथूरिया, संयुक्त निदेशक(राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला का विषय था - "हिंदी पखवाड़ा" (3-17 सितम्बर, 2019) कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में पूछे गए प्रश्नों के संबंध में चर्चा/समाधान।

विशेषज्ञ ने बताया कि हिन्दी प्रतियोगिताओं में प्रत्येक सहभागी अपने विवेक और बुद्धि के अनुरूप अच्छा लिखते हैं परन्तु पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् उनके मन में शंका रहती है कि उन्होंने लिखा तो बहुत अच्छा था परन्तु उसके अनुसार उन्हें पुरस्कार नहीं मिला। इस संबंध में यदि गहराई से देखा जाए तो हम अक्सर छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं जिनका प्रभाव प्रतियोगिताओं के परिणाम पर भी पड़ता है। यदि इन गलतियों पर ध्यान देते हुए समयानुसार उसमें सुधार कर लिया जाए तो हम प्रतियोगिताओं के साथ-साथ कार्यालयी कार्यों को भी सरलता एवं सुचारू रूप से कार्यान्वित करने में सक्षम हो सकते हैं। इसके पश्चात् प्रश्न-पत्रों पर चर्चा आरंभ हुई। सबसे पहले नोटिंग-ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता पर चर्चा आरंभ हुई। इस प्रतियोगिता में पूछे गये प्रश्नों के अंतर्गत क्रमानुसार राजभाषा नीति, राजभाषा की दृष्टि से राज्यों का वर्गीकरण, कार्यालयी प्रयोग में आने वाले शब्दों का हिंदी रूपांतरण, अंकों को देवनागरी लिपि में लिखना, नोटिंग, निविदा, मुहावरे एवं लोकोक्तियां, अशुद्ध शब्दों को शुद्ध रूप में लिखना, के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों को बहुत ही बारीकियों से समझाया गया। नोटिंग-ड्राफ्टिंग के अतिरिक्त प्रतियोगिताओं के अन्य विषयों पर भी लेखन से संबंधित जानकारी दी। इस कार्यशाला में लगभग 20 कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

शांति और समानता

दिनाँक 27 सितम्बर, 2019 से 1 अक्तूबर, 2019 तक राष्ट्रीय बाल भवन में महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर "शांति और समानता" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में दिनाँक 27 सितम्बर, 2019 को आंतरिक शांति के लिए सभी कर्मचारियों ने प्राणायाम किया। छायांकन अनुभाग द्वारा एक प्रदर्शनी लगाई। राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-प्रशासन के साथ कर्मचारियों एवं सदस्य बच्चों ने श्रमदान एवं शांति मार्च कर राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में लगभग 200 पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया गया।

दिनाँक 28 सितम्बर, 2019 को आंतरिक शांति के लिए सभी कर्मचारियों ने प्राणायाम किया। कंठ संगीत के सदस्य बच्चों ने शांति और समानता पर एक सामूहिक गान प्रस्तुत किया और नाट्यकला अनुभाग के बच्चों ने शांति

के लिए स्वच्छता पर नाटक प्रस्तुत किया जिसका विषय था – "गाँधी जी एक सोच"। इस नाटक में पर गाँधी की आपबीती के साथ गाँधी जी ने किसी प्रकार की ब्रिटिश कपड़ों का त्याग कर खादी को अपनाया था दिखाया गया और स्वच्छता अपनाने से सम्बंधित बातें भी दर्शायी गई।

दिनाँक 29 सितम्बर, 2019 को भी आंतरिक शांति के लिए सभी कर्मचारियों ने प्राणायाम किया। कुछ सदस्य बच्चों ने रचनात्मक लेखन और एक्सटेम्पोर भाषण कार्यक्रम में भाग लिया। तदोपरांत बच्चों को वेस्ट टू वंडर पार्क की यात्रा हेतु ले जाया गया जिसमें लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। अंत में बच्चों को जलपान वितरण कराया गया।

जिल्दसाजी कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 09 अक्तूबर, 2019 से 11 अक्तूबर, 2019 तक दो दिवसीय जिल्दसाजी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को स्केच बुक बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 23 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं प्रत्येक दिन जलपान वितरण किया गया।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 9 अक्तूबर, 2019 से और 10 अक्तूबर, 2019 को गुड़िया बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य बच्चों की कलात्मकता तथा सृजनात्मकता का विकास करना था। कार्यशाला में बेकार कपड़े के टुकड़ों का उपयोग करके गुड़िया बनाना तथा उनके रंग-बिरंगे अलग-अलग प्रकार के वस्त्र बनाकर उनकी साज-सज्जा करना सिखाया गया और इस प्रकार बच्चों ने विभिन्न प्रकार की गुड़ियों का निर्माण करना सीखा। इस कार्यशाला में 30 बच्चों ने भाग लिया। अंत में बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं जलपान वितरण किया गया।

नीरा आई सेंटर एवं लेसर विज़न द्वारा नेत्र जाँच शिविर

दिनाँक 10 अक्तूबर, 2019 को नीरा आई सेंटर एवं लेसर विज़न द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन में एक शिविर लगाया गया जिसमें लगभग 100 कर्मचारियों एवं सदस्य बच्चों की आँखों की जाँच की गई। नीरा सेंटर एवं विज़न के कर्मचारियों ने सहभागियों को आँखों की देखभाल करने की जानकारी भी दी।

प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण ध्रुव कार्यक्रम शिविर

दिनाँक 12 अक्तूबर, 2019 से 25 अक्तूबर, 2019 तक प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण कार्यक्रम शिविर राष्ट्रीय बाल भवन में लगाया गया जिसमें भारत के प्रदर्शन कला क्षेत्रों से 60 (राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रदर्शन कला प्रतियोगिता के

द्वारा चुने हुए) प्रतिभाशाली बच्चे अपने 20 अनुरक्षणों के साथ आए। इस कार्यक्रम का मक़सद छात्रों को समाज के लिए अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन को बड़ी धूम-धाम से सजाया गया। इस कार्यक्रम का विषय "प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण कार्यक्रम भारत के ध्रुव बच्चों के लिए" था। इस शिविर में रहने वाले बच्चों को सामान्य उपभोग के लिए वस्तुओं से युक्त स्वागत जूट बैग दिए गए। स्वागत बैग में फ्रूटस, नमकीनस, सूखे मेवे, बिस्कुट के पैकिटस, चॉकलेट्स इत्यादि थे। सभी बच्चे दिनाँक 13 अक्तूबर, 2019 को उपनिदेशक-प्रशासन एवं अपने अनुरक्षणों के साथ दिल्ली-दर्शन के लिए गए। इन बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों में भाग लिया। दिनाँक 20 अक्तूबर, 2019 को इन बच्चों के लिए फूड फेस्टिवल भी लगाया गया।

दीपावली समारोह

राष्ट्रीय बाल भवन में 26 अक्तूबर, 2019 को दीपावली समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 250 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में प्रदर्शन कला के कर्मचारियों ने दीपावली पर रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य एवं गाने प्रस्तुत किए तथा राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ सदस्य बच्चों ने व कुछ अभिभावकों ने दीपावली के पावन पर्व की परिभाषा पर भाषण दिया। उपनिदेशक(प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता जी ने सभी सहभागियों को दीपावली की ढेरों शुभ-कामनाएं दीं। अंत में सभी सहभागियों को बेड-पकौड़ा और मूंग दाल हलुआ एवं चाय वितरित की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 31 अक्तूबर, 2019 को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अवसर पर लगभग 100 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। सहभागियों ने ओपन एअर थियेटर में एकता की शपथ ग्रहण की और सभी गतिविधि अनुभागों के प्रशिक्षकों ने अपने-अपने अनुभागों में उपस्थित सदस्य बच्चों को एकता का मतलब समझाया और बताया की सरदार वल्लभ भाई पटेल का एकीकृत भारत में क्या योगदान था। सभी सहभागियों ने राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान के चारों ओर एकता पर रैली निकाली। अंत में सहभागी बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

सतर्कता जागरूकता दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 अक्तूबर, 2019 से 2 नवम्बर, 2019 तक सतर्कता जागरूकता दिवस संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन के दौरान दिनाँक 31 अक्तूबर, 2019 को सभी कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ शपथ ग्रहण की एवं राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण के चारों ओर तख्तियों एवं बैनर के साथ भ्रष्टाचार मिटाएंगे, देश को आगे बढ़ाएंगे नारा लगाते हुए पैदल यात्रा भी निकाली। इस कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 5 नवम्बर, 2019 और 6 नवम्बर, 2019 को दो दिवसीय सिलाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को मिस्टर पोटली टॉय बनाना सिखाया गया जिसमें विभिन्न रंगों की पोटलियाँ तैयार कर उन्हें जोड़कर पोटली टॉय बनाना सीखा। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों में सृजनात्मकता एवं कलात्मकता का विकास हुआ। इस कार्यशाला में लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं जलपान वितरण किया गया।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2019 जिसका विषय - संस्कृति संगम : "एक भारत श्रेष्ठ भारत" था, का आयोजन 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2019 तक आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों को देश की विविध संस्कृति को समझाना और उसकी सराहना करने में मदद करना था। इस कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त 37 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के सदस्य बच्चों तथा एस्कोर्ट, राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने, माण्डी जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चों ने और दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों के बच्चों ने, लगभग 2500 बच्चों ने 14 नवम्बर को एवं 500 बच्चों ने दिनाँक 15, 16 नवम्बर, 2019 को भाग लिया। इस वर्ष भी बच्चों के लिए बाह्य विशेषज्ञों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा सृजनात्मक कार्यशालाएं जैसे :- कैलीग्राफी, पॉट्री, मधुबनी, सांझी कला और बॉक्स बनाना, कठपुतली, बाटिक, कहानी सुनाना, चित्रकला, पर्यावरण, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, छायांकन, एअरो मॉडलिंग, फन गेम्स, बुनाई, जिल्दसाज़ी, काष्ठ कला, सिलाई, टाई एवं डाई इत्यादि तीन दिन तक आयोजित की गई।

14 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रीय बाल सभा के मुख्य अतिथि - श्री अमित खरे-सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं श्री आर.सी. मीना-संयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास

मंत्रालय(अध्यक्ष-राष्ट्रीय बाल भवन) आदि थे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों से संयोजित भव्य ग्रुप प्रदर्शनी और 18 स्टॉल और परिसर में आयोजित सांस्कृतिक मेले का दौरा किया एवं खुले रंग मंच में कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि -, श्री अमित खरे-सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं श्री आर.सी. मीना-संयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय(अध्यक्ष-राष्ट्रीय बाल भवन), निदेशक-श्रीमती राशि शर्मा द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया रा.बा.भ. के बच्चों ने "स्वाति वचन" गाया। तत्पश्चात् रा.बा.भ. के बच्चों ने खुले रंग मंच पर सांस्कृतिक नृत्य दशावतार, तेहराताली-राजस्थानी लोक गीत आदि प्रस्तुत किए। श्री अमित खरे-सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अपने मुख्य उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय बाल भवन में विभिन्न प्रांतों के बच्चे एक जगह पर एकत्रित हुए हैं, उनके क्षेत्रीय परिधान एवं नृत्य "एक भारत श्रेष्ठ भारत" को दर्शाती हैं। निदेशक-श्रीमती राशि शर्मा ने भी मुख्य अतिथियों का राष्ट्रीय बाल भवन में आने का हृदय से आभार प्रकट किया तथा बच्चों को आशीर्वचन दिए। दोपहर 2:00 बजे खुले रंग मंच में पूर्वी क्षेत्र और केन्द्रीय क्षेत्र के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत की प्रस्तुतिकरण किया। सायं 5:00 बजे रा.बा.भ. के नाट्यकला प्रशिक्षक-श्री मुकेश कुमार बैरवा ने एक नुक्कड़ नाटक बच्चों द्वारा प्रस्तुत करवाया। नाटक का नाम था- प्लास्टिक के उपयोग से मानव जीवन के साथ खिलवाड। इस नाटक द्वारा दर्शायाा कि प्लास्टिक किस प्रकार से हमारे लिए हानिकारक है। सायंकाल में राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व छात्र श्री इमरान खान एवं श्रीमती सुरागना चटर्जी खान-विशेषज्ञ नाट्यकला द्वारा चीन देश की संस्कृति पर "पिटारा" नामक एक नाटक प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बताया कि चीन में एक कैलेण्डर में 12 महीनों के नाम चीन की संस्कृति पर आधारित हैं।

इस शिविर के दूसरे दिन 15 नवम्बर 2019 को प्रात: 7:00 बजे बच्चों एवं उनके प्रशिक्षकों को ब्रह्मा कुमारी संस्थान के डॉ. सुरेन्द्र अग्रवाल, विवेक भाई जी, बहन बी.के. बबीता जी, घनश्याम भाई जी द्वारा योग एवं प्राणायाम कराए गए, ताकि सभी स्वस्थ एवं तनाव से दूर रह सके। प्रात: 10:00 बजे खुले रंग मंच में पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र-11 के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत की प्रस्तुतिकरण किया। दोपहर 2:00 बजे से भारतीय वायु सेना द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। वायु सेना हैड क्वाटर से आए विंग कमाण्डर सुश्री स्नेहा सिंह एवं विंग कमाण्डर श्री अभिनन्दन जी ने बच्चों को भारतीय वायु सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित किया। सायंकाल 4:30 बजे रा.बा.भ. के नाट्यकला प्रशिक्षक-श्री मुकेश कुमार बैरवा ने एक नाटक बच्चों द्वारा प्रस्तुत करवाया। नाटक का नाम-टुल्लुपुर के महाराज था। इस नाटक में सांस्कृतिक मिलन मेला दर्शा कर अपनी विविधता में एकता संस्कृति का संदेश जाति धर्म भाषा राज्य संस्कृति संगम को जानने व पहचानने के बारे में बच्चों के ज्ञान को बढ़ावा दिया। सायं 6:30 बजे कला संगम, नई दिल्ली की प्रमुख भरतनाट्यम नर्तकी-श्रीमती रूकमणी देवी अरूण्डेल अपने नृत्य अभिनयों के ग्रुप के साथ भरतनाट्यम के विभिन्न शास्त्रीय नृत्यों पर नृत्य प्रदर्शित किए। रात्रि 8:30 बजें राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में बच्चों के लिए बोनफायर का भी आयोजन किया गया। इस दौरान सभी सहभागियों को मूँगफली, रेवड़ी, गज़क बांटी गई। इस दौरान बच्चों ने खूब मस्ती भरे नृत्य किए।

16 नवम्बर, 2018 को भी प्रात: 7:00 बजे बच्चों एवं उनके प्रशिक्षकों को ब्रह्मा कुमारी संस्थान द्वारा योग एवं प्रणायाम कराए गए ताकि सभी जन स्वस्थ एवं तनावमुक्त रहें। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि - निदेशक-श्रीमती राशि शर्मा के समक्ष बच्चों के लिए बच्चों के द्वारा अनेकों सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रमों जैसे गाने, नृत्य,

नाटक आदि का प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यक्रम देखकर निदेशक महोदया जी ने तहे दिल से कार्यक्रम की सराहना की। इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने अपने अनुभवों को सांझा किया। अंत में सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा तनावमुक्ति सत्र

राष्ट्रीय बाल भवन में 21 नवम्बर, 2019 को ब्रह्मकुमारी संस्थान के कर्मचारियों (सुश्री अंजलि बहन, सुश्री सुनीता बहन, सुश्री उर्मिला बहन, सुश्री मंजू बहन, सुश्री अंजिला अरोड़ा बहन एवं श्री दयाल जी भाई एवं श्री सतीश भाई) द्वारा व्याख्यान दिया गया। ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मनुष्य में श्रेष्ठ कर्म और चिन्तन के कलात्मक विकास के लिए समर्पित एक आध्यात्मिक संस्था है जो स्वस्थ रहने और तनावमुक्ति पर कार्य करता है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ में गैर सरकारी संगठन के रूप में जुड़ी हुई है। वर्तमान समय में विश्व के 137 से अधिक देशों में 9000 से अधिक सेवाकेन्द्रों के माध्यम से राजयोग एवं आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने ब्रह्मकुमारी संस्थान से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा प्रशाद दिया गया।

खगोल विज्ञान कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 6 से 8 नवम्बर, 2019 एवं 21 और 22 नवम्बर, 2019 को एक पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला खगोल विज्ञान पर आधारित थी। इसका उद्देश्य ब्रह्मांड और खगोल विज्ञान के बारे में ज्ञान को समझने के लिए आसान विधि का उपयोग करके सभी छात्रों के मन को उत्तेजित करना था। कार्यशाला में बच्चो को बुनियादी खगोल विज्ञान से लेकर उन्नत खगोल विज्ञान तक जानकारी दी गई ताकि छात्रों को सार्वभौमिक तथ्यों को पहचानने में मदद मिले। कार्यशाला में वीडिया और ऑडियो के माध्यम से सिद्धांत के बारे में जानकारी दी गई जिससे उन्होंने उपग्रह और बुनियादी रॉकेट विज्ञान के बारे में भी सीखा। बच्चों ने ग्रुपों में बँटकर चंद्रयान-2 के 10 मॉडल तैयार किए। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को नेहरू तारामंडल का दौरा कराने ले जाया गया जिसमें डोम के तहत एक एस्ट्रोनॉमी शो दिखाया गया जिससे बच्चे ब्रह्मांड के तथ्य के बारे में पूरी तरह से समझें। इसके पश्चात् बच्चों ने तारामंडल के संग्रहालय और तीनमूर्ति में भारतीय राजनीति के इतिहास का दौरा किया। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। प्रति दिन बच्चों को जलपान दिया गया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

भारतीय संविधान दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 26 नवम्बर, 2019 से 26 नवम्बर, 2020 तक एक वर्षीय 70वें भारतीय संविधान दिवस पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित किया गए। इस अवसर पर 26 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन के 50 कर्मचारी एवं बच्चों ने भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए शपथ ग्रहण की।

दिनॉक 30 नवम्बर, 2019 को डॉ. भीमरॉव रामजी अम्बेडकर पर चित्रकला/कविता लेखन प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के लगभग 100 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

दिनॉक 28 नवम्बर, 2019 को भारतीय संविधान/डॉ. भीमरॉव रामजी अम्बेडकर जी के जीवन यापन पर निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई जिसमें लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 1 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन के मेखलाझा सभागार में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती उत्सव के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 150 व्यक्तियों (बच्चे, अभिभावक, कर्मचारी) दर्शक थे। इस अवसर पर गायन अनुभाग के दो गीत प्रस्तुत किए जोकि देशभक्ति पर आधारित थे और नाटक अनुभाग के बच्चों ने "साहेब मेरे भीमराव" नामक नाटक की प्रस्तुति दी जिसमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जीवनी एवं उनके सिद्धांतों को दर्शाया गया था जोकि बहुत ही रोचक ढंग से विभिन्न दृश्यों के माध्यम से बाबा साहेब के बचपन से लेकर प्रौढ़ावस्था तक के वृतान्त का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया जिससे सभी दर्शकगण मंत्रमुग्ध हो गए। सभी को उनके जीवन से प्रेरणा मिली। नाटक में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। उपनिदेशक-प्रशासन ने तहेदिल से सभी भाग लेने वाले बच्चों को सुन्दर प्रस्तुति हेतु बधाई दी और उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने नाटक प्रशिक्षक-श्री मुकेश कुमार बैरवा की भी प्रशंसा की एवं कहा कि जिस प्रकार बच्चों ने स्टेज व्यवस्था एवं प्रत्येक दृश्य के पहले व पश्चात् स्वयं ही सामग्री रखने व हटाने का कार्य किया वह सराहनीय है। हमें बच्चों में इस प्रकार मिल-जुलकर स्वयं ही अपना कार्य करना सिखाना चाहिए। राष्ट्रीय बाल भवन के एक कर्मचारी नाटक से इतना अधिक प्रभावित हो गए कि उन्होंने सभी बच्चों को अपनी तरफ से 2100/-रू. की नकद धनराशि पुरस्कार के रूप में भेंट की।

डॉ. भीमरॉव रामजी अम्बेडकर के जीवन यापन एवं उनके बनाए गए संविधान पर एक प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन 14 अप्रैल, 2020 को कोविड-19 के कारण नहीं हो पाया।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 26 नवम्बर, 2019 और 28 नवम्बर, 2019 को तीन दिवसीय सिलाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को टोटे बैग (कंधे पर टांगने वाला) बनाना सिखाया जिसमें उन्हें बैग की ड्राफ्टिंग तथा पेपर पैटर्न बनाना सिखाया। पेपर पैटर्न को कपड़े पर रखकर उसका ले-आऊट बनाकर उसकी सहायता से कपड़े पर बैग की कटिंग करना सिखाया। हाथ की सिलाई मशीनों एवं ट्रैडल मशीनों पर बैग सिलना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 22 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को अंत में जलपान कराया गया एवं प्रमाण-पत्र दिए गए।

स्केटिंग प्रतियोगिता

राष्ट्रीय बाल भवन में 24 नवम्बर, 2019 को एस.एस.डी.सी. फर्म द्वारा स्पीड़ स्केटिंग की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के पाँच बच्चों ने भाग लिया और इन्हीं में से तीन बच्चों (मोहम्मद फैजान -

रजत पदक, रिषभ मेहता - कांस्य पदक, ऐश्वर्या राय - स्वर्ण पदक) ने पदक प्राप्त किए। इन बच्चों ने और दूसरे बच्चों का हौसला बुलंद किया एवं राष्ट्रीय बाल भवन का भी गौरव बढ़ाया।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 3 दिसम्बर, 2019 से 5 दिसम्बर, 2019 को तीन दिवसीय सिलाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को अम्ब्रैला-कट-फ्रॉक बनानी सिखाई गई। बच्चों को फ्रॉक में सभी उपयोगी शरीर के नापों को लेना सिखाया एवं फ्रॉक के नापानुसार ड्राफ्टिंग करना तथा पेपर पैटर्न बनाना सिखाया। पेपर पैटर्न की सहायता से फ्रॉक की कटिंग करना सिखाया। फ्रॉक की चोली में "डार्ट डालना" तथा "प्लैकिट" बनाना सिखाया। फ्रॉक के गले में पाइपिंग लगाना, फ्रॉक की चोली में घेरा व बाजू जोड़ना एवं फ्रॉक सिलना सिखाया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को प्रति दिन जलपान दिया गया और अंत में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

खगोल विज्ञान कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 12 से 13 दिसम्बर, 2019 को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला खगोल विज्ञान पर आधारित थी। कार्यशाला का विषय-सितारों का नक्षत्र था और इस कार्यशाला का उद्देश्य तारों और उनके नक्षत्र के बारे में ज्ञान को समझने के लिए आसान विधि का उपयोग करके बच्चों के दिमाग को उत्तेजित करना था। ताकि बच्चों को सार्वभौमिक तथ्यों को पहचानने में मदद मिल सके।

प्रथम दिन बच्चों को खगोल विज्ञान का परिचय दिया। जिसमें सूर्य, ग्रह, क्षुद्रग्रह, उल्कापिंड और धूमकेतु प्रोजेक्टर की मदद से यूनिवर्स की उत्पत्ति, बिग बैंग सिद्धांत और स्थिर राज्यों, हमारी आकाशगंगा, सोलर प्रणाली की उत्पत्ति की जानकारी दी। सहभागियों ने अपनी राशि के साथ तारों के नक्षत्र के बारे में सीखा।

द्वितीय दिन सहभागियों को तारामंडल के नक्षत्रों के स्थिर मॉडल बनाना सिखाया फिर उन्होंने समूह में स्वयं के स्थिर मॉडल बनाए। कार्यशाला में 27 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिदिन सहभागियों को जलपान दिया गया एवं अंत में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

हस्तकला कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 17 दिसम्बर, 2019 से 19 दिसम्बर, 2019 को तीन दिवसीय हस्तकला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को पेन स्टैंड बनाना सिखाया जिसमें ग्रे बोर्ड को 4 इंच x 5 इंच के चार बोर्ड कट करके फिर 4 इंच x 4 इंच का एक बोर्ड कट करके चार वाले कट किए बोर्ड का एक वर्ग के आकर में चिपकाना सिखाया और बॉक्स को हैंडमेड शीट से चारों दिशाओं को ढक दिया, अब बॉक्स के जोड़ों पर पेस्टल शीट की पट्टी से चिपकवाकर अब चारों तरफ पेस्टल शीट से बने फूलों को फेविकॉल से चिपकाना सिखाया। इस कार्यशाला में 15 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को प्रतिदिन जलपान दिया गया और अंत में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

काष्ठकला कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 5 दिसम्बर, 2019 से 11 दिसम्बर, 2019 को टूडी-थ्रीडी कलाकृतियों की पाँच दिवसीय काष्ठकला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को सबसे पहले लकड़ी की महत्वत्ता को बताया। बच्चों को लकड़ी के टुकड़े एवं आइसक्रीम स्टीक्स द्वारा पेन बॉक्स बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इन्हीं बच्चों को आइसक्रीम स्टीक्स से नाव, पेन बॉक्स, फूल, फोटो फ्रेम इत्यादि बनाना सीखा। सहभागियों ने अंत में आइसक्रीम स्टीक्स द्वारा ही एक पेंटिंग भी बनानी सीखी। इस कार्यशाला में 15 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को प्रति दिन जलपान वितरित किया गया और अंत में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

बुनाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 12 दिसम्बर, 2019 से 14 दिसम्बर, 2019 तक बच्चों के लिए पेपर वेविंग और चटाई बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के दौरान सहभागियों को बुनाई की उपयोगिता व हतकरघा मशीन की जानकारी दी गई एवं पेपर वेविंग और चटाई बनाने की विधि सिखाई। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को अंत में प्रमाण-पत्र तथा जलपान वितरित किया गया।

मिट्टी कला कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 12 दिसम्बर, 2019 से 14 दिसम्बर, 2019 को मिट्टी द्वारा मूर्तिकला की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के दौरान सहभागियों को जीवन में मिट्टी की महत्वत्ता की जानकारी दी गई तथा मिट्टी से विभिन्न प्रकार के जानवर बनाने की विधि सिखाई गई। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को अंत में प्रमाण-पत्र तथा जलपान वितरित किया गया।

मैरी क्रिस्मस

राष्ट्रीय बाल भवन में 21 दिसम्बर, 2019 (शनिवार) को मैरी क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र के साथ क्रिस्मस ट्री को भी सजाया गया और प्रदर्शन कला अनुभाग के बच्चों ने गाने सुनाए एवं रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथां नाटक अनुभाग के प्रशिक्षक-श्री मुकेश कुमार बैरवा द्वारा तैयार कुछ बच्चों ने "मरियम मेरी माँ" एक नाटक प्रस्तुत किया। एक कर्मचारी ने संता क्लॉज़ की ड्रेस पहन प्रदर्शन कर सभी सहभागियों को लाल टोपी और टोफी बाँटी। इस कार्यक्रम में लगभग 300 कर्मचारियों एवं बच्चों ने भाग लिया। मैरी क्रिसमस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उपहार के तौर पर पानी की बोतल, केक, चॉकलेट, फ्रूटी बाँटी गई एवं कर्मचारियों को केक, चॉकलेट, फ्रूटी प्रदान की गई। अंत में बच्चों को "क्लॉज़" फिल्म भी दिखाई गई।

आमोद दिवस

नए साल के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में 1 जनवरी, 2020 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और कर्मचारियों के साथ बाल भवन के उपनिदेशक(प्रशासन) ने म्यूज़िकल चेयर, रस्सा-कस्सी, निशानेबाजी, नींबू और चम्मच दौड़, तीन टांग दौड़, बैंडमिंटन प्रतियोगिता, टेबल

टेनिस प्रतियोगिता, दौड़ इत्यादि खेलों में सहभागिता प्रदान की और खेलों का आनन्द उठाया। तत्पश्चात् सभी सहभागियों ने छात्रावास में दोपहर का भोजन ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। खेलों के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

खगोल विज्ञान कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 9 से 11 जनवरी, 2020 को तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला खगोल विज्ञान पर आधारित थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य ब्रह्माण्ड और खगोल विज्ञान के बारे में आसान विधि द्वारा ज्ञान को समझने के लिए उनके मन को उत्तेजित करना था। जिससे बच्चों को बुनियादी खगोल विज्ञान से लेकर उन्नत खगोल विज्ञान की जानकारी प्राप्त हो। ताकि बच्चों सार्वभौमिक तथ्यों को पहनने में मदद मिल सके।

प्रथम दिन बच्चों को खगोल विज्ञान का परिचय दिया। जिसमें सूर्य, ग्रह, क्षुद्रग्रह, उल्कापिंड और धूमकेतु प्रोजेक्टर की मदद से यूनिवर्स की उत्पत्ति, बिग बैंग सिद्धांत और स्थिर राज्यों, हमारी आकाशगंगा, सोलर प्रणाली की उत्पत्ति की जानकारी दी। सहभागियों को इन सभी विषयों को अच्छी तरह से समझाने के लिए वीडियो और ऑडियो के माध्यम से पढ़ाया गया।

द्वितीय दिन सहभागियों को खगोल विज्ञान का उन्नत स्तर था। जिसमें सहभागियों को चंद्रमा और पृथ्वी के घूर्णन और क्रांति, सूर्य ग्रहण और चंद ग्रहण, ग्लोब, ऊंचाई और देशांतर तथा समय गणना के चरणों के बारे में सिखाया।

तृतीय दिन सहभागियों को "मिशन मंगल" एक फिल्म शो दिखाया। यह फिल्म उपग्रह-मंगलयान से सम्बंधित थी। इस कार्यशाला में लगभग 36 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिदिन सहभागियों को जलपान दिया गया एवं अंत में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल

राष्ट्रीय बाल भवन में 11 जनवरी, 2020 (शनिवार) को लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र को सज़ाया गया। तत्पश्चात् प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। नाटक अनुभाग के प्रशिक्षक-श्री मुकेश कुमार बैरवा द्वारा तैयार कुछ बच्चों ने "तिल के लड्डू" एक नाटक प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। इस दौरान उपनिदेशक(प्रशासन) ने सभी सहभागियों को इस कार्यक्रम की विशेषता बताई। अंत में सभी सहभागियों को चाय, जलपान वितरित किया गया।

जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता

राष्ट्रीय बाल भवन में 2 से 4 जनवरी, 2020 तक जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि :- श्री प्रवीण सौलंकी (वर्ल्ड चैम्पियन पॉवर लिफ्टिंग) एवं श्रीमती सोनिया सिन्हा थीं।

मुख्य अतिथियों का स्वागत मौखिक रूप से श्री मुकेश गुप्ता - उपनिदेशक (प्रशासन) एवं श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-प्रभारी कार्यक्रम ने किया। इस जूडो चैम्पियनशिप में लगभग 348 बालक बालिकाओं ने भाग लिया। जिसमें से 154 बालक बालिकाओं ने अपनी श्रेष्ठता अलग-अलग वजन वर्ग अंतराल में सिद्ध की। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से विजेता, उपविजेता बच्चों को पदक और टी-शर्ट प्रदान की गई। प्रथम टीम और द्वितीय टीमों के बच्चों को ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) एवं श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-प्रभारी कार्यक्रम एवं अन्य सहायक गणों द्वारा बच्चों को अच्छे खेल प्रदर्शन हेतु सम्बोधित किया। अंत में सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र एवं जलपान वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को श्रेष्ठ खेल प्रदर्शन करने हेतु उन्हें एक खेल मंच प्रदान कर प्रोत्साहित करना है।

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षा पे चर्चा 3.0"

दिनाँक 20 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय बाल भवन में "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षा पे चर्चा 3.0" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम हेतु भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 400 बच्चे दिनाँक 18 से 21 जनवरी, 2020 तक राष्ट्रीय बाल भवन के छात्रावास में ठहरे तथा उन्होंने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। मुख्य कार्यक्रम 20 जनवरी, 2020 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया जिसमें भारतवर्ष के लगभग सभी राज्यों से आए 2200 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रधानमंत्री जी, केन्द्रीय मंत्री-मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री निशंक, एवं उप सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर.सी. मीणा तथा मंत्रालयों के अन्य गणमान्य कर्मचारी थे। प्रधानमंत्री जी के आगमन से पूर्व बच्चों हेतु राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" एवं "फिट इण्डिया" विषयक गीतों का मैडले एवं योग तथा पारंपरिक नृत्य शैली से युक्त नृत्य का प्रदर्शन किया। नृत्य द्वारा "एक भारत, श्रेष्ठ भारत", फिट इण्डिया, एवं अनेकता में एकता को उजागर करने का प्रयास किया गया था। जिसकी प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी जी, श्री निशंक जी, श्री आर.सी. मीणा जी ने बहुत सराहना की।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 जनवरी, 2020 से 30 जनवरी, 2020 तक तीन दिवसीय "शीशा वर्क" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को शिल्प उत्पाद की जानकारी दी गई जिसमें वस्त्रों एवं अन्य शिल्प उत्पादों की साज-सज्जा हेतु इसके उपयोग के बारे में बताया गया जोकि गुजरात राज्य से प्रचलित है। "शीशा वर्क" में उपयोग में लाई जाने वाली सिलाइयों अथवा टाँकों को प्रदर्शन कर बच्चों को समझाया गया। इस कार्यशाला द्वारा बच्चों ने रिंग बनाना एवं कपड़े पर जोड़ना सीखा। जिससे उन्होंने टाँकों का उपयोग कर रिंगों का निर्माण किया। तत्पश्चात् रिंगों का उपयोग करके कपड़े पर "शीशा वर्क" बनाने का प्रदर्शन करके दिखाया गया। इस प्रदर्शन द्वारा बच्चों ने जूट के कपड़े पर "शीशा वर्क" से सुसज्जित पैचों का निर्माण करना सीखा। इस कार्यशाला में 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रतिदिन जलपान दिया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

बसंत पंचमी के अवसर पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 29 जनवरी, 2020 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में माता सरस्वती जी की पूजा की गई।

इस दौरान प्रदर्शन अनुभाग के कुछ बच्चों ने सरस्वती वंदना गीत भी गाया तथा उपनिदेशक-प्रशासन, श्री मुकेश गुप्ता जी ने माता को माला अर्पण कर फूल चढ़ाऐ। तत्पश्चात् माता को सभी सहभागियों ने फूल चढ़ाकर मंगल कामना की। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों एवं 20 कर्मचारियों नेा भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को मिठाईयाँ बाँटी गई।

सिलाई कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 31 जनवरी, 2020 से 6 फरवरी, 2020 तक सात दिवसीय "जूट बैग" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को जूट बैग के पेपर पैटर्न का उपयोग करके जूट के कपड़े पर अलग-अलग आकारों में बैगों की कटिंग करना एवं अस्तर जोड़ना सिखाया गया। बच्चों ने अस्तर को जूट बैगों की कटिंग पर कच्चा टाँका द्वारा जोड़ना सीखा। तत्पश्चात् जूट बैग की कटिंग पर पैच तथा कढ़ाई के टाँकों का उपयोग करके उसकी साज-सज्जा करना भी सिखाया गया। जूट बैग के आकारों को सिलाई मशीन द्वारा जोड़ने का प्रदर्शन करके बच्चों को दिखा। इस प्रदर्शन से बच्चों ने स्वयं जूट बैग सिलाई मशीन द्वारा सीलने सीखे। इस कार्यशाला में 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रतिदिन जलपान दिया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

एनसीईआरटी द्वारा आमंत्रण पर कार्यक्रम

दिनाँक 6 फरवरी, 2020 को एनसीईआरटी द्वारा आमंत्रण पर राष्ट्रीय बाल भवन के गायन कक्ष के 14 बच्चों ने इंदी जीओरजिया मीट में स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, लोकगीतों की श्रृंखला सहित राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति दी, जिसकी कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बहुत प्रशंसा की।

गाँधी जी की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

दिनाँक 12 फरवरी, 2020 से 14 फरवरी, 2020 तक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

12 फरवरी, 2020 को विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में गाँधी जी से संबंधित "सृजनात्मक लेखन" की गतिविधि आयोजत की गई। जिसमें बच्चों ने गाँधी जी की जीवनी, उनके आंदोलन से संबंधित लेख लिखे एवं चित्र भी बनाए। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया।

दिनाँक 13 फरवरी, 2020 को राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय, हरी नगर के 52 बच्चों को "गाँधी दर्शन" हेतु गाँधी स्मृति संग्रहालय ले जाया गया वहाँ सुश्री निधी द्वारा विभिन्न प्रदर्शित सामग्री के बारे में विस्तार से समझाया गया। बच्चों ने गाँधी जी के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं उनके जीवन व उपदेशों से प्रेरणा ली। बच्चों ने प्रण लिया कि वे सत्य व अहिंसा का मार्ग अपनाते हुए जीवन में आगे बढ़ेंगे।

दिनाँक 14 फरवरी, 2020 को 50 बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन में स्थित "पंचतंत्र गैलरी" का भ्रमण करवाया गया जिसमें बच्चों ने पंचतंत्र की कहानियों को सुन्दर प्रदर्शनों द्वारा समझा एवं उनसे सबक लिया। गायन अनुभाग में बच्चों ने "वैष्णव जन" गाने को सीखा और गाया और बाद में अपने-अपने विद्यालयों में जाकर भी इस गीत की प्रस्तुति दी।

मातृभाषा दिवस

दिनाँक 21 फरवरी, 2020 को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तीन दिवसीय गतिविधियों में भाग लेने वाले 605 सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए अनेकों कार्यक्रम - नाटक(नाट्यशास्त्र में देश की विभिन्न भाषाओं में संवाद का अभ्यास), गायन(गायन गतिविधि में बच्चों और कर्मचारियों ने हिमाचली, पंजाब, बंगला, राजस्थानी और अन्य भाषाओं के गीत गाए) सुई शिल्प और हस्तकला(सुई शिल्प और हस्तकला में कढ़ाई और नक्काशी की अक्षर गतिविधि में विभिन्न भारतीय भाषाओं के अक्षर लेखन किया गया), लकड़ी शिल्प (लकड़ी के दस्तों में प्रतिभागियों ने लकड़ी की छीलन और लकड़ी के साथ अक्षर बनाए) के साथ नारा लेखन/कविता लेखन/पेंटिंग/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। पेंटिंग/पोस्टर और कविता लेखन के विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। हमारे देश की संस्कृति के बारे में जानकारी के लिए भी बच्चों को विभिन्न संग्रहालय दीर्घाओं का भी दौरा कराया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 45 बच्चों और 30 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। अंत में सहभागियों को महात्मा गाँधी समारोह की 150वीं जयंती के लिए 50 बच्चों को रचनात्मक लेखन गतिविधी कराई गई एवं गांधी संग्रहालय की यात्रा, वैष्णव जन का गायन और राष्ट्रीय बाल भवन के पंचतंत्र गैलरी का दौरा कराया गया।

होली महोत्सव एवं कोरोना वायरस के लिए जागरूकता

दिनाँक 7 मार्च, 2020 को कोविड-19 के लिए जागरूकता अभियान के साथ होली उत्सव, पर्यावरण अनुभाग के बच्चों ने फूलों से तैयार किए गए प्राकृतिक रंगों के साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत अनुभाग के बच्चों ने होली के गीतों द्वारा किया। तत्पश्चात् नाटक अनुभाग के प्रशिक्षक-श्री मुकेश कुमार बैरवा ने बच्चों द्वारा होली पर एक मनोरंजक नाटक "होली के रंग, गुजिया के संग" से सभी जनों को भाईचारे का संदेश दिया। नृत्य अनुभाग के प्रशिक्षकों ने बच्चों के साथ दो लोक नृत्य प्रस्तुत किए। कोविड-19 के दौरान वाद्य वृंद अनुभाग की सदस्या-सुश्री करूणा ने कोरोना वायरस और महामारी के दौरान बच्चों और वयस्कों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। अंत में उपनिदेशक(प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता ने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं और कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सही खाने और व्यायाम करके सभी को सतर्क रहने एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से सभी सहभागियों ने गुजिया, ठंडाई, और पकोड़े बाँटे गए और सभी को सैनिटाइज़र भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में 200 सहभागियों एवं बच्चों ने भाग लिया।

आंतरिक शिकायत समिति रिपोर्ट

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (2013 के अधिनियम) से सम्बंधित मामलों की जांच के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन दिनाँक 19 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में किया गया था। इस कमेटी की अध्यक्ष अधिकारी हैं - श्रीमती इन्द्राणी चौधरी-उपनिदेशक-(कार्यक्रम एवं समन्वय), अन्य सदस्य हैं - श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-(सहा.नि. विज्ञान), श्री एस.के. शर्मा-(प्रभारी बाल केन्द्र), श्रीमती परमिन्दर बासु चौधरी-(कार्यक्रम आयोजक), श्री दिनेश कुमार-(अनुभाग अधिकारी), और सेंटर ऑफ यूथ (एनजीओ) से डॉ. सुधा नौटियाल-(कार्यक्रम समन्वयक)। वर्ष 2019-20 में, समिति को राष्ट्रीय बाल भवन की किसी भी महिला कर्मचारी की कोई शिकायत नहीं मिली। केवल एक मामला समिति को चिन्हित किया गया था, जो "महिला यौन उत्पीड़न" नहीं बल्कि "उत्पीड़न" के रूप में था। समिति द्वारा व्यापक विचार किया गया और विस्तृत सुनवाई के बाद 5 अप्रैल, 2020 को समिति को दिए गए निर्धारित समय के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

छठे दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन की स्थापना की एक योजना प्रारंभ की गई थी और राज्यों के लिए जवाहर बाल भवनों को एक नोडल एजेंसी के रूप में माना गया था, अतः भारत के विभिन्न राज्यों में अनेक बाल भवनों की स्थापना की गई। जवाहर बाल भवन, माण्डी उसी योजना का विस्तार था, जिसे नेहरू स्मारक निधि द्वारा प्रारम्भ में वित्तपोषित किया गया। ग्रामीण बाल भवन, माण्डी ने माण्डी गाँव की 'चौपाल' से काम करना प्रारंभ कर दिया।

वर्तमान में जवाहर बाल भवन, माण्डी ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई गई 3.75 एकड़ भूमि पर बना है और श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा इस ग्रामीण इकाई का उद्घाटन 3 फरवरी, 1973 को किया गया। यह ग्रामीण केंद्र मंगलापुरी, ग्वाल पहाड़ी, महरौली, जौनापुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, बंधावाड़ी, असोला, आयानगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबाडी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, डेरा, भाटी माइंस तथा नेब सराय के गांवों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है।

बाल भवन की गतिविधियों में शारीरिक शिक्षा, कला और शिल्प, सिलाई, काष्ठ शिल्प और मिट्टी के काम फोटोग्राफी, कंम्प्यूटर आदि शामिल हैं। मांडी बाल भवन ने ग्रामीण बच्चों में व्यापक अभिरूचि उत्पन्न की है और बच्चों की भारी मांग पर समय-समय पर नवोन्मेषी कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है।

सत्र 2019-2020 वर्ष में 878 बच्चों का पंजीकरण हुआ तथा हज़ारों व्यक्तियों ने जवाहर बालभवन, माण्डी का भ्रमण किया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी - कार्यक्रम

जलियाँवाला बाग की शताब्दी

16 अप्रैल, 2019 को प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम "याद करो कुर्बानी" आयोजित किया गया। शहीदों के सम्मान में देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं और गायन का जवाहर बाल भवन, माण्डी के बच्चों ने प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में :- डीजी डॉ. वासुदा गुप्ता, डॉ. साधना राउत, डीजी प्रकाशन प्रभाग और अध्यक्ष-प्रो. जोशी एवं प्रो. चमनलाल उपस्थित थे। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा लिखे गए पत्रों की एक पुस्तक राष्ट्रीय बाल भवन की उपनिदेशक-कार्यक्रम ने जारी की।

पृथ्वी दिवस

22 अप्रैल, 2019 को 49वें वार्षिक पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का विषय था – "हमारी प्रजातियों की रक्षा करें"। कार्यक्रम में बच्चों का ध्यान इस विषय पर आकर्षित किया गया कि मानव क्रिया ने जलवायु परिवर्तन कैसे किया है, वनों की कटाई भी प्रजातियों के विलुप्त होने के परिणामस्वरूप हुई है।

जवाहर बाल भवन माण्डी अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से धरती माँ के प्रति प्रेम और देखभाल को बढ़ावा देता है। इस वर्ष के उत्सव के विषय को बढ़ावा देने के लिए बच्चे कला और शिल्प गतिविधियों में शामिल थे।

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून, 2019 को जवाहर बाल भवन माण्डी में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण पर चित्रकला और शिल्प कार्यों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति दी।

चित्रकला प्रतियोगिता

13 जून, 2019 को जवाहर बाल भवन माण्डी में एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस प्रतियोगिता में आयु वर्ग – 5 से 8 वर्ष, 9 से 12 वर्ष, 13 से 16 वर्ष के लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन एवं विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. मधु पंत-पूर्व निदेशक-राष्ट्रीय बाल भवन-प्रमुख बाल लेखिका उपस्थित थीं। पूर्व निदेशक ने कविताओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने का प्रयत्न किया एवं बाल भवन के बच्चों को पोस्टर प्रस्तुत किए। "विश्व समन्वय संघ" प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाणपत्र और प्रत्येक समूह के विजेता बच्चों को विशेष प्रमाण पत्र और ट्रॉफियाँ प्रदान कीं। पूर्व सदस्य विजेता बच्चों को महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए चरखे की प्रतिकृतियां भेंट की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

जवाहर बाल भवन माण्डी में 21 जून, 2019 को "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह दिन "विश्व संगीत दिवस" के रूप में भी मनाया जाता है। जवाहर बाल भवन माण्डी में "योग दिवस" एवं "विश्व संगीत दिवस" कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर बच्चों और

कर्मचारियों को "योगासन" का प्रदर्शन कराया गया जिससे वे अपने जीवन में योग को जोड़ने के लिए प्रेरित हुए ताकि वे हमेशा स्वस्थ रहें। सहभागियों को बताया गया कि योग एकाग्रता शक्ति और अध्ययन में सुधार करता है और बच्चों को लक्ष्य हासिल करने में मदद करता है। बच्चों ने विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में देश भक्ति गीत गाए।

ग्रीष्मकालीन उत्सव समापन समारोह

29 जून, 2019 को जवाहर बाल भवन माण्डी में ग्रीष्मकालीन उत्सव समापन समारोह के अवसर पर एक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न आयु समूहों के बच्चों ने भाग लिया और नृत्य, संगीत, रंगमंच का प्रदर्शन किया जिसकी सभी उपस्थित जनों ने सराहना की। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं – श्रीमती मधु पंत–पूर्व निदेशक–राष्ट्रीय बाल भवन–बाल साहित्य के प्रख्यात लेखिका। मुख्य अतिथि का पारंपरिक स्वागत किया गया और सदस्य बच्चों द्वारा बनाए गए स्मृति चिन्ह के साथ उनका औपचारिक स्वागत भी किया गया। मुख्य अतिथि ने जवाहर बाल भवन माण्डी का पहला पोस्टर जारी किया जो पुरस्कार विजेता की पेंटिंग पर आधारित था। ग्रीष्म ऋतु के दौरान बाल भवन के सभी कार्यक्रम अपनी पराकाष्ठा पर होते हैं क्योंकि उस समय बड़ी संख्या में बच्चे विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। बच्चों द्वारा ग्रीष्मकाल सत्र के दौरान बनाई गई कलाकृतियों और शिल्प वस्तुओं की एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।

बच्चों ने गीत, वाद्य संगीत, नृत्य और एक लघु नाटक "दो बीघाजमीन" भी प्रस्तुत किया। डॉ. पंत ने बच्चों के तीसरे अंक न्यूज पेपर यानि "गुप चुप माण्डी टाइम्स" का विमोचन किया। डॉ. मधु पंत ने बच्चों के कार्यो की सराहना की और आशीर्वाद दिया। 13 जून, 2019 को डॉ. मधु पंत द्वारा रखी गई पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों के लिए उनकी स्वरचित कविताओं के आधार पर अभिनव पोस्टर बनाने की गतिविधि आयोजित की गई थी, सहभागी बच्चों को उन्होंने उपहार भेंट किए। इस अवसर पर अखबार गुपचुप मांडी टाइम्स के नवीनतम अंक का और जंगल और वन्य जीवन संरक्षण पर पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

गाँधी जी की 150वीं जयंती

6 जुलाई, 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन और कार्य पर रंगमंच और नाटक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए। "महात्मा गाँधी के संघर्ष" पर आधारित सदस्य बच्चों ने रंगमंच/नाटक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

से नो टू प्लास्टिक

10 अगस्त, 2019 को "नो टू प्लास्टिक" कहने के लिए प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव पर बच्चों को एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म "टिक टिक टिक कसम ये खायें फिर से - प्लास्टिक ना पाय रे टिक" दिखाई गई। तत्पश्चात् "से नो टू प्लास्टिक" विषय पर "रोटरी क्लब और इनर व्हील" के सहयोग से एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन आयु वर्ग - 8 से 10+ एवं 11 से 13+ तथा 14 से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए आयोजित की गई। रोटरी क्लब की अध्यक्ष-डॉ. कुसुम चोपड़ा और टीम के अन्य सदस्यों ने टी.बी. रोकथाम और इसके इलाज हेतु मार्ग दर्शन दिया जिसमें सदस्य स्कूल/संस्थान और गैर सरकारी संगठन के बच्चों सहित लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

14 अगस्त, 2019 को 73वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सदस्य बच्चों ने अपने द्वारा बनाए गए तिरंगे, गुब्बारे, हैंगिंग और अन्य सजावट के साथ बाल भवन मांडी के प्रांगण को एक सुंदर तरीके से सजाया एवं पारंपरिक रंगोली भी बनाई। कार्यक्रम के अवसर पर बच्चों और कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तदुपरांत बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।

दयाल सिंह कालेज के प्रो. नारायण ने बच्चों को विशेष रूप से स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में बताया। बच्चों ने राष्ट्र की महिमा का चित्रण करते हुए सांस्कृतिक, नृत्य, संगीत और वाद्य संगीत से युक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

रक्षा बंधन

रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भाई चारे के त्यौहार को अनोखे तरीके से मनाया गया। सदस्य बच्चों (लड़कियों) ने क्रिएटिव आर्ट सैक्शन में राखियाँ तैयार की और राखियों को लड़के सदस्यों की कलाई पर बांधा। प्यार और भाईचारे का बंधन एक महत्वपूर्ण त्यौहार के रूप में आयोजित हुआ।

हिंदी पखवाड़ा

1 सितम्बर, 2019 से 13 सितम्बर, 2019 तक जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने एवं सदस्य संस्था के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित हिंदी पखवाड़ा में नारा लेखन, कोलाज मेकिंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। इन विभिन्न प्रतिस्पर्धा प्रतियोगिताओं में माण्डी के सदस्य बच्चों ने कई पुरस्कार जीते।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती उत्सव

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में रंगमंच निर्माण का अंतिम चरण "महात्मा गाँधी के संघर्ष" 7 सितम्बर, 2019 से 26 सितम्बर, 2019 तक चला।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती उत्सव

1 अक्तूबर, 2019 से 3 अक्तूबर, 2019 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 1 अक्तूबर, 2019 को पोस्टर द्वारा स्वदेशी आंदोलन से जुड़े लोगों द्वारा स्वदेशी आंदोलन और अन्य आंदोलन से भी बच्चों को परिचित कराया गया।

3 अक्तूबर, 2019 को बच्चों ने शांति और समानता के केंद्रीय विषय के साथ पोस्टर मेकिंग गतिविधि में भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों ने अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत भी किए। बच्चों ने नक्कारा गायन, भजन-"रघु पति राघव राजा राम" सीखा। कुछ सदस्य बच्चों ने "महात्मा गांधी के संघर्ष" पर एक नाटकीय रूपांतरण पेश किया। शास्त्रीय शैली में दो प्रस्तुतियाँ: गांधी जी पर एक थीम गीत "मति पुकारे तो देश पुकारे..., इनेक पेहने, लाठी पकेरे शैतें जो शान से ज़ाकिम कहे थार थार थार सुनकर उका नाम रे..." और बच्चों ने "वैष्णव जन तो" पर कोरियोग्राफ नृत्य प्रस्तुत किया। दो बच्चों ने "साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल..." गीत प्रस्तुत किया और अन्य दो बच्चों ने स्वच्छता के गुण और भाईचारे से रहने की बात कही। इस दौरान बच्चों द्वारा तैयार "शांति और समानता" और "महात्मा गांधी" विषय पर कला प्रदर्शनी भी लगाई गई।

कला और शिल्प अनुभाग द्वारा कार्यशाला

इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को "अल्पना" सिखाया गया। "अल्पना" सतह पर ग्रे बोर्ड, जूट, मिट्टी से बनी रंगोली की एक अनूठी अभिव्यक्ति है जो गाय के गोबर से पुती होती है1 अल्पना रंगोली का एक पारंपरिक रूप है जो आमतौर पर फर्श और दिवार पर मिट्टी तथा अन्य सामग्री से बनाई जाती है1 सितम्बर, 2019 से 13 सितम्बर, 2019 तक जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने एवं सदस्य संस्था के बच्चों ने गोबर एवं मिट्टी के साथ लेपित होता है, सतह तैयार करने के बाद पारंपरिक रंगोली डिज़ाइन बनाकर दर्शाए जोकि अनेक राज्यों में प्रचलित है।

दीपावली उत्सव

दिनाँक 25 अक्तूबर, 2019 को जवाहर बाल भवन, माण्डी में सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने हेतु और "ना तेरी, ना मेरी ये हम सब की दीवाली" की अवधारणा को बल देने हेतु दीवाली त्यौहार मनाया। इस अवसर पर

बच्चों ने कला और शिल्प अनुभाग में दीये सजाये ताकि प्रत्येक बच्चे को अपने स्वयं के दीपक होने का एहसास हो। बच्चों और स्वयंसेवकों ने परिसर के भीतर एक सुंदर रंगोली बनाई जो बच्चों के दिल का केंद्र है और जो जगह बच्चों को बहुत आनंद देता है यानि बाल भवन जिसके भीतर बच्चों और कर्मचारियों ने दीप लगाए। गायन अनुभाग द्वारा "दीप जले दीप जले बाल भवन का दीप जले" गीत प्रस्तुत किया तथा होम मैनेजमेंट अनुभाग द्वारा पारंपरिक मिठाइयाँ बनाई गई जोकि दीपावली उत्सव के अवसर पर बच्चों को मिठाई वितरित की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सतर्कता सप्ताह

जवाहर बाल भवन माण्डी में "एकता दिवस" को एकता के संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि किस प्रकार सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एक करने में बड़ी भूमिका निभाई थी, इसलिए राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस दौरान माण्डी के कर्मचारियों ने अखंडता का संकल्प लिया एवं सतर्कता सप्ताह का आयोजन किया। इस अवसर पर बच्चों ने पोस्टर बनाए एवं प्रत्येक कार्य में सजग, ईमानदार और समर्पित रहने का आश्वासन दिया और दो नए गीतों के बोल (स्क्रिप्ट) लिखकर उन्हें संगीतबद्ध किया।

गुरू पर्व और ईद-उल-मिलाद

जवाहर बाल भवन माण्डी, एक दूसरे की संस्कृति और परंपरा के सम्मान एवं प्रसार के माध्यम से एकजुटता और भाईचारे को बढ़ावा देने में विश्वास करता है। इस दौरान बच्चों ने "दमा दम मस्त कलंदर, अली दा पेहला नंबर" और "नाम जापात क्यों चोर दीया रे धुन" जैसे गीतों/भजनों के साथ उत्सव का आनंद लिया। बच्चों ने पारंपरिक पकवान "हलुआ, ज़र्दा आदि होम मैनेजमेंट अनुभाग में बनाए और उनके साथ ही फल, मफिन और चिप्स जैसे जलपान का आनंद लिया।

राष्ट्रीय बाल सभा

राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकृत शिविर - 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2019 के दौरान जवाहर बाल भवन माण्डी के 25 सदस्यीय बच्चे शिविर में ठहरे। 14 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकृत शिविर उद्घाटन समारोह में 200 सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूल/संस्थान और एनजीओ के बच्चों के साथ-साथ जवाहर बाल भवन के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि - श्री अमित

खरे-सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं श्री आर.सी. मीणा-संयुक्त सचिव-अध्यक्ष-राष्ट्रीय बाल भवन, श्रीमती राशी शर्मा-निदेशक-राष्ट्रीय बाल भवन की उपस्थिति मे माण्डी के बच्चों ने खुले रंग मंच पर लोक नृत्य प्रस्तुत किऐ। 14 नवम्बर, 2019 के दोपहर के सत्र में भी माण्डी के बच्चों द्वारा नृत्य (भवई) और संगीत (नक्कारा और स्वर संगीत, बाल भवन गीत) के आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किए तथा बच्चों ने विभिन्न रूपों और शैलियों की कलाकृतियों के साथ जीवंत प्रदर्शनी, व्यंजन बनाने और बच्चों को पढ़ाने वाले बच्चों के साथ कला एवं शिल्प तथा होम मैनेजमेंट गतिविधियों का जीवंत स्टाल लगाया।

"नवौदित किड्स कार्निवल"

17 नवम्बर, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में माण्डी के बच्चों ने "नवौदित किड्स कार्निवल, 2019" के दौरान मैत्रेयी कॉलेज में "युवा द्वारा सेवा" के अंतर्गत फायर लैस कुकिंग, ड्राईंग, योगा, रंगोली, ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा पुरस्कार भी जीते। इस अवसर पर जज के रूप में जवाहर बाल भवन माण्डी के कर्मचारी श्री संजय को भी आमंत्रित किया गया था।

डेंटल चाइल्ड दिवस

20 नवम्बर, 2019 - जवाहर बाल भवन माण्डी में 170 सदस्य बच्चों के लिए डेंटल चाइल्ड दिवस पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा एक सामूहिक चित्रकला प्रतियोगिता और डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता "मेरा पसंदीदा कार्टून चरित्र" विषयों के साथ तीन आयु समूहों (5 से 10+ वर्ष, 11 से 12+ वर्ष, एवं 13 से 16 वर्ष) में आयोजित की गई थी। पहले तीन स्थान हासिल करने वाले बच्चों को नकद पुरस्कार दिए गए और प्रत्येक समूह में 2 सर्वश्रेष्ठ प्रयास पुरस्कार भी थे। प्रत्येक बच्चे को इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा डेंटल किट भी दी गई। इस दौरान भारतीय डेंटल एसोसिएशन के अध्यक्ष और डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. चंदर शेखर जोशी, पूर्व छात्र एवं अन्य सदस्यों ने बच्चों के साथ बातचीत की। अंत में सभी प्रतिभागियों को भारतीय डेंटल एसोसिएशन की ओर से जलपान भी दिया गया।

यह क्रिएटिविटी फेअर का भी दिन था जहाँ बच्चों के लिए खुली हवा में रचनात्मक मेला कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने खेल, गृह प्रबंधन, संगीत, नृत्य, ग्रीटिंग कार्ड और कार्टून मेकिंग एवं कला शिल्प जैसी गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को जलपान वितरण भी किया गया।

क्रिसमस समारोह

जवाहर बाल भवन माण्डी में 21 दिसम्बर, 2019 को क्रिसमस दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया बच्चों ने क्रिसमस ट्री को सितारों, घंटियों, टॉफियों, उपहार बक्से से सजाया और सांता क्लॉज़ मूर्ति का प्रदर्शन किया गया। सांता क्लॉज सजे कर्मचारी ने बच्चों को टॉफियां वितरित की। सांता क्लॉज ने बच्चों के साथ तीन टीयर

केक काटा। इस कार्यक्रम द्वारा बच्चों ने एक-दूसरे की संस्कृति और परंपरा को जाना और इस तरह एमिटी और ब्रदरहुड को बढ़ावा मिला। इस दौरान अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और गीत - "हम आपको क्रिसमस की शुभकामनाएँ" सुनाया तथा यीशु मसीह के जीवन पर एक नाटक भी प्रस्तुत किया। इस समारोह लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरित किया गया।

आमोद दिवस

जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों और कर्मचारियों ने मजेदार गतिविधियों के साथ नया साल मनाया। इस दिन को आमोद दिवस के रूप में मनाया जाता है। माण्डी के सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने खेल - संगीत कुर्सी, दौड़ में भाग लिया और संगीत और नृत्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

विश्व पुस्तक मेले में बच्चों द्वारा प्रदर्शन

जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा विश्व पुस्तक मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे नृत्यों, गीतों और वाद्य संगीत का एक समृद्ध प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

लोहड़ी उत्सव

जवाहर बाल भवन माण्डी में लोहड़ी का त्यौहार सभी जुड़े रीति-रिवाजों, परंपराओं के साथ मनाया गया। कर्मचारियों एवं बच्चों ने पवित्र आग जला कर, गीत गाकर लोहड़ी पर्व मनाया तथा लोहड़ी गीत पर पारंपरिक नृत्य भी किया। सभी ने गज़क, रेवड़ी जैसे पारपंरिक व्यंजनों का आनन्द भी उठाया।

बसंत पंचमी

जवाहर बाल भवन माण्डी में 30 जनवरी, 2020 को बसंत पंचमी का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों एवं बच्चों ने ज्ञान की देवी माता सरस्वती की पूजा की। कुछ बच्चों ने सरस्वती वंदना गाने के बाद देवी नृत्य का भी प्रदर्शन किया।

माण्डी दिवस

5 से 16 फरवरी, 2020 तक जवाहर बाल भवन माण्डी में माण्डी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन की पहली अध्यक्ष और तत्कालीन प्रधानमंत्री-श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने 3 फरवरी, 1972 को माण्डी गाँव में ग्रामीण बच्चों के लिए जवाहर बाल भवन की स्थापना की थी। इस स्थापना दिवस को प्रति वर्ष माण्डी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

5 फरवरी, 2020 - प्रथम दिन को खेल प्रतिस्पर्धी की शुरूआत हुई। इस खेल प्रतियोगिता में मजेदार और मनमोहक खेल - टग ऑफ वार, म्यूजिकल चेयर एवं रेस इत्यादि खेल खेले गए। खेलों में लगभग सदस्य संस्थानों के 100 बच्चों (सरदार पटेल विद्या निकेतन, सर्वोदय कन्या विद्यालय, जीबीएसएस स्कूल) ने भाग लिया।

7 फरवरी, 2020 - द्वितीय दिन रोल प्ले:फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न पात्रों के रोल प्ले में भाग लिया, जिनमें से कुछ ऐतिहासिक, कुछ नई विचारधारा वाले, खेल के व्यक्ति, कुछ काल्पनिक चरित्र, पशु पात्र, और हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन के चरित्रों पर आधारित थे। इस फैंसी प्रतियोगिता में बच्चों और कर्मचारियों ने आनंद लिया और बच्चों का ज्ञान वर्धन भी हुआ।

11 फरवरी, 2020 - तृतीय दिन पेंटिंग प्रतियोगिता तीन आयु वर्ग 8 से 10 वर्ष, 10+ से 12+ वर्ष, 13 से 16 वर्ष तक के लिए (सुबह का सत्र सदस्य स्कूल/संस्था के लिए एवं दोपहर का सत्र माण्डी सदस्य बच्चों के लिए) आयोजित की गई।

12 फरवरी, 2020 - चतुर्थ दिन प्रकाशन गतिविधि का आयोजन किया गया। प्रकाशन गतिविधि सुबह और दोपहर के सत्र में सदस्य संस्थानों और सदस्य बच्चों के साथ प्रकाशन संबंधी गतिविधियाँ संचालित की गई। इस गतिविधि में बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड, बुक मार्क्स, नोट पैड और कार्टून बनाना सीखा।

13 से 14 फरवरी, 2020 - पांचवा और छठा दिन जवाहर बाल भवन माण्डी में प्रति दिन दो सत्रों में नृत्य, स्वर और वाद्य संगीत के सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धात्मक दौर आयोजित किए गए। दो सत्र, सुबह का सत्र (सदस्य स्कूली बच्चे) और दोपहर का सत्र (सदस्य बच्चे) थे। सरदार पटेल विद्यालय और सर्वोदय कन्या विद्यालय के बच्चों ने

भाग लिया। दोपहर के सत्र में सदस्य बच्चों के लिए क्ले मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सदस्य बच्चों ने इस कार्यशाला में बहुत रूचि ली।

15 फरवरी, 2020 – सप्तम दिन ग्रैंड फिनाले की तैयारी की गई। बच्चों और कर्मचारियों ने अपने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम और कला शिल्प कार्यों की प्रदर्शनी भी तैयार की।

16 फरवरी, 2020 – अष्ठम दिन माण्डी दिवस के पखवाड़ा के अंतिम दिन पर जवाहर बाल भवन माण्डी को पारंपरिक रंगोलियों से सजाया गया। रंगोलियों को चावल के पेस्ट और मिट्टी एवं गोबर की मिश्रित सामग्री एवं सफेद आटे के उपयोग से बनाया गया जो अभी भी गाँव के क्षेत्रों में प्रचलित हैं। कुछ रंगोलियाँ रंगों से बनाई गई थीं। बच्चों के लिए कठपुतली शो का आयोजन किया गया। समापन समारोह के दौरान बच्चों ने पारंपरिक पोशाकों में सुश्री राशी शर्मा–निदेशक–राष्ट्रीय बाल भवन के आगमन का भव्य पारंपरिक स्वागत किया। निदेशक महोदया ने बच्चों की रचनात्मक कृतियों की आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया। आर्ट गैलरी के बाहर भी विभिन्न शिल्प टुकड़ों के टेबल डिस्प्ले थे जिन्हें निदेशक महोदया ने बहुत सराहा। सांस्कृतिक समारोह में पूरे कार्यक्रम की मेजबानी सदस्य बालक ने की और फोटो और वीडियो कवरेज पूर्व छात्रों द्वारा की गई। निदेशक राष्ट्रीय बाल भवन का औपचारिक रूप से पारंपरिक शॉल और बच्चों द्वारा बनाई गई पुस्तक के साथ स्वागत किया गया। समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक राजस्थानी पारंपरिक नृत्य तेरह ताली(राजस्थान) का प्रदर्शन किया एवं फिशर लोक नृत्य (गोवा), हरियाणी नृत्य और शास्त्रीय भरतनाट्यम शैली में संविधान का एक गीत, सरस्वती वंदना और नक्कारा गायन का भी प्रदर्शन किया।

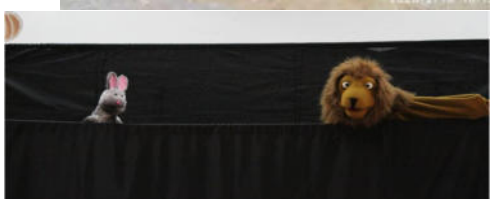

निदेशक–राष्ट्रीय बाल भवन ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया। अंत में निदेशक महोदया जी ने अपने संबोधन में कहा की माण्डी केन्द्र एक ग्रामीण क्षेत्र में है, लेकिन यह इतना अच्छा काम कर रहा है और बच्चे अपनी चुनी हुई गतिविधियों में इतना अच्छा कार्य कर रहे हैं जोकि बहुत ही सराहनीय है। निदेशक महोदया जी सभी उपस्थित सहभागियों का आर्शीवचन दिया। उनकी उपस्थिति सभी बच्चों के लिए बहुत प्रेरणादायक रही।

मातृभाषा दिवस

अपनी भाषा "बंगला" के अस्तित्व के लिए पूर्वी बंगाल (वर्तमान बांग्लादेश) में 21 फरवरी, 1952 के भाषा आंदोलन को 1999 में यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया। इस दिन हर साल मनाया जाता है। इस वर्ष के उत्सव का विषय था "विकास, शांति निर्माण और सामंजस्य के लिए स्वदेशी भाषाएँ"।

भारत की विभिन्न भाषाओं के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने और हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए रचनात्मक गतिविधि यों के साथ 21 फरवरी, 2020 को जवाहर बाल भवन माण्डी में मातृभाषा दिवस मनाया गया।

जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने मातृभाषा के महत्व पर रचनात्मक लेखन किया, जिसे बाद में उन्होंने मल्टी प्रयोजन हॉल में कार्यक्रम में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को मैत्री भाषा और मंशा भाषा आंदोलन के महत्व के बारे में बताया गया और यह भी बताया गया कि इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों और कर्मचारियों ने भाषाओं, नृत्य के रूप और गीत के संदर्भ में भारत की समृद्ध विविधता को दर्शाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें एक बच्चे ने बंगाली भाषा का गीत "आमी बंगलाई गान गाई" गाया और कुछ बच्चों ने पंजाब का गिद्दा नृत्य, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र के लोक नृत्य प्रस्तुत किये। इस अवसर पर एक कर्मचारी ने बंगाल के भटियाली लोक गीत प्रस्तुत किये। बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित रचनात्मक लेखन, स्क्रॉल प्रकार की पोस्टर मेकिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि में भी भाग लिया।

होली का त्यौहार

जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय बाल भवन में फूलों की पंखुड़ियों और प्राकृतिक रंगों को छिड़काव करके पारंपरिक तरीके से होली मनाई। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में होली से संबंधित लोक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए। सभी ने पारंपरिक व्यंजनों जैसे गुजिया इत्यादि का आनंद भी उठाया।

संविधान दिवस और अम्बेडकर जयंती

जवाहर बाल भवन माण्डी द्वारा इस वर्ष भी संविधान के 70 वर्षों को चिन्हित करने के लिए पूरे वर्ष 26 नवम्बर, 2019 से 26 नवम्बर, 2020 तक संविधान दिवस और अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम मनाया जाएगा। संविधान दिवस कार्यक्रम के शुभारंभ पर बच्चों और कर्मचारियों द्वारा प्रतिज्ञा के रूप में प्रस्तावना के पठन के साथ शुरू हुआ। बच्चों को संविधान, संविधान सभा के गठन, 26 नवम्बर, 1949 को अपनाने और 27 नवम्बर, 1950 को यह कैसे लागू हुआ, इसके बारे में बताया गया, जिसके बाद भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। तरक्की और एकता का एक विशेष गीत "हम सब भारतीय हैं" भी गाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 97 बच्चों ने भाग लिया।

माण्डी दिवस के दौरान (2 फरवरी से 16 फरवरी, 2020) "संविधान – डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जीवनी" विषय पर नाटक/गायन संगीत/नृत्य प्रदर्शित किए गए। बच्चों ने संविधान और इसके निर्माताओं के लिए शास्त्रीय भरतनाट्यम शैली में एक नृत्य प्रस्तुत किया "आओ अपनों ने मातृभूमि को झूम कर हम प्रणाम करे, जनहित के लिए बना संविधान का मिल कर हम सम्मान करें..." "ये हमारी शान, ये हमारा सम्मान है, ये रिश्ता का सम्मान है, हमारा संविधान, ये अपना संविधान है"।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	12
कुल	**49**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं। वर्ष 2019-2020 में 7856 बच्चों का पंजीकरण हुआ।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (12)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017

6. प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली-110002

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफॅ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली-110022

9. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर-9, आर.के. पुरम, दिल्ली-110022

10. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

11. योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर-4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली-110062

12. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली-110024

पश्चिमी दिल्ली (12)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली-110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली-110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली-110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार
(बांग्ला साहिब के सामने) नई दिल्ली-110001

7 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क-2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली-110033

8 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार,
समीप बारा टूटी चौक, दिल्ली-110006

9 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली-110064

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली-33

11 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

12 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

उत्तरी दिल्ली (13)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी-7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली-110035

2 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-11, दिल्ली-110085

3 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110081

4 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सेन्टर, सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली-110072

5 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई-ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली-110041

6 गर्वमेंट को-एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर-2, रोहिणी, दिल्ली -110085

7 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-7, नाहर पुर, दिल्ली-110085

9 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई-ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली-110033

10 जवाहर नवोदय विद्यालय
मुंगेशपुर, गाँव कुतुब गढ़ के समीप
नई दिल्ली-110039

11 नगर निगम उत्कृष्ट विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

12 झलकारी बाई सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली-110052

13 नजफगढ़
सरस्वती शिशु मंदिर
ढिचाउ रोड, समीप बस स्टैण्ड
नजफगढ़, दिल्ली-110043

पूर्वी दिल्ली (12)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली-110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी-ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली-110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली-110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट-सी, मयूर विहार,
फेस-2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली-110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी-ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली-110094

6 राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं0 4, सूरजमल विहार, दिल्ली -110092

7 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप,
ढक्का गाँव, दिल्ली-110009

9 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई-ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली-110051

10 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

11 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

12 एम.सी.डी. प्राईमरी स्कूल
नत्थू सिंह कालोनी, शाहदरा-110093

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   प्लॉट नं. 624P, 627P, सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020(ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   फोन नं. 06727-220729 ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
   फोन नं. 09777444489/90, 9777445444 ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 7005018575 ई-मेल : balbhavan.manipur@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, 3205777, ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा-लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन नं. 9835327133, 06542-27766 ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिषोरम

10. बाल भवन
मिषोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं. वाई/ए-46, द्वारा सामाजिक अधिकारिता विभाग,
आईज़ोल-796007 (मिज़ोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : zdthangi@gmail.com, avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661211, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

13. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
फोन नं.: 9973658416, 0749886640, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) फोन नं.: 09422716215 ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 09421525926 ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : sps@garwarepoly.com, gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, परांजजे स्कूल, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन, बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, दयपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 9960836186 ई-मेल : raigarh@jspl.com

गुजरात

23. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन नं. 02871-236390, 0942613689, 08980000157 ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात) फोन नं.: 079-23210477, 9909011297

ई-मेल : janpandya@yahoo.com, shilpimage@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851 ई-मेल : jeetsolanki_12@yahoo.in

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात) फोन नं.: 02792-222118, 09377914333 ई-मेल : balbhavanamereli@gmail.com

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196 ई-मेल : nadiad@sardarpatelbalbhavan.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंक्षर वाड़ी मंदिर
वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन नं.: 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com, partactivities.balbhavan@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

37. बाल भवन जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन नं. 07464-220281, 221999 ई-मेल : pvms525@gmail.com, vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़-160023
फोन : 0172-2704573/2721858, 9779357180 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 9811285244 ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
फोन नं.: 01666-222602 ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, अम्बाला
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, हिसार रोड़, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
फोन नं. : 0171-2556751 ई-मेल : dcwcambala@gmail.com

48. बाल भवन, भिवानी
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)
फोन नं. : 01664-242426, 9416096715 ई-मेल : dewobhiwani@gmail.com

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान-ए-कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर-193201, फोन नं. 09419039827, 01954-223507
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन-176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,

ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन गड़वाल
जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 9666853335 ई-मेल : bodashankarmridangist@gmail.com

58. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

59. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

60. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

61. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436

62. चाचा बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
फोन नं. : 08680-276622 ई-मेल : balupalabindala@gmail.com

64. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 9246640024, 9866300171 ई-मेल : vcsp.balbhavan@yahoo.com

65. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
(आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

66. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. 9848627158, 0861.2325659, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

67. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) ई-मेल : dbbtpt@gmail.com, subbu.chinnakotla@gmail.com

68. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

69. जिला बाल भवन
म.नं. 10-2-105/1, आई.एम.ए. बिल्डिंग के सामने, ममिलागुडम, खम्मम-507002 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं.: 08742-247000, 9866934173

कर्नाटक

70. बाल भवन सोसाइटी
कब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, 9448804127
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

71. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-25581238/37 ई-मेल : manjularaman@gmail.com

72. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 ई-मेल : manjuk821@gmail.com

73. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, 9611967170 ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

74. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228 ई-मेल : rpssagara@gmail.com

75. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

76. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 0821-2495486, 09060300196, 9448914794 ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

77. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2332909 ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन : 0474-2746536, 2748769, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

79. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन : 0477-2260622, 2264254

80. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन : 0471-2316477 ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

81. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन : 0472-2872344, 9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@gmail.com

82. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन : 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

83. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

84. जवाहर बाल भवन
कला और संस्कृति विभाग
तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई -600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
विज़डम मैट्रिकुलेशन स्कूल, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

88. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल, #65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु)
फोन : 04172-235899 मो. 9994291129, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

89. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन : 9786298609, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक, सामने पोस्ट-सेलम-630016(तमिलनाडु)
फोन : 0427-2443594, 2330021, 9443109337 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

91. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे, नामक्कल-637001 (तमिलनाडु) फोन : 0427-2442197 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

92. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-11, (तमिलनाडु), फोन : 9443532934 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

93. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन : 0431-2423122, 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन : 9443153122 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

96. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर, मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु)
फोन : 04362-30121 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

97. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन : 9629036923 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु) ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन : 0452-22661795, 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

100. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन : 9597726333 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

101. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन : 9789000657 ई-मेल : artandculture@tngovt.in

102. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन : 0462-2553890 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

103. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन : 9487048658 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

104. जवाहर बाल भवन
एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9842649466

संघशासित क्षेत्र

105. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन : 0413-2225751, 2207206, 2207201 ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

106. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0512-2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

107. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-2467078, ई-मेल : jbballdjnmf@gmail.com

108. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

109. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05314-62329, 62047, 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

110. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05414-236762, 536539, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

111. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

112. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0120-2805846, 9717385288 ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

113. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05922-259665, 9410071882 ई-मेल : ngvs2008@gmail.com

114. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 09411431912 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

115. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

116. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 9425121695 ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

117. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन : 0731-2566331 ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

118. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश)
फोन : 9479756905 ई-मेल : balbhavanjbp@gmail.com

119. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07582-230221, 09425096898 ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

120. जवाहर बाल भवन
1250-।। स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

121. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) फोन : 9753589295 ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

122. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) फोन : 9893008817 ई-मेल : commwcd@nic.in

123. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07662-254379, 9425889970 ई-मेल : balbhavan@gmail.com

124. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवारा-480559 मध्य प्रदेश
फोन : 9926715553, 9424679654 ई-मेल : nyus_chw@rediffmail.com

छत्तीसगढ़

125. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन : 07762-227001, 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

126. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9329438428 ई-मेल : vineet@jindalpower.com

127. जवाहर बाल भवन एनटीपीसी
पोस्ट उज्जवल नगर, सिपत, बिलासपुर-495555 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9425281080 ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. आदिवासी बाल केन्द्र
   पूर्व माध्यमिक विद्यालय, संयुक्ता नगर, बावरे, पोस्ट भिक्खीचारू, जिला-गाजियाबाद-401209(उत्तर प्रदेश),
   फोन नं.: फोन नं.: 0981932221, 07523945652, 09919322221,
   ई-मेल : shashankmohan.rai@gmail.com

4. उन्नायन बाल केन्द्र
   मेजा रोड, इलाहाबाद-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
   9415266619, 9918974324, ई-मेल : balkendramejaroad@gmail.com

5. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
   गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एक्सलव्या नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 09450321867, 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

6. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
   धौलखर, कोराउन, इलाहाबाद-212306(उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

8. बाजलता बाल केन्द्र
   तहसील - सम्भा, जिला - जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

9. रंगपुर बाल केन्द्र
   मुलानियां, तहसील-आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

10. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
    द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर

11. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर। ई-मेल : saniistevel@gmail.com

12. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस - बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

13. (भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति)
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड,
अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टोउन, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9821108156,
ई-मेल: arundhati801@yaho0o.co.in, prarambhakalaacademy@gmail.com

31.03.2020 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती राशी शर्मा, उपसचिव, म.सं.वि.मं. (अतिरिक्त चार्ज निदेशक, रा.बा.भ.)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)
4. श्रीमती आशा भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (विज्ञान) एवं प्रभारी (कार्यक्रम)

ग्रुप ख

5. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)
6. श्री जगदीप सिंह बेदी, प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)

ग्रुप ग

7. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
8. श्री अरविंद कुमार, सहायक लेखा अधिकारी (अन्य कार्यालय से रा.बा.भ. में प्रतिनियुक्ति पर जुलाई 2019 तक)
   श्रीमती गीता गौरी, सहायक लेखा अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर दिसम्बर 2019 से 31 मार्च 2020 तक)
9. श्री अकबर अली मल्लिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
10. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
11. श्री राजू टंडन, कार्यालय सहायक
12. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
13. श्रीमती परमिंदर बोसु चौधूरी, कार्यक्रम संयोजक
14. श्री अश्विनी कुमार भट्ट, संयोजक (आविष्कारक क्लब)
15. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
16. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)
17. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
18. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)

19. श्री चन्द्रमणि, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
20. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
21. श्री नागेन्दर सिंह बिष्ट, कनिष्ठ प्रशिक्षक (क्ले)
22. श्री देवेन्द्र कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाजी)
23. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
24. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
25. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
26. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
27. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
38. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
29. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
30. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
31. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
32. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
33. श्री चमन लाल, उ.श्रे. लिपिक
34. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे. लिपिक – (अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)
35. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक
36. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक
37. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
38. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
39. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक
40. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
41. श्रीमती विनोद सांगवान, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी) – सेवानिवृत्त 31.12.2019
42. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
43. सुश्री अमृता साव, अनुवादक
44. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
45. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन
46. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
47. श्री सुनील कुमार, चालक

48. श्री बृज कुमार, चालक

49. श्री प्रदीप भट्ट, चालक

50. श्री आर.के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक

51. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक

52. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन छात्रावास

53. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक (अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)

54. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक

55. सुश्री निधी सरियाल, कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

पूर्व ग्रुप-घ (एम.टी.एस.)

56. श्री राम सिंह साही, रसोईया

57. श्री सरोप राम,

58. श्री गैंदा राम

59. श्री रमेश कुमार

60. श्री सुरेन्द्र सिंह

61. श्री साहब सिंह मीना

62. श्री जय राम

63. श्री रमेश प्रसाद यादव

64. श्री प्रेम सिंह साही

65. श्रीमती गीता साही

66. श्री जगदीश चन्द्र

67. श्री मुन्ना लाल

68. श्री जसवंत सिंह सैनी

69. श्री महेश कुमार

70. श्री कैलाश चन्द

71. श्री गोविंद सिंह बिष्ट

72. श्री नेत्र सिंह बिष्ट

73. श्री राम दीन

74. श्री राम विनोद सिंह

75. श्री तारकेश्वर गोंड

76. श्री मोहन सिंह सैनी
77. श्री लायक सिंह
78. श्री राम दुलारे
79. श्री महादेव
80. श्री कँवर भान - सेवानिवृत्त 31.7.2019
81. श्री मोहन लाल
82. श्री डूँगर सिंह
83. श्री धनपाल सिंह
84. श्री जय चंद
85. श्री हरेन्दर सिंह
86. श्री दुर्गा प्रसाद
87. श्री महिन्द्र सिंह
88. श्री उमेश कुमार
89. श्री बिल्लू - स्वैच्छिक सेवानिवृत्त 31.5.2019
90. श्री बिशन स्वरूप
91. श्री दास - सेवानिवृत्त 31.9.2019
92. श्री होरी लाल
93. श्री नितिन
94. श्रीमती अनुराधा
95. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा
2019-20

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
प्रबंधक मंडल
राष्ट्रीय बाल भवन

हमने 31 मार्च 2020 तक के लिए **राष्ट्रीय बाल भवन (NBB),** कोटला रोड़, नई दिल्ली–110002 के संलग्न तुलनपत्र तथा इसी तिथि को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए तैयार एवं इसके साथ संलग्न आय एवं व्यय खाते की भी लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधक मंडल का उत्तरायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।

हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए करें कि इन वित्तीय विवरणों में किसी भी प्रकार की वास्तविक प्रतीति की मिथ्या सूचना शामिल नहीं है। लेखा परीक्षा में वर्णित वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों तथा निष्कर्षों की उपयुक्तता की जांच के लिए नमूना आधार पर परीक्षण शामिल है।

अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों को जब अन्य नोट्स के साथ पढ़ा गया तो इन्हें अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरूप पाया गया।

ii) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों तथा वित्तीय विवरणों से अधिनियम में अनिवार्य सब सूचनायें प्राप्त होती हैं तथा इनमें भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन किया गया है।

(क) तुलनपत्र के विषय में, **31 मार्च 2020** को राष्ट्रीय बाल भवन की वित्तीय स्थिति।

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा घाटे की स्थिति।

कृते सिंह छाबड़ा एण्ड कम्पनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

SINGH CHHABRA & CO. New Delhi Chartered Accountants

हरीश कुमार छाबड़ा
(पार्टनर)
एम नं0 500104
स्थान : दिल्ली
तिथि : 20.11.2020

31 मार्च 2020 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2019-20	2018-19
समग्र/पूंजी निधि	1	(8194,95,894)	(7314,34,310)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835	2,50,835
ऋण देयता		–	–
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	9704,11,165	8674,81,689
कुल		**1511,66,106**	**1362,98,214**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	558,95,878	537,19,714
मूर्त परिसंपत्तियां		558,57,592	537,07,497
अमूर्त परिसंपत्तियां		38,286	12,217
पूंजीगत चल रहे कार्य		–	–
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	–	–
दीर्घ अवधि		–	–
लघु अवधि		–	–
अन्य निवेश	6	–	–
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	245,79,919	106,06,045
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	706,90,309	719,72,455
कुल		**1511,66,106**	**1362,98,214**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23	–	–
लेखा नोट्स	24	–	–

गीता गौरी		मुनेश गुप्ता	दीपा
स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2019-20	2018-19
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	-	-
अनुदान/सब्सिडी	10	1800,55,034	1926,84,623
निवेश से आय	11	-	-
अर्जित ब्याज	12	13,07,782	12,48,220
अन्य आय	13	16,81,085	11,61,738
गत अवधि की आय	14	1,35,467	-
कुल (क)		**1831,79,368**	**1950,94,581**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	923,01,396	1150,34,733
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	1372,16,853	1630,04,724
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	-	-
शैक्षिक व्यय	16	71,74,213	142,97,186
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	264,45,273	398,04,300
परिवहन व्यय	18	-	46,725
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	61,08,735	53,29,592
वित्त लागत	20	12,126	51,282
मूल्य ह्रास	4	35,09,103	39,05,908
अन्य व्यय	21	-	-
गत अवधि के व्यय	22	34,39,621	10,70,586
कुल (ख)		**2762,07,320**	**3425,45,036**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		**(930,27,952)**	**(1474,50,455)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23	-	-
लेखा नोट्स	24	-	-

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2019-20	2018-19
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	10213706	244,94,769
II. प्राप्त अनुदान		
भारत सरकार से		
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से		
– पूंजीगत व्यय के लिए	8744000	84,27,000
– राजस्व व्यय के लिए	190103000	1790,89,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
IV. विविध देनदार	–	–
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	–	–
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	–	–
VII. निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	–	–
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	–	–
ग. बचत बैंक खाते पर	1121895	12,23,403
VIII. अन्य आय	1315243	3,54,516
IX. विगत अवधि आय	19456	2,16,614
X. अन्य प्राप्तियां - देय		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी. ई. आई.)	–	–
आंतरिक प्राप्ति लेखा	–	3,02,450
बैंक द्वारा अतिरिक्त ऋण	–	12,000
XI. चालू देयताएं		
प्रतिभूति जमा	200	27,65,656
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	–	–
XII. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम की वसूली	–	–
बीएसईएस से प्राप्त राशि	22334.75	–
विविध देनदार	1230	–
कुल	**211541065**	**2168,85,408**

अदायगियां	2019-20	2018-19
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	20524972	205,09,104
ख. वेतन एवं भत्ते	65565356	867,17,550
ग. सेवानिवृत्ति लाभ	45008127	352,22,545
घ. शैक्षिक व्यय	7166633	142,69,418
ड. प्रशासनिक व्यय	26090554	233,65,051
च. परिवहन व्यय	–	46,725
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	6108735	52,85,322
ज. पूर्व अवधि के व्यय	–	–
झ. अन्य व्यय	12126	51,282
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता		
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	5685268	35,15,545
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	–	–
शुल्क एवं कर	160900	1,22,000
देय सामान्य व्यय	646824	2,47,579
देय वेतन व्यय	4461649	44,01,316
V. अन्य भुगतान		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जीईआई)	–	1,15,565
मानव संसाधन विकास मंत्रालय को ब्याज	–	6,35,761
आंतरिक प्राप्तियों को राशि	2048	–
बैंक द्वारा अतिरिक्त ऋण	12000	–
VI. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम	1330736	121,47,428
कार्य निष्पादन गारण्टी	–	–
प्रतिभूति जमा	2566886	–
आयकर विभाग के पास जमा राशि	–	19,511
एलटीसी अग्रिम	–	–
VII. पूंजीगत व्यय हेतु अग्रिम	2000000	–
VIII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	24198251	102,13,706
कुल	**211541065**	**2168,85,408**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक (प्रशा.)

दीपा
निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
वर्ष के आरंभ में शेष	(7314,34,310)	(5908,47,853)
जोडें : वित्तीय वर्ष 2018-19 में आवर्ती व्यय को रोकड़ राशि (प्रारंभिक जमा) में समायोजित किया जाना था पर उसे पूंजीगत व्यय में दर्शाये जाने की त्रुटि हुई है।	(8,48,000)	–
वर्ष का समायोजित आरंभिक खाता शेष	(7322,82,310)	–
जोड़ें : समग्र पूंजीगत निधि में अंशदान	–	–
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	49,66,369	92,69,360
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	–	–
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	–	–
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	–	–
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	8,48,000	24,05,362
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	–	–
कुल	**(7264,67,941)**	**(5839,83,855)**
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	(930,27,952)	(1474,50,455)
वर्ष के अंत में शेष	**(8194,95,894)**	**(7314,34,310)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड. बैंक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल (क)	**2,50,835**	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835	2,50,835
प्रस्तुत की गई		
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	**2,50,835**	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	–	–
2. विद्यार्थियों से जमा	–	–
3. विविध लेनदार	15,82,285	41,40,397
क. आर.ओ. से	–	–
ख. अन्य	72,466	1,35,986
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	15,09,819	40,04,411
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	10,97,520	13,60,152
क. अतिदेय	–	–
ख. अन्य	10,97,520	13,60,152
6. अन्य वर्तमान देयताएं	250,60,240	115,18,746
क. वेतन	42,46,617	44,61,649
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	–	–
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	–	–
घ. अप्रयुक्त अनुदान	194,56,020	56,30,423
ड. अग्रिम अनुदान	–	–
च. अन्य निधियां	–	–
छ. अन्य देयताएं	13,57,603	14,26,674
कुल (क)	**277,40,045**	**170,19,295**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	–	–
2. उपदान	653,15,197	678,33,824
3. अधिवर्षिता पेंशन	8383,43,404	7421,07,875
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	390,12,519	405,20,695
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	–	–
6. व्यय हेतु प्रावधान	–	–
कुल (ख)	**9426,71,120**	**8504,62,394**
कुल (क + ख)	**9704,11,165**	**8674,81,689**

अनुसूची-4 – मूल्यह्रास की सूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	**01.04.19 की स्थिति**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**लोप**	**31.03.20 की स्थिति**	**31.03.19 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**31.03.20 को संचित ह्रास**	**31.03.20 की स्थिति**	**31.03.19 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	889,78,150.11	94,026.00	–	890,72,176.11	484,03,573.10	17,81,444.00	–	501,85,017.10	388,87,159.01	405,74,577.01
ट्यूबवैल	8,16,921.00	1,31,106.00	–	9,48,027.00	4,96,920.70	18,961.00	–	5,15,881.70	4,32,145.30	3,20,000.30
विद्युतीय संस्थापन	154,62,351.13	46,10,466.00	13,40,000.00	187,32,817.13	100,74,923.02	8,01,237.21	2,29,130.69	106,47,029.54	80,85,787.59	53,87,428.11
संयंत्र एवं मशीनरी	4,20,056.50	–	–	4,20,056.50	4,05,111.74	3,021.76	–	4,08,133.50	11,923.00	14,944.76
वैज्ञानिक उपकरण	11,86,171.52	24,500.00	–	12,10,671.52	10,92,235.52	12,507.00	–	11,04,742.52	1,05,929.00	93,936.00
कार्यालय उपकरण	41,44,183.05	9,400.00	–	41,53,583.05	24,99,643.13	1,51,614.00	–	26,51,257.13	15,02,325.92	16,44,539.92
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	53,16,716.03	50,777.00	–	53,67,493.03	42,35,175.19	1,83,047.53	–	44,18,222.72	9,49,270.31	10,81,540.84
वाहन	2,77,643.00	–	–	2,77,643.00	2,74,491.00	350.00	–	2,74,841.00	2,802.00	3,152.00
पुस्तकें	9,98,382.00	–	–	9,98,382.00	9,98,381.00	–	–	9,98,381.00	1.00	1.00
फर्नीचर और फिक्सचर	154,62,688.81	4,32,979.00	–	158,95,667.81	148,74,882.73	1,66,396.13	–	150,41,278.86	8,54,388.95	5,87,806.08
कम्प्यूटर	90,91,132.00	3,17,441.00	–	94,08,573.00	89,60,144.00	1,03,959.00	–	90,64,103.00	3,44,470.00	1,30,988.00
विविध	83,78,269.97	1,76,602.00	–	85,54,871.97	77,39,885.61	1,13,450.00	–	78,53,335.61	7,01,536.36	6,38,384.36
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	3,16,259.00	73,729.00	–	3,89,988.00	3,16,259.00	73,729.00	–	3,89,988.00	–	–
कुल	**1508,48,924.12**	**59,21,026.00**	**13,40,000.00**	**1554,29,950.12**	**1003,71,625.74**	**34,09,716.63**	**2,29,130.69**	**1035,52,211.68**	**518,77,738.44**	**504,77,298.38**
जवाहर बाल भवन, माण्डी										
भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी	36,25,178.22	–	–	36,25,178.22	11,71,226.64	72,504.00	–	12,43,730.64	23,81,447.58	24,53,951.58
विद्युतीय उपकरण	6,39,745.57	2,04,899.00	–	8,44,644.57	2,56,831.05	42,233.00	–	2,99,064.05	5,45,580.52	3,82,914.52
ट्यूबवेल	1,89,235.00	75,598.00	–	2,64,833.00	91,954.08	5,297.00	–	97,251.08	1,67,581.92	97,280.92
संयंत्र एवं मशीनरी	76,339.00	72,498.00	–	1,48,837.00	65,524.02	7,442.00	–	72,966.02	75,870.98	10,814.98
कार्यालयी उपकरण	1,31,189.00	–	–	1,31,189.00	50,694.06	9,840.00	–	60,534.06	70,654.94	80,494.94
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	1,64,846.00	–	–	1,64,846.00	1,61,265.26	3,577.74	–	1,64,843.00	3.00	3,580.74
फर्नीचर एवं फिक्सचर	4,02,522.74	1,77,781.00	–	5,80,303.74	2,05,767.20	35,755.08	–	2,41,522.28	3,38,781.46	1,96,755.54
वाहन - जवाहर बाल भवन, माण्डी	2,309.00	–	–	2,309.00	2,306.00	–	–	2,306.00	3.00	1.53
पुस्तकें - जवाहर बाल भवन, माण्डी	1,128.18	–	–	1,128.18	1,073.47	53.71	–	1,127.18	1.00	54.71
कम्प्यूटर	–	4,83,575.00	–	4,83,575.00		96,715.00	–	96,715.00	3,86,860.00	–
विविध	15,552.15	10,000.00	–	25,552.15	11,204.67	1,278.00	–	12,482.67	13,069.48	4,347.48
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	2,400.00	16,088.00	–	18,488.00	2,400.00	16,088.00	–	18,488.00	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन, माण्डी)	**52,50,444.86**	**10,40,439.00**	**–**	**62,90,883.86**	**20,20,246.45**	**2,90,783.53**	**–**	**23,11,029.98**	**39,79,853.88**	**32,30,196.94**

अनुसूची - 4 क

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**01.04.2019 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**वर्ष के दौरान बिक्री**	**31.03.2020 को निवल ब्लॉक**	**31.03.2019 तक ह्रास**	**वर्ष 2019-20 के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**कुल ह्रास 31.03.2020 तक**	**31.03.2020 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2019 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	2,00,612.00	63,803.00	0	2,64,415.00	1,88,395.00	37,734.00	0	2,26,129.00	38,286.00	12,217.00
कुल (4+4क)	**1562,99,980.98**	**70,25,268.00**	**13,40,000.00**	**1619,85,248.98**	**1025,80,267.19**	**37,38,234.16**	**2,29,130.69**	**1060,89,370.66**	**558,95,878.32**	**537,19,712.32**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	–	–
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,76,575**	**3,77,805**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,76,575	3,77,805
ख. अन्य	–	–
3. टी.डी.एस.	**5,093**	**14,534**
टी.डी.एस. 18-19	5,093	14,534
3. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**241,98,251**	**102,13,706**
बचत खातों में	**241,98,251**	**102,13,706**
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा एच.क्यू. पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों में (योजनागत)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
कुल	**245,79,919**	**106,06,045**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)	–	–
क. विविध अग्रिम	–	–
ख. त्यौहार	–	–
ग. चिकित्सा अग्रिम	–	–
घ. अग्रदाय अग्रिम	–	–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	–	–
च. एल.टी.सी. अग्रिम	–	–
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**53,033**	**72,389**
क. वाहन ऋण	10,676	23,389
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	42,357	49,000
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**683,52,355**	**718,18,230**
क. पूंजी खाते पर	–	–
i सी.पी.डब्लयू.डी. को अग्रिम	528,52,097	535,70,996
ख. आपूर्तिकर्ताओं को	–	–
i डी.टी.सी. को अग्रिम	1,59,875	1,59,875
ii राज्यों को सहायता	85,63,200	93,38,193
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	23,495	22,335
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	-	–
ग. अन्य पक्ष	-	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	67,51,913	87,25,056
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	-	–
ड. अन्य	1,775	1,775
4. पूर्वदत्त व्यय	20,84,401	–
क. बीमा	-	–
ख. अन्य व्यय	20,84,401	–
5. जमा	**2,00,520**	**81,836**
क. टेलीफोन	-	–
ख. लीज़/किराया	-	–
ग. बिजली	21,975	21,975
घ. अन्य (जमा)	1,78,545	59,861
कुल	**706,90,309**	**719,72,455**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	कुल		2019-20	2018-19
विद्यार्थियों से शुल्क				
शैक्षिक				
1. शिक्षा शुल्क			–	–
2. प्रवेश शुल्क			–	–
3. नामांकन शुल्क			–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क			–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क			–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क			–	–
7. पंजीकरण शुल्क			–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क			–	–
कुल (क)			**–**	**–**
परीक्षाएं				
1. दाखिला परीक्षा शुल्क			–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क			–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क			–	–
कुल (ख)			**–**	**–**
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क			–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क			–	–
3. चिकित्सा शुल्क			–	–
4. परिवहन शुल्क			–	–
5. छात्रावास शुल्क			–	–
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क			–	–
7. विविध			–	–
कुल (ग)			**–**	**–**
प्रकाशनों की बिक्री				
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री			–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री			–	–
3. अन्य			–	–
कुल (घ)			**–**	**–**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां				
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क			–	–
2. सदस्यता शुल्क			–	–
कुल (ड़)			**–**	**–**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ड़)			**–**	**–**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	कुल					2019-20	2018-19
	पूंजी	वेतन	सामान्य	एनईआर सामान्य	एनईआर पूंजी		
पिछले वर्ष का शेष	5,640	40,00,121	67,300	3,07,362	12,50,000	56,30,423	200,68,406
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	87,44,000	854,77,000	1046,26,000	–	–	1988,47,000	1875,16,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	20,00,000	–	29,66,369	–	–	49,66,369	92,69,360
जोड़ें : अप्रयुक्त अनुदान की वापसी	–	–	–	–	–	–	–
शेष	67,49,640	894,77,121	1017,26,931	3,07,362	12,50,000	1995,11,054	1983,15,046
घटायें : प्रयुक्त राजस्व व्यय के लिए इस्तेमाल (ख)	67,49,640	66,33,316	48,15,702	7,362	12,50,000	194,56,020	56,30,423
शेष आय एवं व्यय खाते (ग) में ले जाया गया	–	828,43,805	969,11,229	3,00,000	–	1800,55,034	**1926,84,623**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	कुल		अन्य निवेश	
	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	–	–	–	–
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र	–	–	–	–
2. सावधि जमा पर ब्याज				
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)				
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज	–	–	–	–
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज	–	–	–	–
5. अन्य (सी.पी.एफ.)	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि	–	–	–	–
शेष	–	–	–	–

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा बैंक	9,62,875	10,66,435
ख. एम.एस.जे.ई.	1,59,020	1,56,968
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	5,357	–
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	26,106	24,817
ख. देनदारों से प्राप्त ब्याज	1,54,424	–
कुल	**13,07,782**	**12,48,220**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्षों का किराया		–
2. लाईसेंस शुल्क	82,080	72,455
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क		–
4. वसूले गये बिजली बिल	44,416	32,120
5. वसूला गया जल शुल्क	5,872	25,897
कुल	**1,32,368**	**1,30,472**
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री	–	–
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल	**–**	**–**
घ. अन्य	–	
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	–	–
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. आवेदन प्रपत्रों (भर्ती) की बिक्री	–	–
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	–	–
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	3,85,860	–
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	178	–
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	–
8. अन्य	1,84,510	3,07,720
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. CGHS कर्मचारी	2,64,800	2,59,950
12. CGHS पेंशनर्स	3,67,650	3,07,200
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	3,45,719	1,56,328
14. सामान्य वसूली	–	68
कुल	**15,48,717**	**10,31,266**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**16,81,085**	**11,61,738**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	1,35,467	–
कुल	1,35,467	–

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. वेतन एवं मजदूरी	653,10,751	856,33,654
ख. भत्ते एवं बोनस	207,92,997	217,24,601
ग. एल.टी.सी. सुविधा	2,93,426	7,30,046
उप-जोड़	**863,97,174**	**1080,88,301**
घ. भविष्य निधि में योगदान	74,200	70,694
ड़. एनपीएस में योगदान	14,18,590	16,46,797
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	–
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	1372,16,853	1630,04,724
ज. चिकित्सा सुविधा	34,14,744	41,94,107
झ. संतान शिक्षा भत्ता	8,58,424	7,95,415
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	–
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी अंशदान	–	99,799
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	1,38,264	1,39,620
उप-जोड़	**1431,21,075**	**1699,51,156**
जोड़	**2295,18,249**	**2780,39,457**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2020)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2019 को प्रारम्भिक शेष	**7421,07,875**	**678,33,824**	**405,20,695**	**8504,62,394**
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	312,90,946	83,52,534	53,64,647	**450,08,127**
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण	–	–	–	–
ग. शेष उपलब्ध	**7108,16,929**	**594,81,290**	**351,56,048**	**8054,54,267**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2020 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	8383,43,404	653,15,197	390,12,519	**9426,71,120**
ड. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	**1275,26,475**	**58,33,907**	**38,56,471**	**1372,16,853**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रीय कार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	70,23,346	69,81,794
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	–	3,000
ड. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	32,83,285
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	1,50,867	14,97,175
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	–	25,31,932
कुल	**71,74,213**	**142,97,186**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	58,20,095	58,71,943
ख. जल शुल्क	6,14,303	7,04,721
ग. बीमा	–	–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	20,84,401	19,81,650
ख. संचार		
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	20,767	29,986
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	3,55,974	3,04,506
ग. अन्य		
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	7,80,759	2,20,893
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	1,08,587	1,07,901
झ. सत्कार	–	–
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	51,310	57,950
ट. व्यवसायिक प्रभार	5,29,548	2,96,744
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	1,34,524	3,86,632
ड. पत्रिकाएं एवं जरनल	40,994	17,875
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	–	–
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	–	38,273
त. अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	–	3,33,691
थ. स्थानांतरण टी.ए/डी.ए. व्यय	–	–
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	–	–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	3,58,560	4,91,675
न. बागवानी व्यय	–	–
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	39,099	63,832
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	155,06,352	135,59,779
ब. कार्यालयी व्यय	–	–
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	–	–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	–	–
य. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	–
र. बा.भ.के. व्यय	–	38,54,208
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय	–	114,82,041
कुल	**264,45,273**	**398,04,300**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)	–	–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	–	46,725
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
ग. बीमा व्यय	–	–
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	–	–
कुल	–	**46,725**

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. भवन	39,11,048	31,15,083
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	1,17,704	2,67,265
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	–
घ. कार्यालय उपकरण	41,547	1,05,783
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	–	–
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	60,268	43,575
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	16,443	7,712
ज. उपकरण	12,358	4,12,556
झ. बागवानी	1,37,707	82,813
ञ. बिजली का सामान	16,32,889	11,85,594
ट. अन्य (मरम्मत)	1,78,771	1,09,211
कुल	**61,08,735**	**53,29,592**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. बैंक शुल्क	12,126.00	51,282.00
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	**12,126.00**	**51,282.00**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. अन्य (बैंक प्रभार)	–	–
ड. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2019-20	2018-19
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	1,83,189
3. प्रशासनिक व्यय	–	9,69,878
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	34,39,621	(82,481)
कुल	**34,39,621**	**10,70,586**

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता – 31 मार्च 2020 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2019-20	2018-19	परिसम्पत्तियाँ	2019-20	2018-19
पूंजीगत खाता			**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
प्रारक्षित एवं सरप्लस			श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	10,55,237	11,82,425
आरम्भिक शेष	386,66,800	230,85,766	विद्युत अवस्थापन उपकरण	5,41,147	4,73,566
जोड़ : व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	74,67,965	155,81,034	फर्नीचर व फिक्चर	5,42,096	1,66,921
31.03.2020 को शेष	**461,34,765**	**386,66,800**	कार्यालय उपकरण	11,10,862	8,84,157
ऋण देयतायें			कम्प्यूटर व सहायक मदें	–	–
गैर-प्लान राशि अन्तरण (रा.बा.भ.)	–	–	ट्यूबवैल व पानी आपूर्ति	26,706	27,286
			पौधे एवं मशीनरी	2,88,478	3,05,172
			कम लागत की परिसम्पत्तियाँ	–	–
			विविध परिसम्पत्तियाँ	92,896	98,702
				36,57,422	**31,38,230**
			निवेश		
			सावधि जमा	150,16,035	144,91,277
वर्तमान देयताएं			**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
			ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)	4,24,096	4,42,096
देय व्यय	–	34,096	बैंक खाते	231,93,325	183,47,576
ईएमडी/प्रतिभूति जमा	19,238	38,294	रा.बा.भ. मुख्य से प्राप्त राशि	–	–
रा.बा.भ. मुख्य को देय राशि (देयताएं)	1,21,982	15,350	उपार्जित ब्याज	6,00,973	2,37,718
देनदान (प्रतिभूति जमा) की अवरूद्ध राशि	–	–	बैण्ड प्रतियोगिता	1,83,594	96,514
वापसी योग्य प्रतिभूति जमा	–	–	परीक्षा पे चर्चा	11,89,563	18,35,801
			स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार	–	82,750
	1,41,220	**87,740**	ध्रुव	18,27,422	–
			स्त्रोत पर कर कटौती (टीडीएस)	1,83,554	82,578
			शुल्क और कर	1	1
				426,18,563	**356,16,311**
कुल अग्रेनीत	**462,75,985**	**387,54,540**		**462,75,985**	**387,54,540**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2019-20	2018-19	आय	2019-20	2018-19
प्रशासनिक व्यय	–	25,958.00	मान्यता प्रदत्त शुल्क	1,17,777.00	1,10,500.00
मरम्मत और रख-रखाव	10,58,023.00	9,81,129.00	बाल भवन केन्द्र-प्राप्तियाँ	79,290.00	85,150.00
बैंक प्रभार	3,820.00	3,575.00	किराया प्राप्त	–	40,800.00
वाहन व्यय	–	–	एफ. डी. के लिए ब्याज	9,86,682.02	8,25,775.00
ह्रास	6,16,879.00	3,73,619.00	छात्रावास प्रभार – प्राप्तियाँ	33,44,916.00	23,47,635.00
मनोरंजन व्यय	–	–	सदस्यता शुल्क	6,33,960.00	12,81,411.64
उपहार वितरण व्यय	–	–	सदस्यता शुल्क – ज.बा.भ. मांडी	2,100.00	3,324.00
हाउस कीपिंग प्रभार (आउटसोर्स)	8,35,776.00	9,08,296.00	विविध प्राप्तियाँ	24,77,478.00	78,10,721.00
छात्रावास मैस प्रभार	6,98,279.00	1,75,861.00	टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	–	–
छात्रावास व्यय – अन्य	–	–	प्रवेश पत्र फार्म की बिक्री	51,020.00	83,180.00
मुद्रण व लेखन सामग्री	–	1,440.00	प्रवेश टिकट बिक्री	574,531.24	9,31,579.86
छोटी रेलगाड़ी चलाने पर व्यय	97,169.00	73,314.00	सूचना फोल्डर की बिक्री	–	200.00
टैंट प्रभार	–	–	ट्रेन टिकट की बिक्री	21,11,650.00	12,42,070.00
विविध व्यय	65,702.00	7,355.00	विगत अवधि आय	–	28,84,576.00
बैठक व सभागार व्यय	–	–	प्राप्त बैंक ब्याज	4,64,208.77	4,79,078.00
व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	74,67,965.03	155,81,033.50	प्रभारित विद्युत व्यय	–	1,265.00
			कर्मचारियों को मानदेय	–	2,000.00
			जल प्रभार वसूली	–	2,315.00
जोड़	**108,43,613.03**	**181,31,580.50**	**जोड़**	**108,43,613.03**	**181,31,580.50**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	अदायगियां	2019-20	2018-19
प्रारम्भिक शेष			**वर्तमान देयतायें**		
बैंक	183,47,576	211,45,436	मुख्य खाते में देय राशि	–	3,62,800
			शुल्क एवं कर	–	–
ऋण (देयतायें)			विविध लेनदार	–	–
योजनतर राशि अंतरण (रा.बा.भ.)	–	–	ईएमडी का पुनर्भुगतान	24,860	–
			निष्पादन गारंटी का पुनर्भुगतान	11,212	–
			देय व्यय	17,080	–
ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्ति)					
मुख्य खाते से प्राप्य राशि	2,048	–	**ऋण (देयतायें)**		
मा.स.वि.मंत्रालय	–	92,606	योजनेतर राशि अंतरण (रा.बा.भ.)	–	–
प्रत्यक्ष आय			**निवेश**		
मान्यता शुल्क	1,17,777	1,10,500	केनरा बैंक के साथ एफ.डी.आर.	–	200,00,000
बा.भ.के. – प्राप्तियाँ	79,290	85,150			
छात्रावास प्रभार प्राप्तियाँ	9,64,216	22,64,885	**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
सदस्यता शुल्क	6,33,960	12,81,412	कार्यालय उपकरण	33,780	–
सदस्यता शुल्क – ज.बा.भ. मांडी	2,100	3,324	पौधे एवं मशीनरी	–	93,486
विविध प्राप्तियाँ	20,50,071	20,02,775	कम कीमत की परिसम्पत्तियाँ	–	81,818
टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	–	–	फर्नीचर और फिक्चर	9,458	–
प्राप्त किराया	–	40,800	डेजर्ट कूलर	–	–
प्रवेश फार्म की बिक्री	51,020	83,180	विद्युत अवस्थापन व उपकरण	73,855	3,59,232
प्रवेश टिकट की बिक्री	5,74,531	9,31,580	साईन बोर्ड	–	–
जानकारी फोल्डर की बिक्री	–	200	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	–	10,325
ट्रेन टिकट की बिक्री	21,11,650	12,42,070	श्रव्य एवं दृश्य उपकरण	–	5,92,337

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	अदायगियां	2019-20	2018-19
परिपक्व एफडीआर			**ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)**		
सावधि जमा	–	60,00,000	ओबीए चालू खाता	1,97,550	9,000
			मा.स.वि.मंत्रालय	–	–
चालू संपत्तिया					
बैंड प्रतियोगिता	7,73,788	–	**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
परीक्षा पे चर्चा	12,74,307	–	परीक्षा पे चर्चा	–	4,30,135
स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार	82,750	–	ध्रुव	13,32,624	–
अप्रत्यक्ष आय			**अप्रत्यक्ष व्यय**		
विगत अवधि आय	–	23,22,664	बैंक प्रभार	3,820	3,575
बिजली का खर्च	–	–	छात्रावास मैस प्रभार	6,72,140	1,73,826
कर्मचारियों को मानदेय	–	2,000	विविध व्यय	65,702	7,355
जल शुल्क वसूली	–	–	मरम्मत और रख-रखाव	9,65,781	9,62,504
प्राप्त बैंक ब्याज	4,64,209	4,79,078	शैक्षिक व्यय	–	25,958
एफडी पर ब्याज	–	14,202	छात्रावास व्यय - अन्य	–	–
			साफ-सफाई पर व्यय	9,28,106	9,08,296
वर्तमान देयताएं			छोटी रेलगाड़ी को चलाने पर व्यय	–	73,314
ई.एम.डी./प्रतिभूति जमा	–	–	मुद्रण एवं लेखन सामग्री	–	1,440
वयस्क शिक्षा निदेशालय	–	–			
कला उत्सव	–	35,74,316	**अन्तिम शेष**		
बैण्ड प्रतियोगिता	–	7,66,799	बैंक	231,93,325	183,47,576
जोड़	**275,29,293**	**424,42,977**	**जोड़**	**275,29,293**	**424,42,977**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

आन्तरिक प्राप्ति खाता

अनुसूची-4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2020 को परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की सूची

परिसंपत्तियों का नाम	01.04.2019 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान खरीद/समायोजन	वर्ष के दौरान बिक्री	31.03.2020 को निवल ब्लॉक	31.03.2019 तक ह्रास	वर्ष 2019-20 के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2020 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2019 को शुद्ध ब्लॉक
ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	28,985	–	–	28,985	1,699	580	–	2,279	26,706	27,286
विद्युत अवस्थापन व उपकरण	5,25,869	98,815	–	6,24,684	52,303	31,234	–	83,537	5,41,147	4,73,566
कार्यालयी उपकरण	12,18,021	3,43,843	–	15,61,864	3,33,862	1,17,140	–	4,51,002	11,10,862	8,84,159
श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	16,95,816	–	–	16,95,816	5,13,393	1,27,186	–	6,40,579	10,55,237	11,82,423
कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	23,625	–	–	23,625	23,625	–	–	23,625	–	–
फर्नीचर एवं साज-सज्जा	2,55,538	4,26,314	–	6,81,852	88,617	51,139	–	1,39,756	5,42,096	1,66,921
पौधे एवं मशीनरी	3,33,886	–	–	3,33,886	28,714	16,694	–	45,408	2,88,478	3,05,172
विविध परिसम्पत्तियाँ (सी.एन.जी. कनेक्शन)	1,16,120	–	–	1,16,120	17,418	5,806	–	23,224	92,896	98,702
कम मूल्य की परिसम्पत्तियाँ	4,53,567	2,67,100	–	7,20,667	4,53,567	2,67,100	–	7,20,667	–	–
कुल रा.बा.भ. (क)	**46,51,427**	**11,36,072**	–	**57,87,499**	**15,13,198**	**6,16,879**	–	**21,30,077**	**36,57,422**	**31,38,229**

जी.पी.एफ. खाता – 31 मार्च 2020 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2019-20	2018-19	परिसंपत्तियां	2019-20	2018-19
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	671,80,044	655,85,312
प्रारंभिक शेष	(3,98,203)	6,39,417			
व्यय पर आय की अधिकता	(9,80,329)	(10,37,620)			
अंतिम शेष	**(13,78,532)**	**(3,98,203)**			
ऋण (देयताएं)			सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
सामान्य भविष्य निधि			जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
01.04.2019 को आरंभिक शेष	644,89,845	642,51,599	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	28,974	–
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	101,83,100	98,37,100			
जोड़ें : ब्याज	46,70,131	47,68,900	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	121,89,832	143,67,754	शेष रोकड़	–	–
अंत शेष	**671,53,244**	**644,89,845**	बैंक खाते	18,66,980	6,41,643
			टी.डी.एस.	12,97,070	12,83,709
अंशदायी भविष्य निधि					
01.04.2019 को आरंभिक शेष	36,48,811	28,09,027			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	8,45,800	6,02,536			
जोड़ें : ब्याज	3,21,482	2,37,248			
घटाएं : आहरण	–	–			
अंत शेष	**48,16,093**	**36,48,811**			
मुख्य को देय राशि	**12,052**	–			
कुल अग्रेनीत	**706,02,857**	**677,40,453**	**कुल**	**706,02,857**	**677,40,453**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2019-20	2018-19	आय	2019-20	2018-19
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	48,94,924	50,14,158	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	41,61,734	40,26,486
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	3,21,482	2,37,248	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	55,571	1,65,500
बैंक प्रभार	149	60	टीडीएस वापसी पर ब्याज	18,921	13,090
			विविध वसूली	–	8,770
व्यय पर आय की अधिकता	–	–	आय पर व्यय की अधिकता	9,80,329	10,37,620
कुल	**52,16,555**	**52,51,466**	**कुल**	**52,16,555**	**52,51,466**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	अदायगियां	2019-20	2018-19
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	6,41,643	658,40,479	जी.पी.एफ. से आहरण	121,89,832	143,67,754
			सी.पी.एफ से आहरण	–	–
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	101,83,100	98,37,100	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	2,24,793	2,45,258
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	–	–
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	7,65,000	6,02,536	बैंक प्रभार	149	60
बोर्ड का अंशदान	80,800	–			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	55,571	1,65,500	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	37,16,612	36,23,832	विजया बैंक में एफ.डी.आर.	–	–
टीडीएस वापसी पर ब्याज	18,921	13,090			
विविध वसूली	–	8,770			
परिपक्व एफ.डी.आर.			केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	671,80,044	1285,85,312
केनरा बैंक	655,85,312	630,00,000			
विजया बैंक	–	–			
आई.डी.बी.आई. बैंक	–	–			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी	4,14,839	7,48,720	बैंक	18,66,980	6,41,643
कुल	**814,61,798**	**1438,40,027**	**कुल**	**814,61,798**	**1438,40,027**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2020 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2019-20	2018-19	परिसंपत्तियां	2019-20	2018-19
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,52,852.00	1,47,617.00	बैंक में शेष	1,58,155.00	1,52,852.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	5,305.00	5,235.00			
अंत: शेष	1,58,155.00	1,52,852.00			
कुल	**1,58,155.00**	**1,52,852.00**		**1,58,155.00**	**1,52,852.00**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2019-20	2018-19	आय	2019-20	2018-19
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	–	–	केनरा बैंक से	5,303.00	5,235.00
एन.एस.डी.एल.	–	–			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	–
			नियोक्ता से	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	5,303.00	5,235.00			
कुल	**5,303.00**	**5,235.00**	**कुल**	**5,303.00**	**5,235.00**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

दीपा
निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	अदायगियां	2019-20	2018-19
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,52,852.00	1,47,617.00			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	15,29,845.00	16,17,764.00	कर्मचारियों का अंशदान	15,29,845.00	16,17,764.00
नियोक्ता का अंशदान	15,29,845.00	16,17,764.00	नियोक्ता का अंशदान	15,29,845.00	16,17,764.00
			बैंक प्रभार	–	–
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	5,303.00	5,235.00			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,58,155.00	1,52,852.00
कुल	**32,17,845.00**	**33,88,380.00**	**कुल**	**32,17,845.00**	**33,88,380.00**

गीता गौरी
स.ले.अधिकारी

परामर्शदाता (वित्त)

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक (प्रशा.)

दीपा
निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तथा उत्पन्न निधि तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

गीता गौरी		मुनेश गुप्ता	दीपा
स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।

2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।

3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 85.63 लाख रुपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2020 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।

4. डीटीसी से पुन: प्राप्त करने योग्य के रूप में 1.60 लाख रुपये की राशि को अग्रिम राशि के रूप में दिखाया गया है (जो कि पिछले वर्ष का 1.60 लाख है)। कुल अग्रिमों से 40.80 लाख रुपये डीडीसी को दिये गये थे। उनके संबंध में पिछले वर्ष 39.20 लाख रुपये की राशि को पहले से ही निपटाया जा चुका है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है शेष 1.60 लाख रुपये की राशि की वसूली अभी तक नहीं की गई है, इसलिये यह सलाह दी जाती है कि उक्त राशि को बट्टे खाते में डाला जाये और उक्त बही-खाता को बंद कर दिया जाये।

5. 31.03.2020 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 528.52 लाख रुपये की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 535.71 लाख रुपये थी)।

6. चालू वर्ष में 1,35,467 रुपये की पूर्व अवधि आय और 34,39,621/- रुपये की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है। पूर्व अवधि व्यय में 23.67 लाख रुपये बी.बी.के. के व्यय के रूप में शामिल किए गए हैं जो कि प्रारंभिक वर्षों में राज्य बाल भवन को प्रदान की गई अग्रिम राशि से संबंधित है।

7. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2020 तक ब्याज सहित 47,42,231/- रुपये (पिछले वर्ष 45,83,283/- रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है। इसके अतिरिक्त एमएसजेई शेष राशि पर प्राप्त ब्याज मा.सं.वि. मंत्रालय को देय है तथा उक्त राशि को आय में सम्मिलित किया जाना अपेक्षित नहीं है।

8. 8,759 रुपये की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू और कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।

9. 3,76,575/- रुपये के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।

10. वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए मा.सं.वि.मंत्रालय को ब्याज दिये जाने के संबंध में किसी भी प्रकार के उपबंध नहीं बनायें गए थें। वित्तीय वर्ष 2018-19 के तहत प्राप्त ब्याज के आधार पर मा.सं.वि.मंत्रालय को 10,66,435/- रुपये की राशि भुगतान की गई थी और उक्त राशि को पूर्व अवधी व्यय में घटाया गया है क्योंकि पिछले वर्ष के दौरान भी किसी प्रकार के उपबंध नहीं बनाये गये थे।

11. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।

12. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।

13. इस संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। इसलिए इन लेखों में कर के लिए कोई उपबंध नहीं किया गया है।

14. वित्तीय वर्ष 2018-19 में एन ई आर के लिए प्राप्त अनुदान में से 8,48,000/- रुपये की राशि को आवर्ती व्यय के बजाय पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग के तहत दर्शाये गए हैं। इसे दिनांक 29.01.2020 को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार सी ए जी द्वारा उठाई गई। लेखा परीक्षा आपत्ति को शुद्ध किये जाने के लिए समग्र निधि (अनुसूची-1) से समायोजित की गई है।

15. प्रारंभिक शेषों का सत्यापन प्रबंधक द्वारा किया गया है और हम इस पर निर्भर हैं।

16. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुन: समूहन किया गया है।

17. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

गीता गौरी		मुनेश गुप्ता	दीपा
स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2019-20

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास)
Office of the Director General of Audit (Home, Education and Skill Development)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली - 110 002
Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002

सत्यमेव जयते

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी./2020-21/9-64/ दिनाँक 14/6/2021

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन ,नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया

मैं राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2019-20 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करती हूँ।

Your attention is drawn to the fact that due to material and persistent deficiencies in the accounts of the NBB as mentioned in the report, on which remedial action has not been taken by NBB, this office has been constrained to issue an adverse opinion on the accounts of NBB for the year 2019-20.

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए ,जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2019-20 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीया,

संलग्नक:यथोपरि

-हस्ता: -

निदेशक (ए.एम.जी.–I)

Ph. : 91-11-23702422
Fax : 91-11-23702271
D.G.A.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi-110002
e-mail : pdahesd@cag.gov.in

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी./2020-21/9-64/120 दिनाँक 14/6/2021

प्रति , प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन , कोटला रोड ,नई दिल्ली - 110002,को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए |

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए |

संलग्नक:यथोपरि

सौम्या

निदेशक (ए.एम.जी.–I)

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी./2020-21/9-64/ दिनाँक 14/6/2021

प्रति , प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति , उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (ए.बी.), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय , 9 दीन दयाल उपाध्याय मार्ग , नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है|

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है |

संलग्नक:यथोपरि

-हस्ता.-

निदेशक (ए.एम.जी.–I)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (एनबीबी) की 31 मार्च 2019 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2022-23 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, किंतु रिपोर्ट में उल्लिखित बातों को छोड़कर जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, पैरा ख.1 पर लेखापरीक्षा द्वारा टिप्पणियों के अधीन निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, रिपोर्ट में यथाउल्लिखित संदर्भो को छोड़कर, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डों का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 देयतायें

क.1.1 वर्तमान देयतायें एवं प्रावधान (अनुसूची 3) - रुपये 97.04 करोड

(i) वर्ष 2011-12 के दौरान एनबीबी ने मादक पदार्थ (ड्रग) दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी के संबंध में राष्ट्रव्यापी अभियान के लिए सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय से 53.00 लाख रुपये की सहायता अनुदान राशि की प्राप्ति की थी तथा 19.25 लाख रुपये का उपयोग किया है। तथा, 47.42 लाख (13.58 लाख रुपये के ब्याज आय को सम्मिलित करते हुए) की अप्रयुक्त सहायता अनुदान की राशि को 31.03.2020 को चालू देयता में नहीं दर्शाया गया है। इसका अर्थ 47.42 लाख रुपये के संबंध में चालू देयता में कमी हुई है और पूंजीगत निधि के संबंध में बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2017-18 से लेखापरीक्षा द्वारा इस मामले का अवलोकन किया जा रहा है परन्तु रा.बा.भ. द्वारा सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

क.2 परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 5.58 करोड़ रुपये

(i) उपरोक्त में 1.58 करोड़ रुपए की राशि की निर्माणाधीन कार्य की पूंजी शामिल नहीं की गई है। इसे ऋण तथा अग्रिम के तहत दिखाया गया है। परिणामत: 1.58 करोड़ रुपए की निर्माणाधीन कार्य की पूंजी (स्थिर परिसंपत्ति) एवं ऋण तथा अग्रिमों के अतिकथन की जानकारी प्राप्त हुई है।

(ii) भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014-15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है।

परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

क.2.2 ऋण, अग्रिमों एवं जमा राशियाँ (अनुसूची-8) – 7.07 करोड़ रुपए

मार्च 2008 से जनवरी 2020 की अवधि के दौरान विभिन्न प्रयोजनों के लिए सी.पी.डब्ल्यू.डी. को दी गई 5.28 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि उपरोक्त में शामिल है। इन निर्माण कार्यों में से मार्च 2008 से मार्च 2016 तक की अवधि के लिए 3.71 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि के निर्माण कार्य को पूरा किया गया है, पर प्रमाण-पत्र/लेख-पत्रक को प्रस्तुत करने की जरूरत के लिए अभी तक समायोजन नहीं किए गए हैं। इसके कारण 3.71 करोड़ रुपये की ऋण, अग्रिमों तथा जमा राशियों के अतिकथन व्यय की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

ख. आन्तरिक रसीद खाता

ख.1 केनरा बैंक के बचत खाता सं. 0158101118475 में पूंजीगत निधि (461.35 लाख रुपये), चालू देयता (1.41 लाख रुपये, स्थायी परिसम्पत्तियां रुपये 36.57 लाख तथा चालू परिसम्पत्तियां रुपये 426.19 लाख सहित बैंक राशि 231.93 लाख रुपये 150.16 लाख रुपये का निवेश को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य खाते से बाहर रखे गये हैं)। इसे आन्तरिक सृजित निधियों के खाते के रूप में पृथक से दर्शाया जाना चाहिए था।

वर्ष 2015-16 से इस ओर ध्यान दिलाया जा रहा है परन्तु कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

आन्तरिक सृजित निधियों के खाते राष्ट्रीय बाल भवन के खातों का ही अभिन्न अंग है और एनबीबी की वित्तीय स्थिति की सम्पूर्ण, सत्य और सुस्पष्ट तस्वीर पेश करने के दृष्टिगत पूर्ण संगठन का एक समेकित खाता तैयार किया जाना चाहिए। इस संबंध में 2015-16 में भी प्रश्न उठाया गया पर कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ग. सामान्य

ग.1 वर्ष 1980-83 की अवधि से सम्बंधित जीपीएफ में से 2.13 लाख रुपये का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में दर्शाया गया था। इससे संबंधित रिकार्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गए। इसी भांति 16,759/- रुपये की राशि जीपीओ नई दिल्ली में पड़ी थी, इसे भी लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया था। यह 2011-12 से बार-बार इंगित किया जा रहा है।

रा.बा.भ. ने बताया है कि निवेश को बैंक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इस मामले को बैंक के साथ उठाया गया और बैंक ने सूचित किया है कि इस निवेश के रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं और भा.रि.बैं के निर्देशों के अनुसार बैंक अपनी शाखा में रिकार्ड को 10 वर्ष से ज्यादा नहीं रख सके। रा.बा.भ. को इस मामले में निर्णय लेने और ऑडिट को सूचित करने की आवश्यकता है।

ग.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

- डीटीसी से 1.60 लाख रुपये वसूली योग्य नहीं है।
- जे एण्ड के बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और

- सुंदरी देनदार से 3.76 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है। इस संबंध में अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाना चाहिए।

हालांकि, रा.बा.भ. ने उपरोक्त राशि को लेखा से बट्टे-खाते में डाल दिया है। यह पिछले वर्ष की रिपोर्ट से बताया गया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2019-20 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1988.47 लाख रुपये (87.44 लाख रूपये : पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण और 1901.03 लाख रुपये : आवर्ती अनुदान के निर्माण के लिए अनुदान) की सहायता अनुदान की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 56.30 लाख रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 0.05 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 56.25 लाख रुपये) 31 मार्च 2020 तक 2044.77 लाख रुपये की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1850.21 लाख रुपये की राशियों का प्रयोग किया है (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान राशि : 20.00 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान राशि : 1830.21 लाख रुपये) एवं 194.56 लाख रुपये की शेष राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 67.50 लाख रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 127.06 लाख रुपये के निर्माण के लिए) प्रयोग में नहीं लाई गई है।

ड. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार पिछले पैराग्राफों में ऊपर चर्चा की गई टिप्पणियों के प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों और अन्य के साथ मिलकर पढ़े जाते हैं। इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित मामले भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही निष्पक्ष दृष्टिकोण नहीं देते है:

क. जहाँ तक 31 मार्च 2020 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

15.6.2021

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 15.06.2021

महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नहीं है। हालांकि भुगतान की सभी फाइलों का प्री-ऑडिट किया जाता है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-

- राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त करने में लम्बित।
- 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।
- 31.03.2020 तक 45 वाह्य लेखा परीक्षा पैरा बकाया थें।
- लेखा नियम पुस्तक का रख-रखाव नहीं किया गया है।
- देनदारों/ऋणों एवं अग्रिमों की पुष्टि नहीं की गई है।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्थायी परिसम्पत्तियों जैसे फर्नीचर और फिक्चर, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कम्प्यूटर और उपस्करों का भौतिक सत्यापन मार्च 2020 तक आयोजित किया गया।
- मार्च 2020 तक की बहियों एवं प्रकाशनों की प्रत्यक्ष जांच की गई है।

4. माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2020 तक किया गया है।

5. देयताओं के भुगतान में नियमितता

- लेखों के अनुसार, 31.03.2020 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नहीं था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN